ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भगवद गीता, कुरान, बाइबिल की तरह है संविधान : गृह मंत्री परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 12 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-163

2 साल के हिंदू बच्चे की हत्या पर दोगले मानवाधिकारवादी चुप

मलाई भारत की खाएंगे, पर गाएंगे कहीं और की

जम्मू कश्मीर के रियासी में आतंकियों द्वारा 2 साल के हिंदू बच्चे समेत कई हिंदू श्रद्धालुओं की नृशंस तरीके से हत्या किए जाने पर दोगले मानवाधिकारवादी चुप हैं। चुप्पी साधे रहने वाली जमात में सारे छद्मी पत्रकार, दुर्बुद्धिजीवी, प्रगतिहीन और एकधर्मी शामिल हैं। यह उन्हीं लोगों का गिरोह है जो मुस्लिम और मोदी करता करता इंसानियत बेच देता है। इस गिरोह को केवल म्यांमार, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी घुसपैठियों की फिक्र रहती है। यही गिरोह है जिसे हमास द्वारा इज़राइल पर किया गया जघन्य आतंकी हमला नहीं दिखता। देश को बचाने के लिए सबसे पहले इस गिरोह का खात्मा जरूरी है। आप याद करिए 2 सितंबर 2015 को सीरिया में मुस्लिम समुदाय का 2 साल का बच्चा एलन कुर्दी मारा गया था। एलन कुर्दी की मौत पर इस गिरोह ने खूब हो-हल्ला मचाया, जबकि यह घटना भारत में नहीं हुई थी। एलन कुर्दी का परिवार और ऐसे कई परिवार मुस्लिमों के आतंक के कारण ही तुर्की छोड़ कर यूरोप भाग रहे थे लेकिन मारे गए। यह बात गिरोह को समझ में नहीं आती। यही शातिर गिरोह भारत के जम्मू कश्मीर में दो साल के बच्चे के मारे जाने पर चुप्पी साधे रहता है। आप सोचिए कि ये कितने नीच हैं कि हिंदू बच्चे की हत्या पर चुप रहते हैं और मुस्लिम बच्चे की मौत पर रुदालियां गाते हैं। इसी फर्जी लिबरल गिरोह के कुछ पत्रकारों ने 5 दिसंबर 2016 को एक फोटो वायरल की। उक्त फोटो रोहिंग्या समुदाय के मरे हुए एक बच्चे की थी। उसमें भी फिर वही तुर्कियाना तर्क घिसा गया। जबकि रोहिंग्या बच्चे और अन्य की मौत म्यांमार की सेना की गोलीबारी में हुई थी, लेकिन बवाल मचाया गया भारत में। रोहिंग्या मुस्लिम हैं, इसीलिए उस पर बवाल मचाया गया। लेकिन दो साल के टीटू की हत्या पर यह दोगली जमात चुप है।

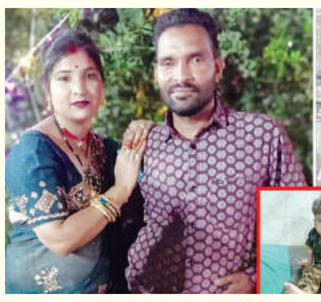

गिरोह को केवल म्यांमार, बांग्लादेशी पाकिस्तानी घुसपैठियों की फिक्र

रियासी में आतंकवादियों ने नौ जून 2024 को दो साल के हिंदू बच्चे लवांश उर्फ टीटू को मार डाला। टीटू भी सिर्फ 2 साल का था, एलन कुर्दी की तरह। ▶10 पर

एक ही परिवार के 4 लोग मारे गए उनमें टीटू भी था

जम्मू, 11 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शिवखोड़ी दर्शन करके कटरा लौट रहे श्रद्धालुओं पर रियासी में हुए आतंकी हमले ने कई परिवार उजाड़ डाले। हमले में कई लोगों ने अपने घर के सदस्यों को खोया, लेकिन कुछ का तो पूरा परिवार ही उजड़ गया। हमले में जयपुर से आए एक परिवार के चार सदस्य मारे गए।डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस अमित कुमार ने बताया कि आतंकी हमले में जयपुर निवासी 42 साल के राजेंद्र सैनी, उनकी पत्नी ममता सैनी, उनकी रिश्तेदार 30 साल की पूजा सैनी और उनका 2 साल का बेटा लवांश उर्फ टीटू मारे गए।

पूजा के पति पवन को गंभीर चोटें आईं, लेकिन उनकी जान बच गई। पूजा सैनी के पिता ओम प्रकाश सैनी ने यह त्रासद बात बताई। राजेंद्र सैनी और ममता सैनी के तीन बच्चे जयपुर में ही हैं। उन्हें अभी नहीं पता कि उनके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्हें कहा गया है कि उनके माता-पिता का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उन्हें आस है कि शायद उनके माता-पिता ठीक होकर लौट आएंगे।मजदूरी करके घर खर्च चलाने वाले बलरामपुर (यूपी) के बंशी वर्मा का परिवार अयोध्या घूमने के बाद जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गया था। बंशी बताते हैं कि उनकी अपनी बहन रूबी वर्मा से बात 6 जून को हुई थी। इसके बाद 9 को खबर आई कि वो जिस बस में थे उसपर हमला हो गया है। उनके साथ बलरामपुर का एक अन्य परिवार भी था। वो भी आतंकी हमले का शिकार हुए हैं। ▶10 पर

एनडीए विधायक दल ने चंद्रबाबू नायडू को नेता चुना

आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे चंद्रबाबू

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को टीडीपी और एनडीए ने चंद्रबाबू नायडू को अपना विधायक दल का नेता चुन लिया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद टीडीपी, भाजपा और जनसेना गठबंधन के नेता राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बुधवार को चंद्रबाबू नायडू के साथ कई और नेता भी शपथ ले सकते हैं। नायडू के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के नाम मंगलवार को तय कर लिए जाएंगे।

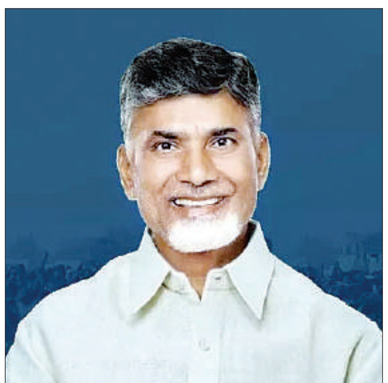

बुधवार को होगा शपथ ग्रहण समारोह
शपथ ग्रहण में शरीक होंगे पीएम मोदी

विजयवाड़ा में एनडीए गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक में टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नाडयू, जनसेना के प्रमुख पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष डग्गुबाती पुरुंदेश्वरी समेत एनडीए के सभी विधायक शामिल हुए। इस बैठक में जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने एनडीए की तरफ से चंद्रबाबू नायडू का नाम सीएम पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया।

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा, भाजपा, जन-सेना और टीडीपी के सभी विधायकों ने मुझे आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार का आगामी मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी सहमति दे दी है। आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने बताया, आज एनडीए की बैठक हुई, जिसमें चंद्रबाबू नायडू को एनडीए विधानसभा का नेता चुना गया। हम अभी राज्यपाल के पास गए और उन्हें एक अनुरोध पत्र सौंपा है कि वह चंद्रबाबू को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें। इस पर राज्यपाल ने कहा कि वह उन्हें तुरंत सरकार बनाने के लिए बुलाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह कल होगा।

आंध्र प्रदेश में 12 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। ▶10 पर

आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी अमरावती

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायडू टीडीपी, भाजपा और जनसेना के विधायकों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्हें आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।

नायडू ने कहा, हमारी सरकार में तीन राजधानियों का कोई खेल नहीं होगा। हमारी राजधानी अमरावती है। अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी है। राज्य के बंटवारे के बाद चंद्रबाबू नायडू पहले मुख्यमंत्री बने थे। ▶10 पर

एनडीए विधायक दल ने मोहन मांझी को नेता चुना

ओड़ीशा के नए मुख्यमंत्री होंगे मोहन मांझी

भुवनेश्वर, 11 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा में एनडीए विधायक दल ने मोहन मांझी को अपना नेता चुन लिया। यानी, मोहन मांझी ही ओड़ीशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव मौजूद थे। भुवनेश्वर में हुई विधायक दल की बैठक के बाद मांझी के नाम का ऐलान किया गया। ओड़ीशा का मुख्यमंत्री बनने की रेस में मनमोहन सामल, सुरेश पुजारी और संबित पात्रा का नाम भी आगे चल रहा था। लेकिन बाद में मामला पलट गया। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए ओड़ीशा में करीब 24 साल से सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल (बीजल) को सत्ता से बेदखल किया है।

ओड़ीशा में भाजपा विधायक दल का नेता चुनने के लिए शाम साढ़े चार बजे बैठक शुरू हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव मौजूद थे। यह भी बात सामने आ रही है कि ओड़ीशा में डिप्टी सीएम भी नियुक्त हो सकते हैं। लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। विधायक दल का नेता चुनने के बाद मोहन मांझी ने राज्यपाल रघुबर दास से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया। राज्यपाल ने औपचारिक रूप से भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। आंध्र प्रदेश की तरह ओड़ीशा में भी बुधवार को सीएम पद का शपथ ग्रहण समारोह होना है। इस शपथ ग्रहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी मौजूद रह सकते हैं। शपथ ग्रहण के लिए भाजपा ने बीजद नेता नवीन पटनायक को भी आमंत्रण दिया है। शपथ ग्रहण समारोह के चलते ओड़ीशा में 12 जून को आधे दिन की छुट्टी देने का ऐलान किया गया है।

राजनाथ और भूपेंद्र के पर्यवेक्षण में हुई बैठक
ओड़ीशा में भी शपथ ग्रहण बुधवार को होगा
प्रधानमंत्री मोदी शपथ ग्रहण में मौजूद रहेंगे

शपथ ग्रहण समारोह में साधु संतों को भी न्यौता

भुवनेश्वर, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान ओड़ीशा के लोगों से वादा किया था कि कोई उड़िया भाषा बोलने वाला व्यक्ति ही राज्य का मुख्यमंत्री बनेगा। ओड़ीशा में सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के लिए साधु संतों को भी आमंत्रण भेजा गया है। ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 147 विधानसभा सीटों में से 78 पर जीत दर्ज की है। वहीं बीजद 51 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस को राज्य में 14, सीपीआईएम को 1 सीट मिली है। वहीं तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील

सोशल मीडिया से मोदी का परिवार वाला संदेश हटा लें

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखने वाले समर्थकों का आभार जताया है लेकिन अब इसे हटाने का भी आग्रह किया है।पीएम मोदी ने कहा, चुनावी अभियान के दौरान देशभर के लोगों ने मेरे प्रति स्नेह जताते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मोदी का परिवार जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है और हमें अपने ▶10 पर

खालिस्तानी अमृतपाल को जेल से छुड़ाने की अमेरिका में पहल

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। यह तो होना ही था। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के जेल से चुनाव लड़कर जीतते ही यह बात चर्चा में आ गई थी कि अब अमृतपाल सिंह को जेल से रिहा करने की तमाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कोशिशें होंगी। और वही हुआ। अमृतपाल को रिहा करवाने के लिए अमेरिका में मुहिम शुरू हो गई है।

अमेरिका में रहने वाले वकील सरदार जसप्रीत सिंह ने यह शुरुआत की है। इस मुहिम के तहत जसप्रीत ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अमृतपाल की रिहाई के लिए भारत की कार्रवाई में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की गई।इस मुलाकात के बाद जसप्रीत सिंह ने कहा कि अमृतपाल ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की है, जिसकी रिहाई का मुद्दा अमेरिकी सरकार के आगे रखा गया है। जसप्रीत के मुताबिक उन्हें अमेरिका के तमाम गुरुद्वारों के प्रतिनिधि, अमेरिका में मौजूद सिख समुदाय के लोगों और उनके तमाम क्लाइंट ने अमृतपाल की रिहाई के मुद्दे को उठाने के लिए कहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से अपने अच्छे ताल्लुकात बताते हुए जसप्रीत सिंह ने दावा किया कि वो इस सिलसिले में दो बार उनसे मिल चुके हैं।जसप्रीत सिंह ने 7 जून को न्यूजर्सी में सिनेटर कोरी ब्रूकर से भी अमृतपाल के मुद्दे पर मुलाकत कर चुके हैं। ▶10 पर

तमिलनाडु के मंदिर से लूटी गई ऐतिहासिक मूर्ति ब्रिटेन में मिली

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी भारत की 500 साल पुरानी ऐतिहासिक धर-ोहर वापस लौटाने पर राजी हो गई है। यह धरोहर दक्षिण भारत के प्रसिद्ध संत तिरुमंकई अलवर की प्रतिमा है। कांस्य की बनी यह मूर्ति ऑक्सफॉर्ड के एशमोलियन म्यूजियम में रखी हुई है। लगभग 50 साल पहले यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से लूट ली गई थी। भारत सरकार ने 4 साल पहले ही इसे वापस पाने के लिए जरूरी कागजातों सहित ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी को आवेदन भेज दिया था।मूर्ति को भारत में लाने से पहले अभी ब्रिटेन के चैरिटी आयोग की मंजूरी बाकी है। कांस्य की जिस मूर्ति को वापस लौटाने पर एशमोलियन म्यूजियम ने सहमति जताई है वह 60 सेंटीमीटर लम्बी है। यह मूर्ति 16वीं सदी के प्रख्यात तमिल कवि और संत तिरुमंकई अलवर की है। यह मूर्ति यहां ये डॉ. जेआर बेलमोंट नाम के कलेक्टर के माध्यम से पहुंची थी। साल 1967 में इस मूर्ति को सोथबी के नीलामी घर से ऑक्सफॉर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय में ले लिया गया था। नंवबर 2019 में रिसर्च कर रहे छात्र ने इस ऐतिहासिक मूर्ति के ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के ▶10 पर

500 साल पुरानी हिंदू संत की मूर्ति भारत आएगी

वायनाड छोड़ेंगे राहुल, रायबरेली के सांसद बने रहेंगे

रायबरेली, 11 जून (एजेंसियां)।

इस लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों जगह से सांसद चुने गए। राहुल गांधी रायबरेली के सांसद बने रहेंगे, यानी वायनाड वालों के सांसद अब राहुल गांधी नहीं रहेंगे। राहुल गांधी के इस निर्णय की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन रायबरेली हुए जोरदार आभार कार्यक्रम से इसके ठोस संकेत मिले हैं। यह पहला मौका था जब चुनाव जीतने के कुछ दिन बाद ही गांधी परिवार जनता का आभार जताने के लिए रायबरेली की जमीन पर पहुंचा। मंगलवार को रायबरेली के गेस्टहाउस में आयोजित हुए समारोह में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और सांसद राहुल गांधी मौजूद थे।

खान मार्केट गिरोह की करतूत

मुसलमानों को भाजपा से डरा रहा था, अब राग बदल दिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

9 जून 2024 की शाम 7.15 पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की राष्ट्रीय सरकार का गठन हो गया। इसी के साथ सारी नियोजित और प्रायोजित अफवाहों पर ब्रेक लग गया। कांग्रेस और इंडी की जीत का जश्न मना रहे फर्जी लिबरल पत्रकारों और एकधर्मी धर्मनिरपेक्ष जमात का खान मार्केट गिरोह जैसे सदमे में आ गया। अभी तक जो छद्मी लोग भारतीय जनता पार्टी के नाम पर मुस्लिमों को डराने वाला शिगूफा बाजार में छोड़ रहे थे, अब अचानक वही गिरोह भारतीय जनता पार्टी पर यह आरोप लगाने लगा कि एनडीए की सरकार ने मुस्लिमों की उपेक्षा की और एक भी मंत्री पद मुस्लिमों को नहीं दिया।

भारत में संविधान का शासन है और जो भी व्यक्ति चुन कर आता है, वह या तो सत्ता में रहता है या विपक्ष में। जिस दल या गठबंधन की सरकार बनती है, उसी दल का प्रधानमंत्री चुना जाता है और मंत्रिमडल का गठन होता है। फिर अचानक छद्मी लिबरल गिरोह की तरफ से मुस्लिम मंत्री की बात कैसे उठने लगी? क्यों आज यह गिरोह मुस्लिमों के लिए आंसू बहाने लगा? अभी तक यह गिरोह क्यों खुश था कि मुस्लिमों ने भाजपा को मुस्लिमों ने वोट नहीं दिया?

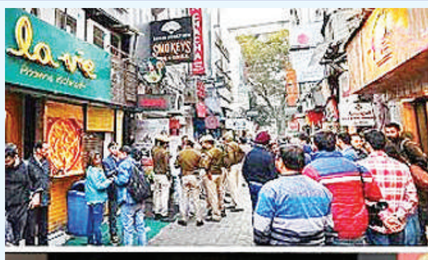

खुद को इस्लामिक स्कॉलर कहने वाले समिउल्ला खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, मोदी सरकार में अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं! ढाई सौ मिलियन लोगों का शून्य प्रतिनिधित्व। इसका अर्थ यह हुआ कि एक बार फिर से अल्पसंख्यकों के लिए घृणा, अमानवीयता, अत्याचारों का माहौल रहेगा। इसी शख्स ने यह भी लिखा कि इंडी गठबंधन को इस बात का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि मुस्लिम समाज ने एक जुट होकर भाजपा को वोट नहीं दिया। यह अकेला नहीं हैं। इस प्रकार की बातें करने वाले लोगों में आरजे साइमा भी है, जिसने मकतूब मीडिया का एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि सभी के समान प्रतिनिधित्व का मजाक। कोई मुस्लिम, ईसाई या सिख सांसद एनडीए में नहीं है। महामूर्खों की इस जमात को थोड़ा भी सामान्य ज्ञान नहीं है। एनडीए में मंत्री पद की शपथ लेने वालों में दो सिख, एक ईसाई एवं एक बौद्ध सांसद हैं। इसलिए यह कहकर भड़काना कि अल्पसंख्यकों को कोई स्थान मंत्रीमंडल में नहीं है, लोगों में उन्माद फैलाने के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,750/- (प्रति किलोग्राम)

जीतो गॉट टैलेंट द्वारा खोजी गयी जैन प्रतिभाएं

जीतो महिलाओं ने प्रतिभा खोजने में की कड़ी मेहनत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हमारे देश में प्रतिभाओं की भरमार है और राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं ने अपना लोहा भी मनवाया है। फिर भी उचित संसाधनों व मार्गदर्शन की कमी, धन की कमी, अधिकारियों की बेरुखी, स्तरहीन प्रशिक्षण तथा प्रायोजक न मिलने जैसे अनेकों कारणों से अधिकतर प्रतिभाएं या तो मन मसोसकर रह जाते है फिर भाग्य को कोसकर बैठ जाते है।

जीतो बेंगलूरु साउथ ने देश भर की जैन प्रतिभाओं को अपने हुनर का प्रदर्शन करने व आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करने की ठानी। अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग की क्षमताओं को भापते हुए इस प्रतिभा खोज कार्यक्रम जीतो गॉट टैलेंट की जिम्मेदारी उनको सौंपी।

महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी और उनकी पूरी टीम ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को बखूबी अंजाम भी दिया। एकल नृत्य, समूह नृत्य, गायन, चित्रकारी, जादू, रेत कला, स्टेंड अप कॉमेडी अन्य कलाबाजी आदि कलाओं को इस प्रतियोगिता में शामिल किया गया। महिला विंग की अस्मिता व उर्मिला बरडिया ने गायन, अर्पिता लधानी व निशा टुकलिया ने नृत्य तथा नीलम सांड व नीतू जैन ने अन्य कलाओं के देशभर के प्रतिभागियों को जोड़ना प्रारंभ किया और अल्पसमय में ही सकारात्मक परिणाम मिले व 550 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवा लिया।

इस कार्य में जीतो एपेक्स निदेशकों विनोद जैन व हितेश पालरेचा का उचित मार्गदर्शन रहा। लगभग 10 राज्यों से प्राप्त प्रविष्टियों व प्रदर्शन के उनके वीडियो की जांच के तकनीकी कार्य को निधि पालरेचा ने भली भांति निभाया। निर्णायक मंडल में शामिल एकता शाही ने गायन, मेल्विन हेरी ने नृत्य, राहुल शर्मा व चन्दना कांकरिया ने 60 प्रतिभागियों का न केवल सेमी फाइनल के लिये चयन किया साथ ही उनको मंच पर अच्छे प्रदर्शन के गुर भी सिखाये और इसके लिये साउंड ग्लिट्स के सिद्धार्थ पटवा ने अपना स्टूडियो निःशुल्क उपलब्ध कराया। एपेक्स महिला विंग उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा के निर्देशन में बेंगलूरु के एफकेसीसीआई सभागार में 60 प्रतिभागियों का सेमिफाइनल का आयोजन किया जिसमें सभी प्रतियोगियों ने शानदार प्रस्तुति दी और 10 प्रतिभागियों ने फाइनल के लिये अपना स्थान सुरक्षित किया। इस अवसर पर अर्चना सुराणा ने सेमी फाइनल तक पहुचे प्रतिभागियों से कहा कि जीत हार का न सोच कर अपनी कला में अधिक पारंगत होने का प्रयास करना चाहिये। इस दौरान बिंदु मेहता ने चींकी-मिंकी, अस्मिता व नीलम सांड ने गब्बर-सांभा तथा तरुणा मेहता व प्रिया गांधी ने हास्य कलाकार की भुमिका में संपूर्ण कार्यकारिणी ने मंच संचालन किया। जीतो गॉट टैलेंट के फाइनल का आयोजन 9 जून की रात्रि को जीतो ग्रोथ सम्मिट आयोजन के दौरान चामरा वज्रा पैलेस में जीतो एपेक्स, केकेजी जोन, जीतो बेंगलूरु पदाधिकारियों व जीतो सदस्यों तथा लगभग 2000 दर्शकों की उपस्थिति में हुआ। महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल विनायकिया ने जीतो गॉट टैलेंट टीम व फाइनलिस्ट का परिचय दिया। जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा व महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने प्रतिभा खोज के इस अनोखे आयोजन के सफल आयोजन की सराहना की तथा सभी फाइनलिस्ट को बधाई दी। फाइनल में प्रतिभागियों के प्रदर्शन को देख दर्शकों ने अपने दांतों तले अंगुली दबा ली। प्रतिभाओं के हुनर को परखकर विजेताओं का निर्णय रेवती कामत, चार्ल्स मा एवं सिंचन दीक्षित ने किया। उन्होंने मैसूरु के आर्यन जैन को विजेता, भीलवाड़ा के ओनिक जैन को प्रथम उपविजेता एवं अहमदाबाद की जिज्ञासा पिंचा को द्वितीय उपविजेता घोषित किया। इस कार्य में मोनिका पिरगल के साथ तरुणा मेहता व नीतू जैन ने सहयोग किया। सभी विजेताओं को ट्रॉफी व नकद राशि प्रदान की गई। ओनिक जैन की प्रस्तुति से भाव विभोर होकर निर्णायक रेवती कामत ने उनको गोद लेने का प्रस्ताव रख दिया। निर्णायकों का परिचय निधि पालरेचा, नीलम सांड व प्रिया गांधी ने दिया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर जीतो पदाधिकारियों के साथ महिला विंग मेंटर ललिता गुलेच्छा, जोन संयोजक यश्मा जैन, एपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रिशन कनवेनर निशा सामर, पूर्व अध्यक्षा प्रमिला भण्डारी, मधु डोसी, अनिता पिरगल एवं पिंकी जैन तथा महिला विंग नॉर्थ की अध्यक्ष बिंदु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमूथा, अपनी टीम के साथ उपस्थित थे। जीतो नार्थ के अध्यक्ष इन्दर चंद बोहरा, मंत्री सिद्धार्थ पटवा ने उपस्थित रह कर पूर्ण सहयोग किया। महिला विंग उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा ने जैन गॉट टैलेंट के सफर की जानकारी सुमधुर गीत द्वारा दी। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ के कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वागत नृत्य द्वारा सभी का स्वागत किया। महिला विंग साउथ की सहमंत्री नीलम ललवानी एवं संगीता पारख व कार्यकारिणी सदस्य लता बोहरा, ललिता नागोरी, नन्दा मेहता, प्रतिमा जैन, रेखा जैन, साक्षी नाहर, सपना चोपडा, संगीता मालानी, सविता पोरवल, पुष्पा गुलेच्छा, वसन्ती जैन आदि उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। बिन्दू मेहता नें मंच संचालन किया। संगीता पारेख ने आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु ने नरेंद्र नील फाउंडेशन के 120 बच्चों के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित किया। शाखा के सदस्यों ने बच्चों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस कार्यक्रम में मंच के सदस्यों के साथ उनके परिवारजन विशेष कर छोटे बच्चे एवं माता-पिता भी शामिल थे।

शाखा के सभी सदस्यों ने वहां पर एक प्रण लिया कि वह भोजन के महत्व को समझेंगे और भोजन को व्यर्थ न जाने देंगे। अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने वहां के बच्चों का अध्यात्म से जुड़ाव एवं उच्च शिक्षा हासिल करके समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने के जज्बे को सलाम किया। कर्नाटक प्रांत मारवाड़ी युवा मंच के उपाध्यक्ष गोपाल कुमार एवं कार्यक्रम के संयोजक अमित मोदी, तनुज टेकरीवाल एवं सोनू शर्मा ने आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का भरोसा दिया। शाखा के सदस्य गौरव शर्मा, एकता खंडेलवाल, वैभव खंडेलवाल, सुविधा शर्मा, सनी जैन, सविता गर्ग एवं अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम की सराहना की।

मंच का संचालन रूपाली गुप्ता ने किया। मंच के पोशक सदस्य एवं सलाहकार पंकज जलान ने सभी का धन्यवाद किया। मंच के पूर्व शाखा अध्यक्ष अंकित मोदी एवं आनंद सबके लिए कार्यक्रम के कर्नाटक प्रांत के संयोजक असित अग्रवाल ने अपनी शुभकामनाएं दी।

बालक-बालिकाओं द्वारा स्वरचित निबंध की प्रस्तुति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच के तत्वावधान में शाखा प्रेरणा बाल प्रतिभा मंच पर बालक-बालिकाओं द्वारा स्वरचित निबंध की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। निबंध का विषय ग्रीष्म ऋतु था। संस्थापक अध्यक्ष वीणा मेदनी के संयोजन में कार्यक्रम सार्थक रहा।

सर्वप्रथम सिवान की नन्ही कलमकार दिव्या कुमारी ने सरस्वती वंदना सुना कर माँ सरस्वती की कृपा - आशीर्वाद प्राप्त कराई। दिव्या ने गर्मी के मौसम के गुण- दोष को बखूबी दर्शाया। साथ ही दो कविता गैर विषय मजदूर को परिभाषित करते हुए उसके महत्व को बताया। उसके बाद रोटी के महत्व को जताते हुए अमीरी- गरीबी का तुलनात्मक चित्रण किया। वर्तिका गुप्ता ने ग्रीष्म ऋतु पर अपने विचार के साथ उसके पसंद नापसंद किए जाने के कारण को दर्शाया। साथ ही गैर विषय पेड़ पर कविता सुनाई जो पर्यावरण संरक्षण को दर्शाता है। प्रस्तुति के बाद सिवान के वरिष्ठ साहित्यकार मुकेश कुमार दुबे ने बच्चों के मुखातिब होकर ग्रीष्म ऋतु को विस्तार से बताया।

बीबीएमपी के चुनाव जल्द से जल्द होंगे: शिवकुमार

वार्ड आरक्षण सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाए जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बीबीएमपी के चुनाव जल्द से जल्द होंगे। वार्ड आरक्षण सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पहले ही शुरू की जा रही हैं। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द चुनाव कराने की तैयारी कर ली गई है। बेंगलूरु को प्रशासनिक तौर पर बांटने का प्रस्ताव है। फिलहाल हमारा ध्यान जल्दी चुनाव कराने पर है। उन्होंने कहा कि कोर्ट भी बार-बार निर्देश दे रहा है। एकमुश्त भुगतान योजना के तहत संपत्ति कर भुगतान की अंतिम तिथि 31 जून है। इसके बाद संपत्ति मालिक डिफॉल्टर हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्व-घोषित संपत्ति कर का भुगतान समय सीमा के भीतर किया जाता है, तो ब्याज और जुर्माने से छूट दी जाएगी। बेंगलूरु में 5,200 करोड़ रुपये की 20 लाख संपत्तियां हैं। अब तक 1,300 करोड़ आ गया है, शेष अभी भी बकाया है। बेंगलूरु में 4 लाख संपत्तियां हैं जो संपत्ति कर के दायरे में नहीं आती हैं। यदि उन्हें उचित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उन्हें ए खाता या बी खाता दिया जाएगा और कर का भुगतान करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी तक केवल 50 हजार संपत्ति मालिकों ने ही टैक्स का भुगतान किया है। विश्व पर्यावरण दिवस 14 जून को मनाया जाता है। इस समय ग्रीन बेंगलूरु के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। छात्रों को अपने संबंधित क्षेत्रों में पौधों को गोद लेने और उगाने की अनुमति है। 250 स्कूलों ने बीबीएमपी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अब तक 52 हजार पौधे लगाए गए हैं और उनमें से 80 प्रतिशत सही हैं। नुकसान का 20 प्रतिशत दोबारा लगाया जाएगा। इस वर्ष 2 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जनता पौधारोपण के लिए उपलब्ध जगह की जानकारी दे सकती है।

बीबीएमपी क्षेत्र में पेड़ों का सर्वेक्षण किया जाएगा। बोमनहल्ली क्षेत्र के विद्यापीठ वार्ड में 4,600 पेड़ों और कात्रिगुप्पे वार्ड में 4,300 पेड़ों का सर्वेक्षण किया गया। पेड़ों की पहचान कर उन्हें गिरने से बचाने के लिए आवश्यक आकार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जड़ों को सख्त होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में भूजल विकास के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, जिसमें खुले कुओं को फिर से भरना और झीलों को उपचारित पानी से भरना शामिल है, बीबीएमपी के तहत पार्कों को सुबह 5 बजे से शाम 8 बजे तक सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला जाएगा। फिलहाल इसे सुबह 5 बजे से 8 बजे तक और दोपहर 1.30 बजे से रात 8 बजे तक ही खुला रखा जाता था। जनता की मांग पर समय में बदलाव किया गया है।

बेंगलूरु में फ्लेक्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया

पार्क में अप्रिय घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के साथ मार्शल भी गश्त करते हैं। सीसीटीवी पहले ही लगाया जा चुका है। बेंगलूरु में फ्लेक्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आम जनता बीबीएमपी के टेलीफोन नंबरों पर संपर्क कर अनौपचारिक रूप से लगाए जा रहे फ्लेक्स के बारे में जानकारी दे सकती है। उन्होंने कहा कि अब से, यदि किसी क्षेत्र में फ्लेक्स पाए जाते हैं, तो संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और जुर्माना लगाया जाएगा। अवैध बिल को अदालत में चुनौती दी गई है। आदेश मिलने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। बेंगलूरु के चार हिस्सों में कचरे से बिजली बनाने की योजना तैयार की गई है। जल्द ही टेंडर निकाला जायेगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत मंगलवार को कुदुर ग्राम के सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर महेंद्र मुणोत के साथ रामचंद्र, मंजेश एवं अन्य मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र प्रवासी संघ अध्यक्ष व कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन बेंगलूरु के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने मंगलवार को राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत से उनके सुमेरपुर निवास पर मुलाकात कर आगामी 16 जुलाई से कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के तत्वावधान में बेंगलूरु में आयोजित होने वाले ट्रेड फेयर में आने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान सेमलानी ने कैबिनेट मंत्री कुमावत से विस्तृत चर्चा की। सेमलानी ने बताया कि उक्त ट्रेड फेयर भारत का सबसे बड़ा इनरवेयर गारमेंट्स निर्माताओं का एक समूह है। जिसमें एक ही जगह इनरवेयर गारमेंट्स निर्माताओं को अपने-अपने उत्पाद दिखाने का मौका मिलता है। इस दौरान सेमलानी ने कैबिनेट मंत्री कुमावत को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से भी अवगत करवाया।

अभिनेता दर्शन से पुलिस कर रही पूछताछ: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन से पुलिस कथित हत्या के सिलसिले में पूछताछ कर रही है और वह इसमें शामिल है या नहीं, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 47 वर्षीय दर्शन को मैसूरु के एक होटल से 9 जून को शहर के कामाक्षीपाल्या इलाके में रेणुका स्वामी नामक एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था।

सूत्रों ने बताया कि कथित हत्या के बाद स्वामी का शव कामाक्षीपाल्या में एक नाले में फेंक दिया गया था। स्वामी एक फार्मेसी कंपनी में काम करते थे और चित्रदुर्ग के जिला मुख्यालय शहर के रहने वाले थे। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा चित्रदुर्ग के एक व्यक्ति की बेंगलूरु में हत्या कर दी गई। उस हत्या के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी पूछताछ के दौरान दर्शन का नाम सामने आया है, इसलिए उन्हें पूछताछ के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, कुछ नहीं कहा जा सकता। वह (दर्शन) इसमें शामिल है या नहीं। हत्या का कारण क्या है। उसका नाम क्यों आया? ये सब बातें जांच के बाद ही पता चलेंगी। इसलिए इस समय कुछ और नहीं कहा जा सकता। आरोप है कि मृतक ने सोशल मीडिया पोस्ट में एक फिल्म अभिनेत्री के खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणी की थी। एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा उन्हें (दर्शन) मैसूरु में गिरफ्तार किया गया और बेंगलूरु लाया गया। वह पुलिस हिरासत में है और पूछताछ की जा रही है।

मोदी ने फोन कर देवेगौड़ा के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। देवेगौड़ा बीमारी के कारण तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा था कि अस्वस्थता के कारण शपथ ग्रहण समारोह में भाग नहीं ले पाऊंगा। देवगौड़ा ने पत्र लिखकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए शुभकामनाएं दी थीं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने देवेगौड़ा को फोन किया और उनका हालचाल लिया। मेरे स्वास्थ्य के प्रति चिंता के लिए मैं प्रधानमंत्री का आभारी हूं। उनकी चिंता ने मुझे भावुक कर दिया है। गौड़ा ने कहा कि उन्होंने नई सरकार के प्रबंधन दृष्टिकोण और विचारों का आदान-प्रदान किया, मोदी भारत को और अधिक गौरव की ओर ले जाएं। भगवान का आशीर्वाद उन पर हमेशा बना रहे।

मुख्यमंत्री की अधिकारियों को सलाह

केवल प्रदर्शन ही मापदंड है, कोई अन्य रणनीति काम नहीं करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वित्त और वाणिज्यिक कर विभागों के कामकाज की समीक्षा में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे हैं, ने अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन करने और लक्ष्य हासिल करने की सलाह दी। सिद्धरामैया ने मंगलवार को विधान सौधा में समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने सख्त लहजे में अधिकारियों से लक्ष्य हासिल करने के लिए ठोस प्रयास करने को कहा और कहा कि वे तबादलों के दौरान अधिकारियों के प्रदर्शन को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा प्रभाव या किसी अन्य रणनीति का इस्तेमाल काम नहीं करेगा। अधिकारियों को चेतावनी दी कि जो अधिकारी अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहेंगे, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए गंभीर है और चाहती है कि सभी अधिकारी कार्यक्रमों की सफलता के लिए काम करें। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, राजनीतिक सचिव के गोविंदराजू, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एल के अतीक, वित्त विभाग के सचिव पी सी जाफर और वाणिज्यिक कर विभाग की आयुक्त सी शिखा उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने विनय कुलकर्णी के खिलाफ आरोप रद्द करने से किया इनकार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा कार्यकर्ता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में राज्य के पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी के खिलाफ विशेष अदालत द्वारा दायर आरोप पत्र को रद्द करने से इनकार कर दिया है। योगेश की 2016 में धारवाड़ में हत्या कर दी गई थी। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाश खंडपीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को संशोधित करने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने 8 अप्रैल को कुलकर्णी के खिलाफ विशेष अदालत के आरोप पत्र में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। इसने निचली अदालत को निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो तीन महीने के भीतर जांच पूरी की जाए और आपराधिक मामले का निपटारा किया जाए।

भगवद गीता, कुरान, बाइबिल की तरह है संविधान : गृह मंत्री परमेश्वर

हर जिले में एक फायर ब्रिगेड कार्यालय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि आदेश है कि हर जिले में एक फायर ब्रिगेड कार्यालय होना चाहिए। राज्य सरकार ने हर तालुक में एक कार्यालय खोला है।

उन्होंने कोरमंगला में आरए मुंडकुर फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज ट्रेनिंग अकादमी मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री के पदक पुरस्कार समारोह और फायरमैन के निकास जुलूस में बात की। अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं, होम गार्ड, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने ईमानदारी से काम किया है और राज्य के लोगों की सराहना अर्जित की है। वे खुद को ऐसे विभाग के काम में लगा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो। दुर्घटनाओं में आग

बुझाने के लिए एक हवाई सीढ़ी को अपनाया गया है जो 90 मीटर तक पानी पहुँचा सकती है। अधिकांश राज्यों में यह नहीं है। उन्होंने बताया कि विभाग के वाहनों के लिए पहली बार पेट्रोल कार्ड की सुविधा प्रदान की गयी है। राज्य की फायर ब्रिगेड राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई। विभाग में नवनियुक्त स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य में अनुशासन बनाये रखकर विभाग का मान बढ़ाया जाये।

कॉलेज के दिनों में मुझे एन-सीसी का प्रशिक्षण मिला। यही मुख्य कारण है कि अनुशासन मेरे जीवन में आया है। आपको जो प्रशिक्षण मिलेगा उससे न केवल कर्तव्य का पालन होगा, बल्कि दैनिक जीवन भी अनुशासित होगा।

संविधान हमारे देश का मूल ग्रंथ है। इसके बिना किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि संविधान भगवत गीता, कुरान और बाइबिल की तरह है। देश में सबके लिए एक कानून है, न कोई धर्म, न कोई राजनीति। उन्होंने कहा कि आपको शपथ दिलाई गई है कि आप देश के लिए काम करेंगे और आपको इसी के लिए प्रशिक्षित किया गया है। आधुनिक दुनिया में तकनीकी रूप से बहुत सारे बदलाव देखने को मिले हैं। पचास साल पहले, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के काम करने का तरीका अलग था। अब वह बदल गया है। शहरों में बड़ी-बड़ी इमारतें बनती हैं। दुर्घटना होने पर उससे कैसे निपटना है इसका प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि तकनीकी उपकरणों को अपनाया जा रहा है। विभाग में उत्तरी कर्नाटक से बड़ी संख्या में लोगों की भर्ती हो रही है। यह एक सुखद विचार है। उन्होंने कहा कि इस हिस्से के लोगों को भी नियुक्ति में रुचि दिखानी चाहिए।

हमारे स्टाफ ने लगातार ऑपरेशन के माध्यम से बीजापुर के इंडी तालुक के लच्छना गांव में एक ट्यूबवेल में गिरे सात्विक नाम के बच्चे को बचाया।

बिल्डिंग से कूदे शख्स की जान बचाई

यह सुनना आसान है कि बचाव पक्ष ने क्या किया है। लेकिन उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए लगातार 19 घंटे तक ऑपरेशन करके बच्चे को बचा लिया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई। मैं रामेश्वर कैफे विस्फोट स्थल का निरीक्षण करने गया था। कोरमंगला के एक पब में 16 सिलेंडर वाला ब्लास्ट हुआ। उन्होंने डर के मारे बिल्डिंग से कूदे शख्स की जान बचाई। मदिकेरी में भूस्खलन में दसियों लोगों की जान चली गई। एसडीआरएफ ने बिना किसी डर के सैकड़ों लोगों की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री के रूप में उन्होंने करीब से देखा है कि कठिन परिस्थितियों में कर्मचारी किस प्रकार अपना कर्तव्य निभाते हैं।

एआईडीएसओ ने नीट में कथित अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) ने मंगलवार को मैसूरु में पुराने डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के पास प्रदर्शन किया और इस साल राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन में कथित अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। एआईडीएस-ओ की जिला सचिव चंद्रकला ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कहा कि 4 जून को घोषित नीट के नतीजों ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की पारदर्शिता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जबकि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने देश भर में हंगामे के बाद कुछ छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स की समीक्षा करने का फैसला किया था, एआईडीएसओ ने बताया कि कुछ छात्रों को दिए गए अंक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

(यूजीसी) की परीक्षा दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं थे। एआईडीएस-ओ ने तर्क दिया कि दिशा-निर्देशों में अतिरिक्त अंकों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है, तथा अतिरिक्त या अनुग्रह अंक प्रदान करने के लिए अपनाए गए मानदंड पक्षपातपूर्ण थे।

एआईडीएसओ ने एक ही केंद्र पर नीट की परीक्षा देने वाले छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए समान अंकों को आश्चर्यजनक बताया। एआईडीएसओ ने दावा किया कि परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र लीक होने के आरोप थे, लेकिन इसकी जांच नहीं की गई।

एआईडीएसओ ने कहा कि नीट के परिणाम भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी के आरोपों से प्रभावित हुए हैं। राज्य स्तर पर आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं में भ्रष्टाचार की शिकायतों का मुकाबला करने के लिए कुछ साल पहले अखिल भारतीय स्तर पर नीट परीक्षा शुरू की गई थी। एआईडीएसओ ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि भ्रष्टाचार के खतरे का समाधान परीक्षा प्रणाली में बदलाव नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार की जांच करना और दोषियों को दंडित करना है। एआईडीएसओ ने दावा किया कि पूरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'सरकार की लापरवाही और परीक्षा प्रणाली के पूर्ण व्यावसायीकरण के कारण ध्वस्त हो रही है। पीड़ित निर्दोष छात्र हैं। एआईडीएसओ ने सरकार से नीट में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच करने और दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कर्नाटक में कांग्रेस की हार का कारण शून्य विकास और गारंटी के कारण दिवालियापन: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक में हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान गारंटी के कारण शून्य विकास और दिवालियापन के कारण कांग्रेस सरकार की हार हुई। मीडिया से बात करते हुए अशोक ने कहा कि गारंटी के कारण कांग्रेस को वोट नहीं मिले। कांग्रेस सरकार दिवालिया हो चुकी है और कोई विकास नहीं हो रहा है। कांग्रेस ने वोट के लिए गारंटी लागू की।

अब वे वेतन देने के लिए कर्ज लेने की स्थिति में हैं। अशोक ने आरोप लगाया कि विधायक निधि की मांग कर रहे हैं और कंगाल (कांग्रेस) सरकार हर जगह बकाया राशि को लंबित रख रही है। बिना गारंटी के वे लोकसभा चुनाव नहीं जीत सकते। भाजपा सरकार के पिछले कार्यकाल में भाजपा विधायकों ने परियोजनाएं

स्वीकृत की थीं, स्कूल और अस्पताल बनवाए थे और सिंचाई परियोजनाएं लागू की थीं। लोग आलोचना कर रहे हैं कि कांग्रेस विधायक कोई विकास नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने दलितों का पैसा लूटा और विकास के मामले में शून्य हासिल किया। राज्य सरकार लोगों के लिए मर चुकी है। राज्य में भारी बारिश के कारण हुए राहत कार्यों में एक भी मंत्री शामिल नहीं दिख रहा है। अशोक ने कहा पार्टी को मंत्रियों की सीटों पर झटका लगा है। उन्हें पद खोने का डर सता रहा है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के भाई डी.के. सुरेश को अपमानजनक तरीके से हराया गया। राहुल गांधी ने उनसे पूछा था कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी होने के बावजूद वे चुनाव कैसे हार सकते हैं।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन, 10 अन्य हत्या मामले में हिरासत में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार को कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन और उनके 10 से अधिक सहयोगियों को 33 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया, जिसने दर्शन की दूसरी पत्नी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। दर्शन और उनके सहयोगियों को मंगलवार को मैसूरु में उनके फार्महाउस से हिरासत में लिया गया। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि अभिनेता को हत्या मामले के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। गत रविवार को एक अज्ञात शव मिलने के बाद हत्या का मामला प्रकाश में आया। कामाक्षीपाल्या पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था और मृतक की पहचान तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के जरिए की गई। मृतक की पहचान चित्रदुर्ग के लक्ष्मी वेंकटेश्वर लेआउट निवासी रेणुकास्वामी के रूप में हुई। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस सूचना के आधार पर आगे की जांच की गई और अभिनेता और उसके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है और जांच के हित में अतिरिक्त जानकारी का खुलासा नहीं किया जा सकता। हत्या के मकसद के बारे में पूछे जाने पर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मृतक ने दर्शन की पत्नी पर अपमानजनक टिप्पणी की थी और संदेश भेजे थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या दर्शन को हिरासत में लिया गया है, तो उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हे हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दर्शन को आगे की पूछताछ के लिए बेंगलूरु लाया जाएगा और किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रेणुकास्वामी ने दर्शन की दूसरी

पत्नी के साथ तस्वीरें पोस्ट करने पर उसके बारे में ताना मारा और अपमानजनक टिप्पणी की। इससे गुस्साए दर्शन ने रेणुकास्वामी को चित्रदुर्ग से उठाकर बेंगलूरु ले आए, जहां उसे विनय नामक व्यक्ति के शेड में रखा गया और प्रताड़ित किया गया। रेणुकास्वामी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद, उनके शव को बेंगलूरु में एक अपार्टमेंट परिसर के सामने सुमनहल्ली के पास वृषभावती नहर में फेंक दिया गया। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट परिसर के सुरक्षा अधिकारी ने कुत्तों को शव को नहर में घसीटते हुए देखा और रविवार को पुलिस को इसकी सूचना दी। शव की पहचान का पता लगाने के बाद, कामाक्षीपाल्या पुलिस ने उसके माता-पिता को सूचित किया। जांच के दौरान, मामले में दर्शन की कथित संलिप्तता सामने आई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दर्शन ने चित्रदुर्ग फैन एसोसिएशन के अध्यक्ष को फोन करके रेणुकास्वामी का पता लगाने और उसे बेंगलूरु लाने के लिए कहा था।

सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ

पुलिस को संदेह है कि दर्शन ने रेणुकास्वामी पर हमला भी किया था। पुलिस ने बताया कि मौत का कारण सिर पर किसी हथियार से वार करना बताया जा रहा है। मामले में आगे की जांच जारी है। हाल ही में दर्शन की पहली पत्नी और दूसरी पत्नी के बीच सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ था। पहली पत्नी ने दर्शन पर अपने परिवार को बर्बाद करने का आर-ोप लगाया था। दूसरी पत्नी ने उसके आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया था कि वह और दर्शन अब एक परिवार हैं। इस मामले ने सोशल मीडिया पर बहस और प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया था, जिसका अंत एक व्यक्ति की दुखद मौत के रूप में हुआ। दर्शन को अपनी पहली पत्नी पर हमला करने के आरोप में पहले भी जेल भेजा जा चुका है। दर्शन की हालिया रिलीज फिल्म कटेरा सुपरहिट रही थी।

कर्नाटक के अच्छे दिन शुरू हो गए

कारोबारी नेताओं से सलाह-मशविरा कर काम करेंगे: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवनियुक्त केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि वह अगले 15 दिनों में एक विजन दस्तावेज जारी करेंगे और कारोबारियों को विश्वास में लेकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अच्छे दिन शुरू हो गए हैं। कुमारस्वामी ने सोमवार शाम को कहा कि वह अपने कैबिनेट पोर्टफोलियो से संतुष्ट हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री ने मुझ पर भरोसा किया है और मुझे एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो दिया है। मेरा मानना है कि देश का विकास इस विभाग पर काफी हद तक निर्भर करता है। मंत्री ने कर्नाटक की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा मैं अगले 15 दिनों के भीतर इस विभाग के लिए एक विजन दस्तावेज तैयार करने की योजना बना रहा हूँ। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उनके विजन को साकार करने के लिए काम करूँगा। विनिर्माण क्षेत्र में बहुत संभावनाएँ हैं। मैं विभाग में सकारात्मक बदलाव लागू करने का प्रयास करूँगा। कुमारस्वामी ने कहा इस तरह के

महत्वपूर्ण विभाग का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। वीएसएल सहित उद्योगों से संबंधित कई मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा मैं व्यवसाय के नेताओं से परामर्श करूँगा और मिलकर काम करूँगा। कर्नाटक के अच्छे दिन शुरू हो गए हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने मुझे यह विभाग सौंपा है। कुमारस्वामी ने जोर देकर कहा कि जो लोग कहते थे कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा (उनके पिता) के परिवार का राजनीतिक करियर खत्म हो गया है, वे अब गलत साबित हुए हैं। उन्होंने कहा हमारी पार्टी ने वापसी की है। अब, जब उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी का राजनीतिक करियर खत्म हो गया है, तो हमारी पार्टी को नई ताकत मिली है।

कुमारस्वामी ने कर्नाटक भवन में भारी उद्योग और इस्पात मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ बैठक भी की। केंद्रीय मंत्री ने इस्पात मंत्रालय के सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा, भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी और भारी उद्योग सचिव संदीप कुमार से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने सचिवों के साथ अपने विजन को साझा किया और कर्नाटक के उद्योग मंत्री के रूप में अपने अनुभव भी साझा किए। कुमारस्वामी ने कहा कि उनका ध्यान देश भर में उत्पादन बढ़ाने और रोजगार पैदा करने पर है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में इस संबंध में खाका तैयार करने का निर्देश दिया है। कोलार जेडी (एस) के सांसद मल्लेश बाबू ने उद्योगों के विकास के लिए कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) में 12,000 एकड़ अप्रयुक्त भूमि के उपयोग का प्रस्ताव दिया है।

केंद्रीय मंत्री बनने के बाद कुमारस्वामी जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष से होंगे मुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष पद से मुक्त हो जाएंगे क्योंकि वह केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री बन गए हैं। इससे जेडीएस विधायक दल के नेता का पद खाली हो जाएगा। जेडीएस के विधायक दल का नेता कौन बन सकता है, इस पर चर्चा शुरू हो गई है। इसके बाद जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष को बदलने की बात भी सामने आई है। विधायक दल के नेता पद के लिए एचडी रेवन्ना, जीटी देवेगौड़ा और वेंकटशिवरेड्डी जैसे

वरिष्ठ विधायकों के नाम सामने आ रहे हैं। जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए निखिल कुमारस्वामी का नाम प्रस्तावित किया जा रहा है, जो युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष हैं। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि निखिल कुमारस्वामी को प्रमोट कर प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया जाएगा और पार्टी संगठन की जिम्मेदारी दी जाएगी। फिलहाल कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं और विधान परिषद चुनाव में तीन उम्मीदवारों को अनुमति दी गई है। इसलिए पार्टी हलके में इस बात की चर्चा है कि प्रदेश अध्यक्ष का पद एक व्यक्ति के बजाय किसी अलग समुदाय को देना बेहतर है। प्रदेश अध्यक्ष का पद कुरुबा या लिंगायत समुदाय के लिए छोड़ना उचित है। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी को नई ताकत मिली। कार्यकर्ता भी उत्साहित हैं। यदि अन्य समुदायों को अनुमति दी जाती है, तो पार्टी को अधिक ताकत मिलेगी। एक राय यह भी है कि सभी समुदायों को एक साथ आकर पार्टी संगठित करने में सहूलियत होगी। पूर्व मंत्री जीटी देवेगौड़ा जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष हैं। इसलिए सत्ता का वितरण किसी एक समुदाय को नहीं किया जाना चाहिए। विभिन्न समुदायों को पार्टी का दर्जा देने से अगले शहर, स्थानीय निकाय, जिला, तालुक और पंचायत चुनावों में भी आसानी होगी। अन्यथा पार्टी के अंदरूनी हलके में चर्चा है कि अन्य समुदायों की उपेक्षा हो रही है और यह विरोधियों के लिए हथियार बन सकता है।

राजा वेणुगोपाल नाइक ने कर्नाटक में विधायक के रूप में शपथ ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुरपुर विधानसभा क्षेत्र में उप-चुनाव में निर्वाचित राजा वेणुग-ोपाल नाइक ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

स्पीकर यू.टी. खादर ने नाइक को पद की शपथ दिलाई, जिन्होंने उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार नरसिम्हा नाइक को हराया। सुरपुर विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। राजा वेंकटप्पा नाइक की मृत्यु के बाद उपचुनाव हुआ था। राजा वेणुगोपाल नाइक, राजा वेंकटप्पा नाइक के पुत्र हैं। उप-

चुनाव 2024 के लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के साथ 7 मई को हुआ था। राजा वेणुगोपाल नाइक को 1,14,886 वोट मिले, जबकि नरसिम्हा नाइक को 96,566 वोट मिले। जीत का अंतर 18,320 वोट था। समारोह के दौरान मंत्री शरणबसप्पा दर्शनपुर, विधायक बी.बी. चिम्मनकट्टी, अल्लामाप्रभु पाटिल, जगदेव गुट्टेदार और सांसद कुमार नाइक उपस्थित थे।

समुद्र में डूबने से एक महिला की मौत, तीन को बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां उल्लाल बीच पर पानी में खेल रही चार महिला पर्यटक लहरों में बह गईं। तीन को स्थानीय लोगों ने बचा लिया, जबकि एक डूब गई। महिलाएं आंध्र प्रदेश की रहने वाली थीं।

मृतक की पहचान परीमी रत्ना कुमारी (57) के रूप में हुई है, जो पीएल प्रसन्ना की पत्नी थीं और आंध्र प्रदेश के कोंडापुरा के सिरिलिंगापल्ली की रहने वाली थीं। चारों महिलाएं बीच पर थीं, तभी एक बड़ी लहर ने उन्हें समुद्र में खींच लिया।

स्थानीय लोग उन्हें बचाने के लिए दौड़े और चारों महिलाओं को पानी से बाहर निकाला। रत्ना कुमारी बेहोश हो गईं और उन्हें डेरालाकाटे अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पांचों महिलाएं 6 जून को हैदराबाद से मैसूरु के लिए रवाना हुई थीं। मैसूरु में दर्शनीय स्थलों की सैर करने के बाद वे 7 जून को इनोवा कार से कोडागु पहुंचीं। 9 जून को उन्होंने सुब्रमण्य मंदिर का दौरा किया और 10 जून को उल्लाल समुद्र तट पर पहुंचने से पहले उन्होंने धर्मस्थल में भगवान मंजूनाथ के दर्शन किए।

शाह एवं जयशंकर समेत केंद्र में नई सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए मंत्रियों में अमित शाह, डॉ एस जयशंकर, किरन रिजिजू और सर्बानंद सोनोवाल समेत विभिन्न मंत्रियों ने अपने-अपने कार्यभार संभाल लिए हैं।

अमित शाह समेत कई मंत्रियों ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद अपने विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। आज कार्यभार ग्रहण करने वाले मंत्रियों में जगत प्रकाश नड्डा, मनोहर लाल, अर्जुन राम मेघवाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान , गिरिराज सिंह और अश्विनी वैष्णव भी शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर कल नयी सरकार के मंत्रियों के विभागों की अधिसूचना जारी की। रविवार को प्रधानमंत्री, उनकी सरकार के 30 नए कैबिनेट मंत्रियों , पांच राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों

को शपथ दिलायी गयी थी।

श्री शाह ने लगातार दूसरी बार केन्द्रीय गृह मंत्री का कार्यभार संभाला है। श्री शाह गृह मंत्रालय के नार्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में कार्यभार संभालने से पहले सुबह साढे दस बजे यहां चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक गये। उन्होंने वहां शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी थे। श्री नड्डा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का कार्यभार भी संभाला।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने आज विदेश मंत्रालय का कार्यभार संभाला। उन्होंने मंत्रालय में पहली बार राज्य मंत्री का पदभार संभालने वाले गोंडा (उत्तर प्रदेश) के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह तथा पवित्र मार्गेरीटा का मंत्रालय में स्वागत किया। श्री मार्गेरीटा को कपड़ा मंत्रालय में राज्य मंत्री की भी जिम्मेदारी दी गयी है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने अपना कार्यभार संभालने के बाद कहा कि देशवासियों ने चुनाव के माध्यम से सत्ता पक्ष तथा विपक्ष की भूमिका तय कर दी है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर उनकी कोशिश रहेगी कि विपक्ष को साथ लेकर संसद को सुचारू रूप से चलाया जाये। श्री सोनोवाल को पुन: बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय विभाग दिया गया है। उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा जनता की सेवा की सोच के साथ मंत्रालय के लक्ष्य एवं उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति टीम भावना से काम करने पर बल दिया।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय , श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कानून मंत्री (स्वतंत्र प्रभाव) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री, श्री माधवराव सिंधिया ने दूरसंचार मंत्री, श्री अश्विन वैष्णव ने रेल और सूचना प्रसारण मंत्री, श्री मनोहर लाल ने शहरी विकास एवं बिजली मंत्री, श्री प्रताप राव गणपत राव जाधव और श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने स्वास्थ्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा एल मुरुगन ने संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार संभाला। कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों को संबोधित किया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री बनाए गए डा मनसुख मंडाविया और इसी मंत्रालय में राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने भी कार्य भार सभाल लिया है। श्री गिरिराज सिंह ने कपड़ा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने भी अपने कार्यालय में जा कर कार्यभार ग्रहण किया और कुछ पत्रावलियों पर हस्ताक्षर किए।

रक्षा मंत्रालय की नई पहलों को पूरा करने पर ध्यान देंगे : संजय सेठ

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। झारखंड की रांची लोकसभा सीट से दूसरी बार जीतकर संसद पहुंचे संजय सेठ ने मंगलवार को रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री सेठ ने मंत्रिमंडल में जिम्मेदारी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में सेवा करने के लिए उत्सुक हैं, जिनके साथ उन्होंने पहले विभिन्न पदों पर काम किया है। श्री सेठ ने कहा कि वह रक्षा मंत्रालय की उन पहलों को पूरा करने का प्रयास करेंगे जिनका उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूत करना है। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने श्री सिंह से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डा समीर वी कामत ने भी श्री सेठ से मुलाकात की और उन्हें डीआरडीओ की परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ,सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख वी आर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने भी रक्षा राज्य मंत्री से मुलाकात की और रक्षा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वर्ष 2019 में लोकसभा के सांसद के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित स्थायी समिति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के भी सदस्य थे। वह वर्ष 2016-2019 तक झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे हैं।

मेघवाल ने किए राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को यहां कार्यभार ग्रहण किया और पहले दस्तावेज के रूप में राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर हस्ताक्षर किये।

शास्त्री भवन स्थित विधि एवं न्याय मंत्रालय में मध्याह्न करीब 12 बजे कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री मेघवाल ने कामकाज की शुरुआत का शगुन करते हुए राष्ट्रीय मुकदमा नीति के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ज़ोर ईज़ ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता पर है। कानून मंत्रालय ने इसी को ध्यान में रखते हुए पुराने अप्रासंगिक हो चुके 1500 से अधिक कानूनों को निरस्त कर दिया है तथा आगे और भी ऐसे कानून हटाएंगे। श्री मेघवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनों के जीवन की सुगमता को ध्यान में रख कर ही अंग्रेज़ों के ज़माने की भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता एवं साक्ष्य अधिनियम को समाप्त करके नये कानून -भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बनाये हैं। इनके बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम करना होगा। जजों के चयन की कॉलेजियम प्रक्रिया को खत्म करने की पुरानी मांग के बारे में पूछे जाने पर श्री मेघवाल ने कहा कि इसे लेकर कोई शिकायत नहीं है और सभी व्यवस्थाएं कानून एवं संविधान सम्मत हैं।

राजस्थान के बीकानेर से तीसरी बार निर्वाचित होने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी श्री मेघवाल 70 वर्ष के हैं। उन्हें इस बार केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में विधि एवं न्याय विभाग में स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया था। इससे पहले भी वे इन दोनों पदों के साथ संस्कृति मंत्रालय में भी राज्यमंत्री थे।

विकसित भारत के लिए मिलकर काम करेंगे : चौहान

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया। श्री चौहान सुबह कृषि भवन मंत्रालय के कार्यालय पहुंचे जहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर कार्य करेगा। किसान कल्याण प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं, मेरे साथी मंत्रीगण और अधिकारी एक टीम के रूप में मिलकर काम करेंगे। परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करेंगे। उन्होंने कहा, संकल्प पत्र अधिकारियों को सौंपा गया है जिसमें किसानों के कल्याण के कौन से कदम उठाएंगे, उसके वचन और मोदी जी की गारंटी भी है। किसान कल्याण के प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए भी आज काम प्रारंभ होगा। हम सब मिलकर खेती और किसानों के कल्याण के काम में अभी से जुटते हैं और अपने आपको समर्पित करते हैं।

सभी अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा में लाना सरकार का लक्ष्य : रिजिजू

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर काम करते हुए सभी छह अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा में लाना सरकार का लक्ष्य है।

श्री रिजिजू ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण करने के बाद आज पत्रकारों से कहा कि देश के हर एक काम में एकजुट होकर समावेशी विकास के सहारे काम किया जाएगा जिसमें सबका साथ सबका विकास मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी अल्पसंख्यक मंत्रालय में रहे हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण मंत्रालय है जिसमें कई आयोग और बोर्ड हैं।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए समाज के सभी लोगों को जोड़ने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के रूप में भी पदभार ग्रहण किया है। हमारा उद्देश्य संसद और संसद के बाहर बाई ठोस कदम उठायेंगे जिससे विकसित भारत का सपना पूरा होगा। श्री रिजिजू के साथ ही जॉर्ज कुरियन ने अल्पसंख्यक मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाला।

संचार मंत्रालय के साथ मेरा भावनात्मक लगाव : सिंधिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद कहा कि इस मंत्रालय के साथ उनका भावनात्मक लगाव है और प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह विभाग तरक्की करेगा।

संचार मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद श्री सिंधिया ने कहा, पिछले 10 सालों में इस मंत्रालय में जो क्रांति आई है, मैं उसे आगे ले जाऊंगा। यह लोगों को जोड़ने वाला सेवा विभाग है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह विभाग तरक्की करेगा। मैं प्रधानमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पास टेलीकॉम डिविजन के साथ-साथ इंडिया पोस्ट डिविजन की भी जिम्मेदारी है। उनकी बड़ी भूमिका है। मैं दृढ़ संकल्पित हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए काम करूंगा। मैंने इससे पहले 2008 में इस मंत्रालय में जूनियर मंत्री के तौर पर काम किया था। इस विभाग के साथ मेरे जबरदस्त भावनात्मक संबंध हैं।

इसके बाद उन्होंने एक्स पर कहा, एक नयी शुरुआत। आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार के संचार मंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने पर उत्साहित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।चलिए, साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करते हैं जहाँ अवसरों की पहुँच कभी भौगोलिक दूरियों पर निर्भर न रहे तथा सुदूर क्षेत्र भी संचार के माध्यम से देश की विकास यात्रा में मुख्य भूमिका निभाएं।

कठुआ के हीरानगर में आतंकी हमला

हमले में 8 के करीब आतंकी शामिल

एक नागरिक की हत्या कर घर में घुसे आतंकियों में से एक ढेर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 जून।

जम्मू संभाग के कठुआ जिले के हीरानगर कस्बे के सैडा सोहल गांव में ताजा सीमा पार कर घुसे करीब आठ आतंकियों के एक दल ने हमला बोला तो गांव के लंबरदार की मौत हो गई। दो अन्य नागरिक जख्मी भी हो गए। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाकर्मियों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया, जो अति आधुनिक हथियारों से लैस थे।

यह घटना पौने आठ बजे की है जब इंटरनेशनल बार्डर से सटे इस गांव के रास्ते ताजा घुसे आठ के करीब आतंकियों के दल ने आगे बढ़ना चाहा तो कुछ गांववासियों द्वारा उन्हें देख लिया। इस पर आतंकियों ने गोलीबारी कर तीन लोगों को जख्मी कर दिया जिसमें से एक लंबरदार की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल उसकी मौत की पुष्टि नहीं हो पाई है। पर अधिकारियों ने बताया कि ऐक आतंकी को समाचार भिजवाए जाने तक ढेर कर दिया गया था और अतिरिक्त सुरक्षाबलों ने मौके पर मोर्चा संभाल लिया था। इलाके को सेना तथा बीएसएफ ने अपने घेरे में ले लिया था।

सूचना के अनुसार, सुरक्षा बल के वहां पहुंचने के बाद दोनों ओर से एनकाउंटर शुरू हो गया है और आतंकी अभी भी फायरिंग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार आतंकियों की संख्या आठ बताई जा रही है। जिस स्थान पर फायरिंग हो रही है। उसकी कुछ दूरी पर कथास्थल में बुआदाती देवस्थान पर 13 लोग जिसमें में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वो एक कमरे में बंद हैं। ग्रामीणों ने उनकी सुरक्षा के लिए मांग की है।

जानकारी के लिए तीन दिनों के भीतर जम्मू संभाग में यह दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले शनिवार को आतंकियों ने रियासी में एक यात्री बस पर हमला बोल 10 लोगों को मार डाला था। इन हमलों के उपरांत पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

अब साइबर ठग के ठिकाने पर चला बुलडोर

भरतपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पहली बार हार्डकोर क्रिमिनल्स और गैंगस्टर्स के ठिकानों के बाद साइबर ठगों के ठिकानों पर कार्रवाई गई। सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी के अपराध में लिप्त बदमाशों की धरपकड़ के बाद पुलिस ने उन पर आर्थिक प्रहार करना शुरू कर दिया है। पुलिस ने मंगलवार को प्रशासन की मदद से ढोकला गांव थाना सीकरी में कार्रवाई की। साइबर ठग की ओर से सरकारी जमीन पर बनाई चार दुकानों को बुलडोजर और जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई का एक वीडियो आईजी राहुल प्रकाश ने भी जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी करने वाले अपराधियों के अड्डे जमीदोंज, मेवात के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए ये आहुति पुलिस की ओर से।

सीओ आशीष प्रजापत ने बताया कि आठ मई को डीग जिला पुलिस ने एक साइबर ठगों की गैंग पकड़ी थी। जांच की गई तो पता लगा कि साइबर ठग साद निवासी बनेनी ढोकला गांव थाना सीकरी ने सरकारी जमीन पर चार दुकानों का निर्माण करवाया हुआ है।

दुकान बनाने के लिए जो पैसा उपयोग में लिया है, वह साइबर ठगी का पैसा है। जैसे ही पुलिस को आरोपी साद के बारे में पता लगा तो आज पुलिस जेसीबी लेकर बनेनी ढोकला गांव पहुंची और सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाते हुए दुकानों को धराशायी कर दिया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

ओमान के सुल्तान ने मोदी को फोन कर दी बधाई, दोनों देशों के संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी सरकार बनाने की सफलता पर विदेशों से बधाई के सिलसिले के बीच ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने मंगलवार को फोन कर के श्री मोदी को बधाई दी और द्विपक्षीय संबधों को और प्रगाढ़ करने के बारे में बातचीत की ।

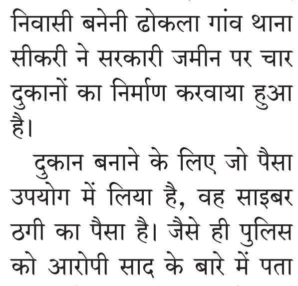

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज ओमान के सुल्तान महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक का फोन आया। सुल्तान हैथम बिन तारिक ने हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति के बारे में उन्हें हार्दिक बधाई दी। बयान के मुताबिक ओमान के सुल्तान ने ओमान और भारत के बीच सदियों पुराने मैत्री संबंधों का उल्लेख करते हुए भारत के लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। श्री मोदी ने सुल्तान हैथम बिन तारिक को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और दिसंबर 2023 में उनकी भारत की ऐतिहासिक यात्रा का जिक्र किया, जिससे सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में मजबूती आई है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए भारत-ओमान साझेदारी को और गहरा तथा मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान और वहां के लोगों को आने वाली ईद अल अज़हा पर हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

योगी सरकार ने नई तबादला नीति को मंजूरी दी

लाखों कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का तोहफा

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 2024-25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए जिनमें से 41 को मंजूरी दी गई है। नई स्थानांतरण नीति के तहत समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सकेगा, जिन्होंने जनपद में 3 वर्ष और मंडल में 7 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वहीं समूह ग और घ में सबसे पुराने अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाएगा। समूह क और ख के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत तो वहीं समूह ग और घ के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत की सीमा रखी गई है।

इस स्थानांतरण नीति के तहत सभी स्थानांतरण आगामी 30 जून तक किए जाने हैं। बैठक में बुंदेलखंड क्षेत्र की 50 में से 26 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। जिनकी कुल लागत 10858 करोड़ रुपए है। इसमें 1394 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है।

कैबिनेट ने प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। इसके अनुसार अब 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई और एक जनवरी से प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक जो व्यवस्था थी उसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि अब कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ उनकी पेंशन और ग्रेच्युटी में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के बाद ज्यूडिशियल कर्मचारियों को पहले ही इसका लाभ दिया जा चुका है और अब सरकारी कर्मचारी भी इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजा-पुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में तैयारियों के मद्देनजर 2019 की तुलना में 2025 में 3200 हेक्टेयर की तुलना में 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार किया गया है। अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर करीब छह करोड़ लोग आएंगे। कुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

बैठक में नोएडा को 500 बेड के नए अस्पताल को मंजूरी दी गई है। इसका निर्माण 15 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। आईआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च के लिए स्कूल आफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नालॉजी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार हर साल 10 करोड़ रुपए देगी। इस तरह पांच साल में 50 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। शेष मदद केंद्र से आएगी।

पांच विश्वविद्यालयों के नाम में संशोधन

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया गया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

कई उम्मीदवारों से असहमत था आरएसएस, भाजपा ने एक नहीं सुनी

संघ से दूरी भाजपा को पड़ी भारी

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में करीब आधी सीटों तक सिमटने वाली भाजपा की हार के भले ही कई कारण गिनाए जा रहे हों, पर संघ से दूरी भी एक बड़ी वजह है। संभवतः यह पहला चुनाव है जिसमें भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति तैयार करने तक में भी संघ से परामर्श नहीं लिया। लिहाजा संघ ने भी खुद को अपने वैचारिक कार्यक्रमों तक ही समेटे रखा।

इसका भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। यह पहला चुनाव था जिसमें चुनावी प्रबंधन में संघ परिवार और भाजपा में दूरी दिखी। भाजपा ने किसी भी फैसले में उससे परामर्श करने तक की भी जरूरत नहीं समझी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मौन साध रखा था। आमतौर पर चुनाव में जमीनी प्रबंधन में सहयोग करने वाले संघ के स्वयंसेवक इस चुनाव में शायद ही कहीं दिखे हों।

जिलों में न तो संघ और भाजपा की समन्वय समितियां दिखीं और न ही डैमेज कंट्रोल के लिए छोटे-छोटे स्तर पर अमूमन होने वाली संघ परिवार की बैठकें होती नजर आईं। कम मतदान पर लोगों को घर से निकालने वाले समूह भी इस चुनाव में कहीं नहीं दिखे।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो संघ ने चुनाव से किनारा कर लिया। संघ से जुड़े कुछ वर्तमान, पूर्व पदाधिकारियों व प्रचारकों के अनुसार इसकी मुख्य वजह भाजपा के एकांगी निर्णय और संघ परिवार के संगठनों के साथ संवादहीनता रही। माना जाता है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बयान भाजपा अब पहले की तुलना में काफी मजबूत हो गई है। इसलिए उसे अब संघ के समर्थन की जरूरत नहीं है ने भी स्वयंसेवकों उदासीन कर दिया। संघ के एक पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि संघ अचानक तटस्थ होकर नहीं बैठा था।

संघ से जुड़े लोगों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले परिणामों के बाद आत्ममुग्धता से लबरेज भाजपा ने अपने सियासी फैसलों में संघ परिवार को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया था। भाजपा ने जब संघ परिवार की सलाह की अनदेखी कर एक के बाद एक कई ऐसे फैसले कर डाले, जिनसे संगठन की साख और सरोकारों पर विपरीत प्रभाव पड़ना लाजिमी था, इसलिए संघ ने भी अपनी भूमिका समेट ली। अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भी कुछ मतभेद उभरे।

संघ ने कौशांबी, सीतापुर, रायबरेली, कानपुर, बस्ती, अंबेडकरनगर, जौनपुर, प्रतापगढ़ सहित प्रदेश की लगभग 25 सीटों के उम्मीदवारों पर असहमति जताई थी।

साथ ही बड़े पैमाने पर दूसरे दलों के लोगों को भाजपा में शामिल करने पर भी नाराजगी वयक्त की थी। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से कहा था कि दूसरे दलों के दागी और अलोकप्रिय चेहरों को शामिल करना उचित नहीं है। इससे गुटबाजी बढ़ रही है। साथ ही संगठन की साख पर भी सवाल उठ रहा है। पर, उसकी सलाह नहीं मानी गई। लिहाजा संघ उदासीन हो गया।

भाजपा का चुनाव प्रबंधन तो पहले से ही कागजों पर था। संघ भी उदासीन हुआ तो ज्यादातर स्थानों पर न तो भाजपा के वोटरों को निकालने वाले दिखे और न उन्हें समझाने वाले। लिहाजा ज्यादातर मतदान केंद्रों पर 2014, 2019, 2017 और 2022 वाला प्रबंधन नहीं दिखा। चुनाव की घोषणा के एक साल पहले ही संघ परिवार ने अपने वैचारिक कार्यक्रम के तहत जनता से संवाद शुरू कर दिया था। घोषणा होने तक हर लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक लाख बैठकें हो चुकी थीं। इसके तहत संघ के जमीनी कार्यकर्ता 10-20 परिवारों के साथ बैठकें करके मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने, सांस्कृतिक और राष्ट्रवाद के एजेंडे पर हुए कार्यों की चर्चा कर माहौल बनाया था, लेकिन भाजपा संघ के इस कवायद का भी फायदा नहीं उठा पाई।

चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा ने कई क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की। इसमें भी संघ परिवार के फीडबैक की अनदेखी की गई। खासतौर से गोरक्ष प्रांत और काशी के क्षेत्रीय अध्यक्ष और कुछ पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। वाराणसी समेत कई लोकसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में भारी कमी आने के पीछे पदाधिकारियों की मनमानी नियुक्ति को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

संघ से दूरी बनाने का दुष्परिणाम यह भी रहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाला भाजपा का संगठन भी पूरी तरह से सक्रिय नहीं रहा। माना जा रहा है कि संघ से बेहतर समन्वय नहीं बनने की वजह से भाजपा की अधिकांश बूथ कमेटियां व पन्ना प्रमुख भी निष्क्रिय बैठे रहे।

वहीं संघ के स्थानीय कार्यकर्ता निरंतर जनता के बीच काम करते हैं और संगठन से जनता को जोड़ने में उनकी प्रमुख भूमिका होती है। समन्वय नहीं होने की वजह से दोनों तरफ के कार्यकर्ता उदासीन रहे।

नतीजा यह हुआ कि तमाम घरों पर परिवारों तक पर्चियां तक नहीं पहुंच पाई। स बार के चुनाव भाजपा ने हर लोकसभा क्षेत्र के लिए प्रभारी नियुक्त किया था, जो कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि ज्यादातर लोकसभा क्षेत्रों में बाहरी नेताओं को प्रभारी बनाया गया था, जिन्हें न तो संबंधित लोकसभा क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी थी और न ही जातीय समीकरण व मुद्दों की। मतदाताओं के बीच भी बाहरी प्रभारियों की कोई पकड़ नहीं थी। लिहाजा तमाम प्रभारियों ने जमीन पर काम करने के बजाय सिर्फ क्षेत्रों में होने वाले बड़े नेताओं के सभाओं में चेहरा दिखाने तक ही खुद को सीमित रखा।

12 बस टर्मिनल सह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनेंगे

राज्य सड़क परिवहन निगम ने शुरू की तैयारी

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रखने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार ने प्रदेश में नई शक्ति के साथ लंबित परियोजनाओं पर कार्य करना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सीएम योगी की मंशा अनुरूप प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और उन्नत व जनसुलभ बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूप-ीएसआरटीसी) कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है। यूपीएसआरटीसी द्वारा 12 बस टर्मिनल्स के निर्माण, नवीनीकरण तथा उन्हें कमर्शियल कॉम्पलेक्स के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे आगरा, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, गढ़ मुक्तेश्वर, मथुरा, कानपुर सेंट्रल व वाराणसी कैण्ट समेत कई नए टर्मिनल्स के निर्माण तथा पुराने बस अड्डों के मेकओवर को गति मिलेगी। इतना ही नहीं, सीएम योगी की मंशा अनुसार 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूप-ीएसआरटीसी के बेड़े में शामिल किए जाने के कार्य को भी गति प्रदान की जा रही है। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए निविदा प्रक्रिया मार्च में ही जारी कर दी गई थी, मगर लोकसभा चुनावों के कारण निविदा प्रक्रिया लंबित हो गई थी जिसे अब दोबारा 14 जून से शुरू कर दिया जाएगा।

नागरिक सुविधाओं में इजाफा को लक्षित कर योगी सरकार की मंशा के अनुरूप यूपीएसआरटीसी ने 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण व मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, आगरा के ईदगाह व ट्रांसपोर्ट नगर, गाजियाबाद के साहिबाबाद, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, बरेली, गढ़ मुक्तेश्वर, अलीगढ़ के रसूलाबाद, वाराणसी कैण्ट, कानपुर सेंट्रल में 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण तथा मथुरा में पुराने बस अड्डे के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सभी स्थानों पर नागरिक सुविधाओं के विकास के साथ ही इन्हें कमर्शियल स्पे-सेस में कन्वर्ट कर इनके जरिए रेवेन्यू जेनरेशन के मॉडल पर भी फोकस किया जा रहा है। इससे न केवल यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा बल्कि यूप-ीएसआरटीसी की आय बढ़ने में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह सभी कार्य उस विस्तृत कार्ययोजना का हिस्सा हैं जिसे सीएम योगी के मार्गदर्शन में निर्मित किया गया था और अब उनकी मंशा अनुरूप ही इस दिशा में कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

यूपीएसआरटीसी द्वारा वर्तमान में 5000 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव की प्रक्रिया को लेकर निविदा प्रक्रिया एक बार फिर शुरू की गई है। 14 जून से ये प्रक्रिया शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि आधुनिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सार्वजनिक परिवहन में क्रांति लाने की निगम की योजना के पहले चरण को चिह्नित करती है। राज्य के परिवहन नेटवर्क को विस्तारित करने की दीर्घकालिक रणनीति के तौर पर 50,000 बसों के बेड़े को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जो कि आगामी वर्षों में पूरा हो जाएगा।

अयोध्यावासियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर पुलिस अलर्ट

शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें

अयोध्या/एजेंसियां। लोकसभा चुनाव में भाजपा के अयोध्या सीट हारने का चर्चा लगातार चल रहा है। फैजाबाद लोकसभा सीट पर परिणाम को लेकर सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों को लेकर हो रही टिप्पणियों पर पुलिस सतर्क हो गई है। माहौल में खलल डालने के उद्देश्य से आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर केस दर्ज करके जेल भेजने तक के निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव में अयोध्या से भाजपा की हार के बाद अयोध्यावासियों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। लोग उन्हें गद्दार, धोखेबाज, राम विरोधी जैसे तमाम आपत्तिजनक व अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। इसे लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं।

कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसकी प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो कुछ लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई है। यह गतिविधियां दिन-ब-दिन तेज होती जा रही हैं, जिससे भविष्य में भी जिले का माहौल बिगड़ सकता है। इसे देखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट हो गई है। अमन-चैन में खलल पैदा करने वालों पर निगाह तेज की गई है। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कई सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित किया गया है। उनकी पोस्ट और उस पर आने वाली टिप्पणियों की निगरानी की जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि कुछ अराजक किस्म के लोग आपत्तिजनक पोस्ट करके माहौल बिगाड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। उन्हें चिह्नित करके उनके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। कोई भी पोस्ट विधिसम्मत न होने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज भी किया गया है। लोगों से अपील है कि वह शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें और किसी तरह के आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने पर शिकायत दर्ज कराएं।

केंद्र में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

लखनऊ/एजेंसियां। केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी सरकार के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें मोदी सरकार 3.0 में वाणिज्य राज्यमंत्री बनाया गया है। वह यूपी में विधान परिषद सदस्य थे और सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे। उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। केंद्र सरकार में यूपी को खास अहमियत दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिपरिषद में विभाग बंटवारे में यूपी के राज्य मंत्रियों को खासी अहमियत दी है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जंयत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा उन्हें शिक्षा विभाग का राज्यमंत्री भी बनाया गया है। कीर्तिवर्धन सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के साथ विदेश मामलों का मंत्री बनाकर उनका कद बढ़ाया गया है। जितिन प्रसाद को वाणिज्य एवं उद्योग के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। मोदी-3 मंत्रिपरिषद में यूपी से दो कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह और हरदीप पुरी हैं। रालोद के जयंत चौधरी को महत्वपूर्ण विभाग देकर जाट मतदाताओं में उनकी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

मंत्रिपरिषद में दोबारा स्थान पाने वाले बीएल वर्मा उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री होंगे। पिछली बार उनके पास अपेक्षाकृत कम महत्व के माने जाने वाला उत्तर पूर्व विकास क्षेत्र और सहकारिता विभाग था। अपना दल (एस) कोटे की अनुप्रिया पटेल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक विभाग की मंत्री बनाई गई हैं।

मोदी-2 सरकार में वे वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री थीं। मोदी-2 सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री रहे एसपी सिंह बघेल को इस बार मत्स्य, पशुप-ालन व डेयरी और पंचायती राज विभाग में जिम्मेदारी मिली है।

सुझाव

आपके शरीर में है प्रोटीन की कमी?

मानव शरीर में ऊर्जा के लिए प्रोटीन की भरपूर मात्रा की आवश्यकता होती है। इसकी कमी के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां भी हो सकती हैं, शरीर में प्रोटीन की कमी के लक्षणों को जानना बहुत जरूरी है।

प्रोटीन की कमी: प्रोटीन हमारे शरीर के लिए आवश्यक तत्व होता है, यह हमारे शरीर में कोशिकाओं का निर्माण करता है। इसकी कमी से शरीर में कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, साथ ही शरीर में ऊर्जा की कमी हो जाती है। प्रोटीन की कमी का पता चलने में अक्सर समय लग जाता है। जिससे हमारे शरीर को काफी नुकसान हो जाता है। यहां हम आपको इस स्लाइडशो के जरिए उन संकेतों के बारे में बता रहे हैं जो शरीर में प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा करते हैं।

मिठाई खाने की तलब: शरीर में प्रोटीन की कमी होते ही मिठाई खाने की तलब बढ़ जाती है। आप कितना भी मीठा खा लो, आपका मन नहीं भरता है। ये प्रोटीन की कमी का सबसे प्रमुख संकेत होता है। प्रोटीन आपके शरीर का ब्लड शुगर संतुलित रखता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो आपका ग्लूकोज लेवल भी असंतुलित हो जाता है। इसलिए मिठाई खाने की अधिक चाहत हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें।

एकाग्रता की कमी: एकाग्र रहने के लिए संतुलित ब्लड शुगर की जरूरत होती है। जब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो ग्लूकोज का लेवल लगातार बढ़ता-घटता रहता है। आपका दिमाग सही ढंग से काम नहीं करता है। दिमाग को सही तरीके से सक्रिय रखने में कार्ब की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन प्रोटीन की कमी के चलते वे शरीर में नहीं पहुंचते हैं। जिससे दिमाग एकाग्र नहीं हो पाता।

रिकवर होने में ज्यादा समय लगना: टफ वर्कआउट के बाद भी मसल्स बनने में समय लगने के अलावा, चोट के ठीक होने में अगर ज्यादा समय लग रहा है तो इसका मतलब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी है। आपका शरीर रिकवर होने में समय लेगा। सामान्य सा तर्क है, प्रोटीन आपके शरीर में नए ऊतकों का निर्माण करता है। जब प्रोटीन कम होगा तो नए टिश्यू के निर्माण में भी समय लगेगा।

बालों का झड़ना: प्रोटीन आपके बालों की कोशिकाओं का भी निर्माण करता है। आपके बालों की कोशिकाएं मजबूत होगी तो आपके बाल भी मजबत और चमकदार रहेंगे ।लेकिन आगर आप लगातार आपके बालों को पोषण देने वाले तत्व की अनदेखी करेंगे तो आपके सिर से बालों की डेंसिटी कम होने में समय नही लेगी।

कमजोरी होना: सभी जानते है कि मसल्स बनाने में प्रोटीन एक महत्वपूर्ण तत्व होता है। अगर आप भरपूर मात्रा में प्रोटीन नहीं ले रहे, तो थोड़े समय में आपकी मसल्स सिकुड़नें लग जाएगी। जिसके चलते आपको कमजोरी का अहसास होगा साथ ही आप व्यायाम भी सही तरीके से नहीं कर पाएंगे।

लगातार बीमार होना: प्रोटीन सिर्फ आपके मसल्स ही नहीं बनाता बल्कि आपके इम्यून सिस्टम को भी ठीक रखता है। इसलिए अन्य लोगों की तुलना में अगर आपको कोल्ड की समस्या अधिक हो सकती है। इसका कारण प्रोटीन की कमी हो सकती है। अगर आपके नाखूनों के आसपास की त्वचा निकल जाती हो तो ये भी प्रोटीन की कमी से ही होता है।

इन बातों का ध्यान रखें: प्रति किलोग्राम वजन के अनुपात से मनुष्य को एक ग्राम प्रोटीन की आवश्कता होती हैं अर्थात यदि वजन 50 किलो है तो नित्य 50 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। प्रोटीन शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के भोजन में मौजूद पाया जाता है। यदि दोनों को भोजन में एक साथ लिया जाए तो शरीर में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा शामिल की जा सकती है। अगर आप शाकाहारी हैं तो डेयरी उत्पादों के जरिये।

बुलिमिया इटिंग डिसऑर्डर

बुलिमिया वास्तव में इटिंग डिसऑर्डर है, जो धीरे-धीरे साइकॉलजिकल डिसऑर्डर बन जाता है। अगर वक्त रहते ध्यान देकर कंट्रोल न किया जाए तो यह गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। बुलिमिया से पीड़ित लोग न चाहते हुए भी खाते जाते हैं। अपने इमोशन को कंट्रोल नहीं कर पाते हैं। उनके साथ एक समस्या यह भी है कि पहले तो ज्यादा खा लेते हैं, इस वजह से वोमेटिंग कर खाना को बाहर निकालने की भी कोशिश करते हैं।

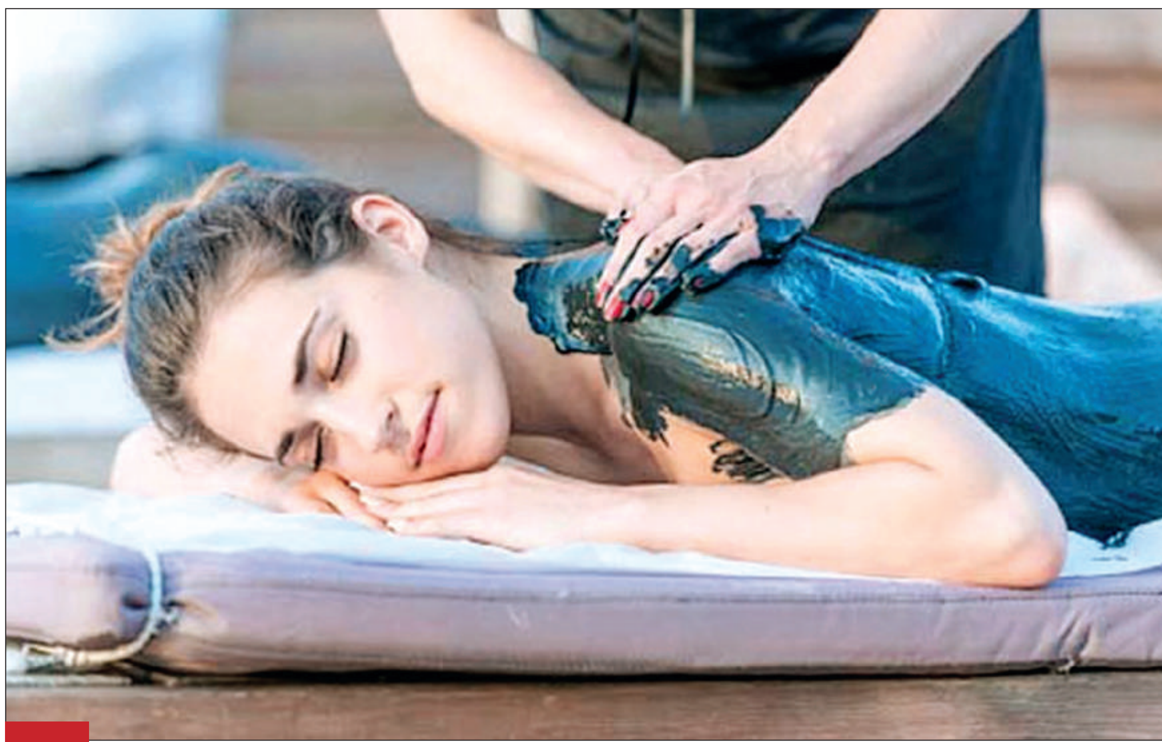

मड थेरेपी के अनोखे स्वास्थ्य लाभ

प्राकृतिक चिकित्सा में माटी का प्रयोग कई रोगों के निवारण में प्राचीन काल से ही होता आया है। नए वैज्ञानिक शोध भी प्रमाणित करते हैं कि माटी चिकित्सा (मड थेरेपी) की शरीर को तरो ताजा करने जीवंत और उर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता होती है। चर्म रोग व सौंदर्य संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मड थेरेपी कारगर है। यह एक महत्वपूर्ण नेचुरोपैथी है। मड के प्रयोग से ही शरीर की कई बीमारियों को दूर किया जा सकता है।

मुंहासों के इलाज में-अच्छी तरह से साफ करने वाली तथा कोमल-मड, जैसे मुलतानी मिट्टी का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पैक मुंहासों से छुटकारा पाने तथा त्वचा को प्राकृतिक चमक प्रदान करने में सहायक होता है।

पाचन में सहायक-पेट के निचले हिस्से पर मड पैक लगाने से यह पाचन में सुधार करने में मदद करता है। यह अभ्यास आंतों की गर्मी को कम करने में समर्थ सिद्ध होती है, साथ ही आंतों के क्रमाकुंचन (पेरिस्टॉसिस) आंदोलन को भी उत्तेजित करता है। इसके अलावा पेट में गैस या दर्द होने की स्थिति में राहत पाने के लिए पेट पर मड पैक लगाने की सलाह दी जाती है।

कब्ज-पेट पर मड पैक लगाने पर यह कब्ज वाली आंत के लिए एक अद्भुत प्राकृतिक उत्तेजित का काम करता है। इसलिये ही नैचुरोपेथी में भी कब्ज की समस्या से छटकारा दिलाने के लिए पेट पर मड पैक लगाया जाता है।

डायरिया और उल्टी-दस्त हो जाने पर भी मड पैक सहायक सिद्ध होता है। इस समस्या के होने पर पेट पर मड पैक लगाया जाता है। वहीं उल्टी के मामले में मड पैक को छाती पर लगाया जाता है। इसे लगाने से उलटियां बंद हो जाती हैं।

ड्राई स्किन के लिए-ड्राई स्किन और मांसपेशियों के दर्द से परेशान हैं, तो मड थेरेपी करवाएं। यह थेरेपी आपको तुरंत राहत देगी और आप फ्रेश महसूस करेंगे। इस थेरेपी से सौंदर्य में तो निखार आता ही साथ ही यह एंटी एजिंग का काम भी करती है। मड थेरेपी से रोगों को दूर करने और शारीरिक सौंदर्य को बनाए रखने के लिए शरीर के अलग-अलग भागों पर मिट्टी का लेप किया जाता है।

नेत्र समस्याओं के लिए-आंखों पर मड पैक लगाने से आंखों की मांसपेशियों को आराम मिलता है तथा इसे नेत्र दृष्टि वृद्धि के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा नेत्र विकृतियों जैसे नेत्रश्लेष्मलाशोथ तथा स्टाई में भी यह फायदेमंद होता है।

त्वचा समस्याओं के लिए-एजिमा जैसी त्वचा समस्याओं से मड पैक लगाकर निजात पाई जा सकती है। ऐसा मिट्टी की स्वाभाविक प्रवृत्ति, एंटी टॉसिक और ठंडा होने की वजह से होता है। ऐसे में साबुन की जगह मड से नहाने की सलाह दी जाती है।

सिर दर्द व तनाव-मड थेरेपी सिर दर्द के लिए भी एक कारगर उपचार हो सकती है, विशेषकर गर्म और आर्द्र बाहरी वातावरण के साथ जुड़े सिर दर्द के मामले में। ऐसे में मड पैक को माथे पर लागू करने की सलाह दी जाती है (और यदि जरूरत हो तो पूरे सिर पर भी)। इससे सिर की गर्मी दूर होती है और सिर दर्द और तनाव भी दूर हो जाता है।

बुखार व घाव के उपचार में-बुखार से राहत पाने के लिए मड पैक को पेट के साथ माथे पर लगाया जा सकता है। मड में एंटी-इंलेमेटरी गुण होता है, इसलिए यह घाव और निशानों के उपचार के लिए भी काफी कारगर विकल्प होता है।

सलाह

पपीते में छिपा है सेहत का राज

पपीते में विटामिन की मात्रा

कैल्शियम	- 5%
मैग्नीशियम	- 5%
डाइटरी फाइबर	- 6%
पोटेशियम	- 5%
विटामिन ए	-19%
कार्बोहाइड्रेट	- 5%

पपीता एक टेस्टी और हेल्दी फ्रूट है। पपीता फ्रूट ही नहीं, इसका पूरा पौधा कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। कच्चे पपीते में विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आयुर्वेद में पपीता को अनेक लाइलाज बीमारियों को दूर करने वाला माना गया है। पपीता पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने वाला, पीलिया, हर्निया, प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाला, दिल के लिए उपयोगी और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों के लिए यह अमृत के समान है। आज हम आपको पपीते के गुणों के बारे में बता रहे हैं।

दिल की दिक्कत के लिए

पपीता हाई ब्लडप्रेशर के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें कारपेन या कार्पेइनज् नामक एक क्षारीय तत्व होता है जो ब्लडप्रेशर को नियंत्रित करता है। इसी कारण हाई ब्लड प्रेशर के रोगी को एक पपीता (कच्चा) नियमित रूप से खाना चाहिए। दिल के रोगियों के लिए भी पपीता बहुत फायदेमंद होता है। अगर वे पपीते के पत्तों का काढ़ा बनाकर नियमित रूप से एक कप रोज पीते हैं तो बहुत फायदा करता है।

पपीता के अन्य गुण

खूबसूरती बढ़ाने के के लिए भी पपीते का इस्तेमाल किया जाता है। पपीते को चेहरे पर रगडऩे से स्किन प्रॉब्लम्स दूर होते हैं। इसे लगाने से स्किन ग्लो करने लगती है, लेकिन इसके लिए हमेशा पके पपीते का ही प्रयोग करना चाहिए। अच्छे पके हुए पपीते के गूदे को उबटन की तरह चेहरे पर लगाएं। आधा घंटा लगा रहने दें। जब वह सूख जाए तो गुनगुने पानी से चेहरा धो लें तथा मूंगफली के तेल से हल्के हाथ से चेहरे पर मालिश करें। ऐसा कम से कम एक माह तक नियमित करें ।कब्ज व बावासीर जैसी समस्याओं में पपीता बहुत फायदेमंद होता है। बवासीर के रोगियों को प्रतिदिन एक पका पपीता खाना चाहिए। बवासीर के मस्सों पर कच्चे पपीते के दूध को लगाते रहने से काफी फायदा होता है।

पपीते में गुण

- इसमें विटामिन और पपाइन पाया जाता है। इससे त्वचा की रंगत में निखार आने के साथ ही ग्लो भी बढ़ता है।
- इसमें पाए जाने वाले मिनरल्स, विटामिन और एंजाइम्स से बाल सेहतमंद होते हैं।
- पपीते के बीज में लिवर को ठीक करने के गुण होते हैं। इन्हें भी दुनिया के कुछ भागों में खाया जाता है। इन्हें शहद के साथ या काली मिर्च के साथ पीसकर खाया जाता है।
- इसे हाइपरटेंशन की दवा के तौर पर भी यूज किया जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले पोटेशियम के कारण यह ब्लड़ प्रेशर को नियंत्रण में रखता है।
- पपीते का अधिक सेवन कर लेने से कैरोटेनेमिया नामक बीमारी हो सकती है। इसमें हथेलियों और तलवों की त्वचा बहुत अधिक पीली हो जाती है।
- पपीते का लगातार सेवन करने वाले कुछ लोगों को बार-बार दस्त लगने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए सप्ताह में तीन दिन से ज्यादा पपीता नहीं खाएं। यदि कच्चा पपीता खा लिया जाए तो यह गले की खराश का कारण बन सकता है। वैज्ञानिक रूप से पपीते को बेर की श्रेणी वाले फलों में शामिल किया गया है। इसे फरिश्तों का फल कहा गया है।

मानसून का आनंद आयुर्वेद के संग

गर्मी के बाद मानसून किसी त्यौहार से कम नही होता। इस मौसम में लोग अनेक तरीको से बारिश का आनंद लेते हैं। लेकिन अकसर इस बात से अनजान रहते हैं कि यह मौसम कई तरह की बीमारियों, संक्रमणों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी होता है। मौसम में आए अचानक परिवर्तन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे कई तरह की बीमारियां हमें घेर लेती है। आयुर्वेद के अनुसार मानसून में पित्त बहुत अधिक बढ़ जाता है। और अग्नि तत्व जो हमारे शरीर को कार्यात्मक ऊर्जा प्रदान करता है तथा चयापचय और भोजन को पाचने के लिए जिम्मेदार होता है। इस दौरान कमजोर हो जाता है।

आद्रता के स्तर बढ़ जाने से तरल पदार्थों की कमी

इस मौसम में पित्त के कारण पेट संबंधी, अपच, एसिडिटी, त्वचा संबंधित बीमारियां जैसे फोड़े- फुंसियां, एक्जिमा और बालों का झड़ना और संक्रमण जैसी सामान्य बीमारियां आम होती हैं। साथ ही वातावरण में आद्रता के स्तर के बढ़ जाने से शरीर से महत्वपूर्ण तरल पदार्थों की कमी हो जाती है। इसलिए अगर आप वास्तव में मानसून का आनंद लेना चाहते हैं, तो निम्न सुझावों का पालन करें और स्वस्थ रहें।

ज्यादा तेल के प्रयोग से बचें

इस मौसम में पाचन क्रिया कमजोर हो जाती है इसलिए भारी तेल जैसे सरसो, मखन, मूंगफली और अन्य तेलों के स्थान पर खाना बनाने के लिए हलके तेल जैसे घी, ऑलिव ऑयल, कॉर्न ऑयल और सनफ्लावर ऑयल का उपयोग करें।

उबली सब्जियां खाएं

मानसून में हलके और आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थ, पकी हुई या स्टीम सब्जियां, कद्दू, फल, मूंग दाल, खिचड़ी, कॉर्न, काबुली चने का आटा और ओटमील आदि खाएं। इसके अलावा कच्चे सलाद की जगह स्टीम सलाद लें।

बाहर खाने से बचें

मानसून में सड़क के किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थों को न खाए। साथ ही बाहर खाना खाते समय सावधान रहें और सुनिश्चित करें कि आप जिस स्थान पर खाना खाने जा रहे हैं वह साफ सुथरा हो।

मसालों से दूरी

में बहुत अधिक भारी, गर्म, खट्टे जैसे चटनी, अचार, मिर्ची, दही, करी आदि खाद्य पदार्थों को खाने से वाटर रिटेंशन, अपचन, एसीडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तले हुए पदार्थ, जंक फूड, मिर्च मसालों से भरपूर मांस न खाएं। साथ ही सलाद और हरी सब्जियां भी न खाएं।

तिल के तेल की मालिश

मानसून में हते में एक से दो बार तिल के तेल की मालिश करने से रक्त संचार ठीक रहता है, जिससे आपको स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कुछ लोगो को तिल का तेल गर्म कर सकता है अत: ऐसे लोगो को नारियल के तेल का उपयोग करना चाहिए।

कसैली चीजों का सेवन करें

कसैला स्वाद पित्त को निष्प्रभावित करने में मदद करता है। इसलिए कड़वी सब्जियां जैसे करेला और कड़वी जड़ी-बूटियां जैसे नीम, सूखी मेथी और हल्दी अधिक खाएं। इसके अलावा ये सब चीजें आपको संक्रमण से बचाती हैं।

हल्की एक्सरसाइज करें

बहुत अधिक भारी एसरसाइज जैसे दौड़ना, साइकिलिंग आदि को करने से पित्त बढ़ती है। इसलिए इसे करने से बचे और इनके स्थान पर योग, वॉकिंग, स्विमिंग और स्ट्रेचिंग आदि हल्की एसरसाइज करें।

उत्तेजित होने से बचें

क्रोध, जलन, ईर्ष्या और अहंकार जैसे गर्म भावनाओं से बचें। योंकि इन भावनाओं से पित्त में वृद्धि होती है और यह एक्जिमा, ईर्ष्या मूत्र पथ के संक्रमण का कारण हो सकता है।

ये है ग्रीन-टी पीने का सही समय

फिट रहने के लिए कई लोग ग्रीन-टी का सेवन करते हैं। यह शरीर की फिटनेस ही नहीं सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर का मोटापा कम करने में मदद करते हैं लेकिन कुछ लोग जल्दी पतले होने की चाह में दिन में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं जिससे शरीर को नुकसान भी हो सकता है। इससे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और पेट की भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए ग्रीन-टी सही समय और उचित मात्रा में पीएं जिससे सेहत को फायदा मिले।

सही समय : ग्रीन-टी से शरीर को फायदा पहुंचाने के लिए इसको सही समय पर पीना बहुत जरूरी है। भोजन करने से 1 या 2 घंटे पहले ग्रीन-टी का सेवन करें।

खाली पेट : ग्रीन-टी पीने से मोटापा कम होता है इसलिए कई लोग इसे खाली पेट पीना पसंद करते हैं जिससे चर्बी जल्दी कम हो लेकिन खाली पेट पीने से काफी नुकसान होता है। इसमें कैफिन होता है जिसे

खाली पेट पीने से आंतों की कई समस्याएं हो जाती हैं।

गर्म पानी : कुछ लोग ग्रीन-टी को आम चाय की तरह बना कर पीते हैं। इसमें दूध और शक्कर डालकर पीने से शरीर को कोई फायदा नहीं होता और न ही मोटापा कम होता है। इसके लिए हमेशा गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

शहद : जिस तरह गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन कम होता है उसी तरह ग्रीनटी में भी शहद मिलाकर पीएं। ग्रीन-टी से पेट की पाचन शक्ति ठीक रहती है और शहद से पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। ऐसे में इन दोनों का साथ में सेवन करने से काफी फायदा होता है ।दो-तीन कप

खाने के तुरंत बाद कभी भी ग्रीन-टी का सेवन न करें। इसके अलावा दिन में कम से कम 2-3 कप ग्रीन-टी ही पीएं। इसके अधिक सेवन से लीवर को नुकसान होता है।

मुलेठी खाने के अनोखे फायदे

हर व्यक्ति चाहता है कि वो स्वस्थ रहे लेकिन इसके लिए क्या करे, ये समझ नहीं पाता। मुलेठी एक ऐसी औषधी है जिसके प्रयोग से कई बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। यह पेट के रोग, सांस संबंधी रोग और स्तन रोग को दूर करती है। आइे जानिए इसके फायदे।

गले की खराश : गले में खराश, सर्दी और खांसी में इसका सेवन करने से बहुत आराम मिलता है। जिन लोगों को दमा की समस्या हो उनके लिए मुलेठी फायदेमंद होती है। यह बलगम को निकालती है और खांसी से आराम मिलता है।

कैविटी : मुलेठी दांतों में कैविटी करने वाले बैक्टीरिया को रोकती है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए इसके जड़ के पाउडर का प्रयोग करना चाहिए।

रेसिपी

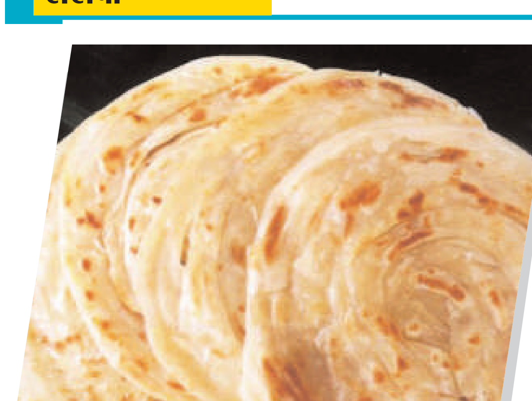

केरला परांठा

सामग्री

मैदा 1 कप
नमक आधा चम्मच
अजवायन आधा चम्मच
घी 3 चम्मच
पानी 2 कप

विधि

मैदे को सबसे पहले छान लें, फिर उसमें नमक, अजवायन और 3 चम्मच घी डालें। अब गर्म पानी की मदद से उसे मुलायम गूंथ लें। जब आटा गुंथ जाए तब इसे गीले कपड़े से 30 मिनट के लिए ढंक कर रख दें तथा 30 मिनट बाद आटे से 3 लोइयां बना लें। एक लोई उठाएं और गोल कर के चपटा करें। सूखे मैदे की सहायता से इसे एकदम पतला बेलें। बेले गए परांठे के ऊपर एक चम्मच घी डालें और घी को चारों ओर फैला दें। परांठे को हाथों से कई बार गोल-गोल फोल्ड कर लें। फोल्ड किए गए परांठे को रोल करके गोल लोई तैयार कर लें। लोई से 7-8 इंच व्यास का परांठा बेलें। अब बेले गए परांठे को गर्म तवे पर डालें तथा दोनों ओर घी लगाकर अच्छे से ब्राऊन होने तक सेंक लें।

खजूर की चटनी

सामग्री

100 ग्राम खजूर
1/2 चम्मच लाल मिर्च पावडर
1/2 चम्मच भुना जीरा पावडर
1/4 चम्मच काला नमक
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले खजूर की चटनी को बनाने के लिए सभी खजूर के बीच में से गुठली निकाल दें, फिर खजूर को धोकर इसमें एक कप पानी डाल दें। उसके बाद 2 घंटे के लिए खजूर को भिगो कर रख दें। उसके बाद खजूर को 5 मिनट के लिए ब्लेंडर में बारीक पीस लें। अब इसमें लाल मिर्च पावडर, जीरा पावडर, काला और सादा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। लीजिए खजूर की चटनी तैयार है। इसे रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

संपादकीय

बैसाखी नहीं, मजबूत कंधे बनें सहयोगी दल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय समिति की बैठक के बाद उन सभी प्रश्नों का उत्तर मिल गया है कि जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार और तेदपी के चंद्रबाबू नायडू भाजपा को छोड़कर कहीं और नहीं जा रहे हैं। यह भी स्पष्ट हो गया है कि 9 जून को शाम छह बजे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं। कांग्रेस और आरजेडी के साथ जाकर उन्हें यह बात ध्यान आ गई है कि उनकी विकास पुरुष की छवि भाजपा के साथ रहने पर ही बनी थी। बिहार के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर उन्हें भाजपा के साथ ही मिल सकता है। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास जताते हुए इसी प्रकार के भाव चंद्रबाबू नायडू ने व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा है कि "नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। उनके नेतृत्व में भारत एक वैश्विक शक्ति बनकर उभरा है। नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास, विकसित भारत और एनडीए की सामूहिक सोच के साथ हम भारत को गरीबी मुक्त देश बना सकते हैं"। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि भारत ने पिछले दस वर्षों में जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर अपनी साख बनायी है, वह बहुत महत्व रखती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था ने गति के साथ मजबूती भी पकड़ी है। आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यह छोटी बात नहीं है। नायडू को पता है कि आंध्र प्रदेश के विकास को लेकर जो सपना उन्होंने देखा है, प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहकर ही उसे पूरा किया जा सकता है। गठबंधन के अन्य घटक दलों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास प्रकट किया है। बहरहाल, केंद्र में एक बार फिर राष्ट्र के विकास को समर्पित सरकार देखने को मिलेगी। उम्मीद है कि अगले पाँच वर्ष तक भारत में स्थायी और मजबूत सरकार रहेगी।

राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं।

जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है

बंगाल में राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना अंसभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है। पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनजम की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा-व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है। लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है।

दृष्टि कोण

तमिलनाडु के परिणामों ने भाजपा को निराश किया है या भविष्य के लिए नई उम्मीद जगाई है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में इस बार दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में काफी चुनाव प्रचार किया था। यही नहीं, चुनावों से पहले भी वह जिस तरह लगातार इन राज्यों का दौरा कर रहे थे उसके चलते भाजपा आलाकमान को विश्वास था कि इस बार दक्षिण में भी खूब कमल खिलेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि केरल में त्रिशूर सीट जीत कर भाजपा ने पहली बार अपना खाता खोल लिया लेकिन तमिलनाडु में वह इस बार भी खाली हाथ ही रही। तमिलनाडु में भाजपा का जो हश्र हुआ है उसके चलते अब पार्टी में अंदरूनी घमासान भी देखने को मिल रहा है। वैसे चुनावों के समय ही यह दिख रहा था कि वहां द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ही सबसे आगे है लेकिन भाजपा के इतने बुरे हाल की कल्पना किसी ने नहीं की थी। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची।

साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों- आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी। यह परिणाम दर्शाता है कि भाजपा और उसके गठबंधन दलों का सारा चुनाव प्रचार हवा-हवाई ही था, जमीन पर कुछ था ही नहीं। चुनाव परिणामों के बाद सवाल उठ रहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन तोड़ना और अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कहीं गलत तो नहीं था? इस सवाल को लेकर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अन्नामलाई ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया। इन नेताओं का कहना है कि अगर अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव लड़े होते तो स्थिति कुछ और होती। इन नेताओं का कहना है कि यदि अन्नाद्रमुक साथ होती तो तमिलनाडु में भाजपा का उभार होता तथा भाजपा के पास इस दक्षिणी राज्य से भी लोकसभा सीटें होतीं जिनकी आज बेहद जरूरत है। इन नेताओं का कहना है कि अन्नाद्रमुक से संबंध तोड़ने का फैसला हमारे लिये घातक सिद्ध हुआ है। भाजपा प्रदेश बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रमुख कल्याण रमन ने तो एक्स पर पोस्ट करके अन्नामलाई पर सीधा-सीधा आरोप भी लगा दिया है कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को सही बात नहीं बताई। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने चुनाव का संचालन भी ठीक से नहीं किया और पार्टी का वार रूम सिर्फ अन्नामलाई के इर्दगिर्द माहौल बनाने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, अन्नामलाई की बात करें तो वह लोकसभा चुनाव परिणाम के बारे में यह तो मान रहे हैं कि भाजपा को उम्मीद के मुताबिक मत नहीं मिले लेकिन वह यह भी कह रहे हैं कि अन्नाद्रमुक को राज्य की जनता ने खारिज कर दिया है। उन्होंने 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान भी अन्नाद्रमुक से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। वह कह रहे हैं कि हमसे जहां गलतियां हुईं उसकी समीक्षा की जायेगी और यह देखा जायेगा कि पार्टी को कैसे नये सिरे से खड़ा किया जा सकता है। वह अब भी इस बात के पक्षधर हैं कि भाजपा को राज्य में अपने बलबूते ही पैरों पर खड़ा होना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि तमाम एग्जिट पोलों ने भविष्यवाणी की थी कि भाजपा राज्य में कम से कम 2-3 सीटें जीतकर तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश करेगी। लेकिन चुनाव परिणामों ने दर्शाया है कि द्रविड़ राजनीति वाले राज्य में लोकसभा सीट जीतने का भाजपा का इंतजार और लंबा हो गया है। भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के जरिये तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाने की जो रणनीति बनाई थी वह कामयाब नहीं हो पाई है। अन्नामलाई तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हार गये थे और अब वह कोयम्बटूर से लोकसभा चुनाव भी हार गये हैं। हम आपको बता दें कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य भर में 23 उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी ने 19 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे और शेष चार पर अपने सहयोगियों को कमल के निशान के तहत चुनाव लड़ाया था। लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। हालाँकि, पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में मिले वोट शेयर 3.38 प्रतिशत को इस बार बढ़ाकर 11.24 प्रतिशत कर लिया है जोकि कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन है। कांग्रेस का इस चुनाव में वोट प्रतिशत 10.67 रहा है। माना जा रहा है वोट शेयर में यह उल्लेखनीय वृद्धि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद कर सकती है। इसके अलावा इस चुनाव की खास बात यह है कि 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने अन्नाद्रमुक को तीसरे स्थान पर धकेल दिया है और खुद उपविजेता बनकर उभरी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था। उस दौरान भाजपा को चार विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

कुछ अलग

सितारे हमारे-आपके बीच के लोग

आज से पांच साल पहले किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक ऐसा वक्त भी आएगा, जब आप कुछ न करते हुए भी बहुत कुछ करेंगे और पैसे भी कमाएंगे। बात चाहे यात्राओं की हो या खान-पान की या फिर फैशन की, देश-विदेश की बड़ी कंपनियां ऐसे लोगों को, जो इंटरनेट पर ज्यादा फॉलोवर रखते हैं, अपने उत्पाद के विज्ञापन के लिए पैसे दे रही हैं और उनके खर्चे भी उठा रही हैं। इंटरनेट की दुनिया की खास बात है गतिशीलता। नया बहुत जल्दी पुराना हो जाता है और नई संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में नए-नए फीचर जुड़ रहे हैं। इस कवायद का मतलब ऑडियंस को ज्यादा वक्त तक अपने प्लेटफॉर्म से जोड़े रखना है। बड़ा कारण इंटरनेट द्वारा पैदा हो रही आय भी है। इसके अलावा, सोशल मीडिया रातों-रात लोगों को सेलिब्रिटी बना दे रहा है, जिसमें बड़ी भूमिका फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसी साइट्स की है। मूल्यांकन सलाहकार फर्म क्रोल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में एक तिहाई भारतीय ब्रांड्स ने अपनी इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर खर्च दोगुना कर दिया है। कोरोना महामारी ने बड़ी मात्रा में डिजिटलीकरण को प्रेरित किया। भारत में सोशल मीडिया की कंटेंट क्रिएटर इंडस्ट्री पच्चीस प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है, जिसके साल 2025 में 29.03 करोड़ डॉलर होने की संभावना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब ब्रांड को एक बड़े दर्शक वर्ग पर कम खर्च में पहुंचाने का सुलभ तरीका बन रहा है। आज भारत में लगभग आठ करोड़ कंटेंट क्रिएटर हैं। डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी आई क्यूब्स वायर के शोध से पता चलता है कि करीब 35 फीसदी ग्राहकों के खरीदारी निर्णय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पोस्ट, रील्स व वीडियो देखकर लिए जा रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अपनी बड़ी फैन फॉलोइंग का फायदा 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' के तौर पर उठा रहे हैं और यह विज्ञापन के नए माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है। सोशल मीडिया आम इंटरनेट यूजर्स को सितारा बना रहा है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, व्यक्ति और ब्रांड प्रमोशन का बड़ा औजार बनकर सामने आए हैं। सोशल मीडिया विज्ञापन का एक अपरंपरागत माध्यम है, जो बाकी सारे मीडिया से अलग है। यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है, जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म आदि का उपयोग कर किसी भी इंटरनेट से जुड़े व्यक्ति तक पहुंच बना सकता है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर वह आम व्यक्ति होता है, जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कई फॉलोवर होते हैं। वह अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल विभिन्न तरह के उत्पाद के विज्ञापन में करता है। इसमें दूसरे विज्ञापन माध्यमों के मुकाबले निवेश पर रिटर्न अधिक है। देश के लाखों युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को एक बेहतर कॅरिअर विकल्प के रूप में देख रहे हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जहां विज्ञापनों की दुनिया में एक नया आयाम गढ़ रहे हैं, वहीं विज्ञापनों में सेलिब्रिटी स्टेटस को खत्म भी कर रहे हैं, जहां हमारे-आपके बीच के लोग ही स्टार बन रहे हैं। भारत में चूंकि अभी इंटरनेट बाजार में पर्याप्त संभावनाएं हैं, इसलिए अभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का यह दौर चलेगा, पर कुछ चिंताएं भी हैं। भारत के इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग उद्योग को विनियमन की आवश्यकता है, ताकि तथ्यों के गलत प्रस्तुतीकरण से बचा जा सके। जनवरी 2023 में, भारत के उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने इसके लिए गाइडलाइंस जारी करते हुए घोषणा की कि ऐसी गाइडलाइंस ग्राहक हितों की रक्षा के लिए जरूरी हैं। सोशल मीडिया पर विज्ञापन करने वाले सलेब्रिटीज भी इसके दायरे में होंगे।

देश दुनिया से

तो क्या ये नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लंदन की तिजोरियों से सोना निकालकर भारत ला रहा है। इन तिजोरियों के इस्तेमाल की अपनी लागत जो है। आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था। केंद्रीय बैंक तो संप्रभु करेंसी के मालिक हैं, जो सोने में नापे जाने की शर्त से मुक्त हैं। बाजार बता रहा है कि बैंकों को दुनिया भर की करेंसी, खासतौर पर डॉलर में गिरावट के डर से उनके विदेशी मुद्रा भंडार सोने की आमद से चमक रहे हैं। घाना 2023 से तेल का भुगतान गोल्ड में कर रहा है। रूस ने युद्ध के दौरान रुबल देकर सोना जुटाने का एलान किया था, तो क्या नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? आइए, टाइम मशीन का मोटर गुर्रा रहा है, अपनी सीट पकड़िए और उड़ चलते हैं गोल्ड स्टैंडर्ड की रोमांचक दुनिया में। अब हम अमेरिका के न्यू हैंपशायर के ऊपर से उड़ रहे हैं। पर्वतों से घिरा यह रिजॉर्ट टाउन, जो स्कीइंग के दीवानों का गढ़ है। हम बढ़ रहे हैं 18वीं सदी के आखिरी दशकों की तरफ। यहां कोयला और रेलवे का विकास हो रहा है। कोयला व रेलवे के कारोबार से अमीर बने जोसेफ स्टेकिनी माउंट वॉशिंगटन नाम का होटल बना रहे हैं। यह होटल 21वीं सदी में मौजूद रहेगा, मगर इससे पहले यह अनोखा इतिहास बनाएगा। टाइम मशीन ने गियर बदला है। अब हम 1944 में हैं। दूसरे विश्वयुद्ध का खून-खच्चर चरम पर है। हम उसी माउंट वॉशिंगटन होटल पर पहुंचे हैं, जो बड़ी जंग के बीच एक बड़े समझौते की तैयारी कर रहा है। यहां 44 देश जुटे हैं, जिनमें ब्रिटिश इंडिया भी है, तालियों की गूंज में नई आर्थिक व्यवस्था बन गई है। विश्व के प्रमुख देशों ने विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं की बुनियाद रख दी है। यहीं से निकल रही है एक नई मौद्रिक व्यवस्था, यानी गोल्ड स्टैंडर्ड। कागजी मुद्रा का सोने में मूल्यांकन। एक औंस सोने के बदले 35 अमेरिकी डॉलर, दुनिया ने मिलकर अमेरिका को गोल्ड स्टैंडर्ड का संचालक बना दिया है। अमेरिका को इस पैमाने को कायम रखना है। मतलब, अगर सोने की विनिमय दर 35 डॉलर से नीचे जाती, तो अमेरिका को डॉलर छापकर इसे संतुलित करना होता था। गोल्ड स्टैंडर्ड के साथ ही उस वक्त की तीन बड़ी मुद्राओं-ब्रिटिश पाउंड, जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक के विनिमय का आधार अमेरिकी डॉलर हो गया है। मौद्रिक स्टैंडर्ड का यह अनोखा प्रयोग है, जिसे युद्ध

से उबरती दुनिया ने अपना लिया है। अब बढ़ते हैं 1960 के फ्रांस की तरफ, जहां दिखेगी एक अनोखी कूटनीतिक जंग। बताते चलें कि 1960 के बाद वक्त ने करवट ली। जापान और यूरोप का निर्यात तेजी से बढ़ा। विश्व व्यापार में अमेरिका का हिस्सा घटने लगा। अमेरिकी डॉलर की मांग कम हो गई, तो दुनिया के देश अमेरिका से डॉलर के बदले सोना मांगने लगे। इसी दौरान अमेरिका में रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए और ज्यादा करेंसी छापी गई। आपके सामने अखबारों की सुर्खियां तैर रही हैं, जो बता रही हैं कि बाजार में अमेरिका के डॉलर ज्यादा हो गए व अमेरिका के पास सोना कम रह गया। इसके साथ ही दुनिया के मुद्रा बाजार में अमेरिका की ताकत कम होने लगी। अब हम पेरिस में हैं। माइक पर गरज रहे फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डे गॉल ने फ्रांस के नए राजनीतिक दौर की शुरुआत की है। पेरिस की राजनीतिक हवा में आपको यह पता चल जाएगा कि यूरोप के सबसे तेज-तर्रार नेताओं में से एक चार्ल्स डे गॉल अमेरिका विरोधी हैं। फ्रेडी रूजवेल्ट से लेकर रिचर्ड निक्सन तक छह अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ उनके रिश्ते ज्यादातर खट्टे रहे हैं। अब चार्ल्स डे गॉल ने अमेरिकी अगुआई वाले गोल्ड स्टैंडर्ड को निशाना बनाया है। गॉल ने फ्रांस में अमेरिका से डॉलर के बदले सोना लेना शुरू कर दिया है। इस कदम का रहस्य खुलने तक फ्रांस करीब 15.करोड़ डॉलर के बदले सोना दे चुका है। अब खबरों पर नजर जमाइए। डे गॉल ने एलान कर दिया है कि फ्रांस के पास जितने भी अमेरिकी डॉलर हैं, उनके बदले वह अमेरिका से सोना वसूल करेगा। किसी मित्र देश की तरफ से यह अमेरिका पर सबसे बड़ा कूटनीतिक हमला है। फ्रांस के बाद स्पेन ने भी अमेरिका से सोना वसूल लिया। अब बाजार में सोने की कीमत खौलने लगी है। यह अक्तूबर, 1960 है, जब सोने की कीमत रिकॉर्ड 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। अब हम लंदन चलते हैं, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड व अमेरिका ने मिलकर लंदन गोल्ड पूल बनाया है। इन देशों के पास उपलब्ध सोने के भंडारों के इस्तेमाल से गोल्ड स्टैंडर्ड को बचाने की कोशिश की गई है। इस भंडार के जरिये 35 डॉलर प्रति औंस की कीमत को बचाया जा रहा है। इस गठजोड़ में दरारों पर नजर रखते हुए हमारी टाइम मशीन 1968 में आ गई है। फ्रांस ने इससे नाता तोड़ लिया है और लंदन गोल्ड पूल ढह गया। दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोने की खबरों के बीच आपको पता चलेगा कि 1962 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दुनिया के नौ केंद्रीय बैंकों के साथ एक स्वैप सुविधा शुरू की थी। इनमें ब्रिटेन, तब का पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस और कनाडा प्रमुख थे। कोशिश थी कि डॉलर के बदले सोने की मांग सीमित व संतुलित की जा सके, लेकिन अमेरिका के मौद्रिक सिस्टम की दरारें खुल चुकी थीं। सोना कम था व डॉलर की भरमार थी। अंततः गोल्ड स्टैंडर्ड का अंत आ पहुंचा। टाइम मशीन लंदन से वॉशिंगटन आ गई है। यह 1971 का ऐतिहासिक वर्ष है। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने डॉलर की सोने से परिवर्तनीयता खत्म कर दी।

आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था।

आप का नजरिया

रुरु की मृत पत्नी कैसे हुई पुनर्जीवित

महर्षि भृगु के पौत्र प्रमति ने घृताची नाम की अप्सरा से एक पुत्र उत्पन्न किया। उसका नाम रुरु था। इसी तरह गंधर्वराज विश्वावसु और अप्सरा मेनका की भी एक पुत्री हुई। परंतु मेनका, कन्या के जन्म के बाद उसे स्थूलकेश मुनि के आश्रम के पास छोड़कर चली गई। स्थूलकेश कन्या को अपने आश्रम में ले आए और उसका पालन-पोषण करने लगे। बालिका बुद्धि, रूप और उत्तम गुणों से सुशोभित थी। वह संसार की समस्त प्रमदाओं (सुंदर स्त्रियों) में श्रेष्ठ दिखती थी, इसलिए स्थूलकेश ने उसका नाम 'प्रमद्वरा' रख दिया। एक दिन संयोग से, प्रमतिनंदन रुरु ने प्रमद्वरा को महर्षि स्थूलकेश के आश्रम में देखा। उसे देखते ही रुरु मंत्रमुग्ध हो गया, तो प्रमति ने स्थूलकेश से रुरु के लिए प्रमद्वरा का हाथ मांगा। स्थूलकेश विवाह के लिए तैयार हो गए। आगामी उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में विवाह होना निश्चित हो गया। विवाह से कुछ ही समय पहले प्रमद्वरा अपनी सखियों के साथ वन में घूम रही थी कि तभी मार्ग में एक सांप बैठा था। प्रमद्वरा ने ध्यान नहीं दिया और उसका पैर सर्प के ऊपर पड़ गया। सर्प ने प्रमद्वरा को डस लिया और वह उसी क्षण मूर्छित होकर गिर पड़ी। उसके शरीर का रंग उड़ गया और कुछ ही देर में प्रमद्वरा की मृत्यु हो गई। उसके बंधु-बांधव उसे मृत देखकर विलाप करने लगे। आश्रम में हाहाकार मच गया। उसे जीवित देखकर सब जितने प्रसन्न होते थे, उसकी मृत देह उतना ही कष्ट दे रही थी। प्रमद्वरा का मुख शांत और विकार रहित था। ऐसा लगता था, मानो वह उठकर अभी बोलने लगेगी। सर्प-विष के प्रभाव से चेतना-शून्य हो चुकी प्रमद्वरा को स्थूलकेश के अतिरिक्त अन्य तपस्वियों ने देखा, जिनमें महाजानु, कुशिक, शंखमेखल, उद्दालक, कठ, श्वैत, भारद्वाज, कौणकुत्स्य, आर्टिषेण, गौतम आदि भी सम्मिलित थे। वे सब प्रमद्वरा को प्राणशून्य देखकर रोने लगे। रुरु भी प्रमद्वरा के शव पर विलाप कर रहा था। फिर वह सहसा उठा और एक समीपवर्ती वन में जाकर जोर-जोर से रोने लगा। रुरु, करुण स्वर में बोला, हाय! मेरी प्रमद्वरा, मुझे व बांधवों को शोकाकुल करके भूमि पर निष्प्राण पड़ी है। इससे बड़ा दुख और क्या होगा? 'यदि मैंने दान दिया हो, तपस्या की हो अथवा गुरुजनों की भलीभांति आराधना की हो, तो उसके पुण्य से मेरी प्रमद्वरा जीवित हो जाए! यदि मैंने जन्म से लेकर अब तक मन और इंद्रियों पर संयम रखा हो और ब्रह्मचर्य का दृढ़तापूर्वक पालन किया हो, तो मेरी प्रमद्वरा अभी जी उठे! यदि पापी असुरों का नाश करने वाले, इंद्रियों के स्वामी भगवान श्रीकृष्ण में मेरी अविचल भक्ति हो, तो यह कल्याणी प्रमद्वरा तुरंत जी उठे!' इस तरह जब रुरु विलाप कर रहा था, तो एक देवदूत उसके पास आया और बोला, धर्मात्मा रुरु! तुम दुख से व्याकुल हो, परंतु जिस मनुष्य की आयु समाप्त हो जाती है, उसे फिर जीवन नहीं मिल सकता। अतः तुम शोक मत करो। परंतु इस विषय में देवताओं ने एक उपाय निश्चित किया है। यदि उसे करना चाहो, तो तुम प्रमद्वरा को फिर से पा सकते हो। रुरु बोला, हे देवदूत! देवताओं ने कौन-सा उपाय निश्चित किया है? मुझे भी बताइए। मैं वही करूंगा, जिससे मेरी प्रमद्वरा मुझे वापस मिल जाए।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

आईएसएस पर मंडराया सुपरबग का खतरा, बढ़ सकती हैं सुनीता विलियम्स और उनके साथियों की समस्या

वॉशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां) ।

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जोड़ दिया। इस सफलता के बाद सुनीता विलियम्स और उनके क्रू के आठ सदस्यों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दरअसल, आईएसएस के अंदर एक सुपरबग का खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने एंटरोबैक्टर बुगंडेंसिस नामक एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टेरिया पाया, जो आईएसएस के बंद वातावरण में विकसित होकर अधिक प्रभावशाली हो चुका है। यह एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टेरिया है, इसलिए इसका नाम सुपरबग रखा गया है। यह बैक्टेरिया श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है। सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी छह जून को नए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर आईएसएस पहुंचे। स्टेशन में रहने वाले सात लोगों के साथ विलियम्स और विल्मोर लगभग एक सप्ताह बिताएंगे। इस दौरान वह अंतरिक्ष में रहते हुए विभिन्न परीक्षणों में सहायता करेंगे और वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। बता दें कि सात अन्य क्रू सदस्य पहले से ही आईएसएस पर रह रहे हैं। आईएसएस में सुपरबग एक बड़ी चुनौती आईएसएस पर चिंता का विषय अंतरिक्ष के उड़ने वाले मलबे और सूक्ष्म उल्कापिंड होते हैं, लेकिन अब सुपरबग की चिंता ज्यादा सताने लगी है। आईएसएस में सुपरबग की मौजूदगी पर नासा ने हाल ही में कहा था कि ई. बगएंडेसिस नाम का बैक्टेरिया, जिस पर कई दवाओं का असर नहीं होता, उसकी 13 स्ट्रेन्स को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में अलग किया गया था। ये बैक्टेरिया धरती पर पाए जाने वाले बैक्टेरिया से बिलकुल अलग है। नासा की जेट प्रोपल्सन लेबोरेटरी कैलिफोर्निया की अध्यक्ष डॉ. कस्तुरी वेंकटेश्वर ने इस सुपरबग को लेकर कई बातें बताई हैं। वैज्ञानिकों की माने तो आईएसएस में किसी का भी जीवन आसान नहीं है। यहां मौजूद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता पृथ्वी की अपेक्षा कम होने लगती है। इन हालातों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आईएसएस में मौजूद ये सुपरबग एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी-इजराइली जासूसी सेल को विद्रोहियों ने किया गिरफ्तार, हूती के अधिकारी ने दी जानकारी

सना । इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच यमन के हूती विद्रोही भी काफी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने एक अमेरिकी-इजराइली जासूसी सेल को गिरफ्तार किया है। कुछ दिन पहले ही विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के लगभग एक दर्जन कर्मचारियों को हिरासत में लिया था। हूती के आरोपों पर अब तक इजराइल की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। हूती के खुफिया प्रमुख अब्देल हकीम अल खैवानी ने बताया कि कथित सेल में यमन में अमेरिकी दूतावास के पूर्व कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सेल ने दशकों तक दुश्मन के पक्ष में आधिकारिक और अनौपचारिक संस्थानों में जासूसी और तोड़फोड़ की है। सेल के सदस्यों और अमेरिकी अधिकारियों ने तोड़फोड़ की गतिविधियों को अंजाम दिया। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी दूतावास में अपने पदों का फायदा उठाया। अमेरिकी दूतावास के सना से जाने के बाद, सेल के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय और संयुक्त राष्ट्र संगठनों की आड़ में अपने तोड़फोड़ के एजेंडे को जारी रखा। कौन हैं और कहां से आते हैं हूती हूतियों का उदय 1980 के दशक में यमन में हुआ। यह यमन के उत्तरी क्षेत्र में शिया मुस्लिमों का सबसे बड़ा आदिवासी संगठन है। हूती उत्तरी यमन में सुन्नी इस्लाम की सलाफी विचारधारा के विस्तार के विरोध में हैं। 2011 से पहले जब यमन में सुन्नी नेता अब्दुल्ला सालेह की सरकार थी, तब शियाओं के दमन की कई घटनाएं सामने आईं। ऐसे में शियाओं में सुन्नी समुदाय के तानाशाह नेता के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने देखा कि अब्दुल्ला सालेह की आर्थिक नीतियों की वजह से उत्तरी क्षेत्र में असमानता बढ़ी है। वे इस आर्थिक असमानता से नाराज थे।

विमान में टर्बुलेंस की घटना पर मुआवजे का एलान, यात्रियों को रिफंड होगा पूरा किराया

सिंगापुर । पिछले महीने लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस के कारण एक यात्री की मौत हो गई थी। इस टर्बुलेंस के कारण दर्जनों यात्री घायल भी हुए थे। विमान में चालक दल के सदस्यों समेत 211 यात्री सवार थे। घटना के एक महीने बाद एयरलाइंस ने सभी यात्रियों को मुआवजा और हवाई किराया का पूरा रिफंड देने की पेशकश की। बता दें कि 21 मई को सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट एसक्यू 321 टर्बुलेंस में फंस गई थी। विमान 62 सेकेंड तक टर्बुलेंस में फंसा रहा था और इस दौरान विमान पहले ऊपर गया और फिर तेजी से नीचे गिरा। एसआईए ने एक बयान में बताया कि यात्रियों को मुआवजे का प्रस्ताव भेजा गया। जिन यात्रियों को मामूली चोटें आई थीं, उन्हें मुआवजे के तौर पर 10,000 अमेरिकी डॉलर और गंभीर चोटें झेलने वाले यात्रियों को 25,000 अमेरिकी डॉलर मुआवजे के तौर पर देने की पेशकश की गई है।

पूर्वी अफ्रीकी देश मालावी के उपराष्ट्रपति का विमान लापता, नौ अन्य लोग भी हैं सवार

मलावी । मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को ले जा रहा विमान लापता हो गया है। देश के राष्ट्रपति ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि विमान के रडार से गायब होने के बाद से विमानन अधिकारियों ने संपर्क बनाने सभी प्रयास किए, लेकिन वे अभी तक उसका पता लगाने में विफल रहे हैं। बयान में कहा गया कि चिलिमा (51 वर्षीय) मलावी रक्षा बल के विमान में सवार थे। विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजकर 17 मिनट पर राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। इसमें आगे कहा गया कि राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बलों को विमान के ठिकाने का पता लगाने के लिए तत्काल खोज और बचाव अभियान चलाने का आदेश दिया। चकवेरा बहामास की यात्रा करने वाले थे। लेकिन, विमान लापता होने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। 2022 में चिलिमा से उनकी शक्तियां छीन ली गईं थीं, जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक ब्रिटिश-मलावी कारोबारी से जुड़े रिश्वत घोटाले मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगा था।

इजराइल-हमास के बीच जल्द युद्धविराम के संकेत अमेरिकी विदेश मंत्री ने नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव, 11 जून (एजेंसियां) ।

इजराइल और हमास के बीच पूर्ण युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं और दोनों पक्षों से इसे लेकर बातचीत चल रही है। इसी मुद्दे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों के दौरे पर हैं। एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस मुलाकात में बंधक प्रस्ताव और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के मुद्दे पर बातचीत हुई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान – अमेरिका के विदेश विभाग ने बयान जारी कर बताया कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से यरूशलम में मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका और अन्य वैश्विक नेता राष्ट्रपति बाइडन द्वारा तैयार कराए गए शांति प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इस प्रस्ताव से गाजा में शांति आ सकती है। इस शांति समझौते के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का भी रास्ता साफ होगा।

युद्धविराम के लिए पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं ब्लिंकन – गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराया है। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी पेश किया गया, जहां से उसे 14-0 के मुकाबले से मंजूरी मिल गई। रूस ने इस वोटिंग से खुद को दूर रखा और बाकी अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। बाइडन ने दावा किया है कि इजराइल ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस युद्धविराम पर चर्चा के लिए एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन का यह पश्चिम एशिया का सातवां दौरा है। इस दौरे में ब्लिंकन 10-12 जून तक मिस्त्र, इजराइल, जॉर्डन और कतर का दौरा करेंगे और युद्धविराम प्रस्ताव को लेकर चर्चा करेंगे।

अमेरिका का दावा- युद्धविराम समझौते से सुरक्षित होंगी इजराइल की सीमाएं – अमेरिका के विदेश विभाग का कहना है कि मौजूदा युद्धविराम समझौता इतना प्रभावी है कि इससे भविष्य में इजराइल पर 7 अक्तूबर जैसा हमला नहीं होगा और इससे इजराइल की सुरक्षा भी पुख्ता होगी और इजराइल की उत्तरी सीमा भी सुरक्षित होगी। इजराइल-हमास के बीच युद्ध की शुरुआत इजराइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले से हुई। जिसमें हमास के लड़ाकों ने इजराइल की सीमा में घुसकर लोगों को मारा और बड़ी संख्या में इजराइली नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले में इजराइल के 1200 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ ऑपरेशन चलाया और अब तक इजराइल के हमलों में गाजा में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है।

हमास से जंग के बीच इजराइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

बेरूत । इजराइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इजराइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इजराइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए। यह है मामला हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है। एक के बाद एक हमले हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इजराइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इजराइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। उसने नौ हमले किए, जिसमें हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। साथ ही उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं।

विमान हादसे में मलावी के उपराष्ट्रपति चिलिमा सहित 10 लोगों की मौत : राष्ट्रपति ने की पुष्टि

लिलोंग्वे, 11 जून (एजेंसियां)।

मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को लेकर जा रहे सैन्य विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण सभी लोगों की मौत हो गयी है।

मलावी के राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने मंगलवार को इसकी पुष्टी की। उन्होंने टेलीविजन पर कहा, मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख और खेद हो रहा है कि यह एक भयानक त्रासदी बन गई है। राहत एवं बचाव दल को विमान चिकनगावा वन में एक पहाड़ी के पास मिला। विमान पूरी तरह से नष्ट हो चुका है, इसमें कोई भी जीवित नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि श्री चिलिमा एक अच्छे इंसान, एक समर्पित पिता और पति, एक देशभक्त थे। श्री चिलिमा ने देश की सेवा उत्कृष्ट ढंग से की।उपराष्ट्रपति चिलिमा मलावी के पूर्व अटॉर्नी जनरल एवं न्याय मंत्री राल्फ कासाम्बारा के अंतिम संस्कार में भाग लेने जा रहे थे। पूर्व अटॉर्नी जनरल कासामबारा शुक्रवार को मलावी की राजधानी लिलोंग्वे में एक लॉज में मृत पाए गए थे। उनके शव को सोमवार को मज़ूज़ू हवाई अड्डे से कुछ किलोमीटर दूर नखाता खाड़ी में उनके गृह नगर में दफनाया गया। देश के राष्ट्रपति एवं कैबिनेट सचिव कोलीन ज़ाम्बा के अनुसार विमान मलावी रक्षा बल से संबंधित डोनियर 228 सोमवार को सुबह 10:02 बजे उत्तरी मलावी में मज़ूज़ू हवाई अड्डे पर अपनी निर्धारित लैंडिंग करने में विफल रहा। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के कारण विमान वापस लौट आया और रडार से गायब होने से पहले लिलोंग्वे के कामुज़ू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर बढ़ा। सुरक्षा एजेंसियों ने अपराह्न में चिकनगावा जंगल के आसपास तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया।बताते चलें कि मलावी के राष्ट्रपति लाजर चकवेरा ने सोमवार सुबह उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा वाले विमान के लापता होने के बाद खोज और बचाव प्रयासों में मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की थी। श्री चकवेरा ने सोमवार देर शाम टेलीविज़न पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा था कि उन्होंने पड़ोसी देशों और अमेरिका, ब्रिटेन, नॉर्वे और इज़राइल सहित अन्य देशों से सहायता मांगी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय विमान मिलने तक देश की सुरक्षा एजेंसियों को उच्च तकनीक खोज और बचाव तकनीक के साथ समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मलावी रक्षा बल का विमान उत्तरी मलावी में मज़ुज़ु हवाई अड्डे पर अपने गंतव्य पर उतरने में विफल रहा और स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 10 बजे विमान के रडार से बाहर जाने से पहले पायलट को लिलोंग्वे में कामुज़ु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटने की सलाह दी गई थी।

यूरोपीय संघ में धुर-दक्षिणपंथियों की जीत, सत्तारूढ़ ताकतें हिलीं; फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों की हार

ब्रसेल्स , 11 जून (एजेंसियां) ।

यूरोपीय संघ (ईयू) के चुनावों में धुर दक्षिणपंथी दलों को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कई देशों की पारंपरिक सत्तारूढ़ ताकतों को बड़ा झटका दिया है, जिसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी को भी करारी हार का सामना करना पड़ा। कुल 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में सत्ता की चाबी दक्षिणपंथी दलों के हाथों में खिसकती दिख रही है। इस बीच, मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि विधायी चुनाव की घोषणा कर दी है। संपन्न ईयू के चुनावों में सोमवार को भी मतपत्रों की गिनती जारी रही, लेकिन नतीजों से पता चला कि 27 देशों के ब्लॉक की साझा संसद स्पष्ट रूप से दक्षिणपंथियों की तरफ स्थानांतरित हो गई है। इटली की पीएम जियोर्जिया मेलनी ने संसद में अपनी पार्टी की सीटें दोगुनी से भी अधिक कर दीं। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी पार्टी 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' को भले ही अपने उम्मीदवारों से जुड़े घोटाले का सामना करना पड़ा हो लेकिन पार्टी ने देश के चांसलर ओलाफ शोल्ज की 'सोशल डेमोक्रेट्स' पार्टी को मात देने के लिए पर्याप्त सीट जुटा लीं। ईयू के सबसे बड़े देश जर्मनी में 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' के कई शीर्ष उम्मीदवारों के नाम घोटालों में शामिल रहे लेकिन पार्टी का मत प्रतिशत 2019 में 11 प्रतिशत के मुकाबले 16.5 प्रतिशत हो गया। वहीं, जर्मनी के सत्तारूढ़ गठबंधन में 3 दलों का साझा मत प्रतिशत बमुश्किल 30 प्रतिशत रहा। उर्सुला ने खतरा भांपा, सफल रहीं धुर दक्षिणपंथ दलों से हार के खतरे को भांपते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन की पार्टी 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' ने चुनावों से पहले ही प्रवासन और जलवायु के मुद्दे पर और अधिक दक्षिणपंथी रुख अपना लिया था। इस कारण वह सफल रहीं। गठबंधन में और मजबूत हुईं मेलनी मेलनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी ने ईयू के चुनाव में इटली में 28.8 फीसदी वोट हासिल किए हैं।

विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल नहीं हो पाए जयशंकर, यह रही वजह

मॉस्को, 11 जून (एजेंसियां) ।

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक रूस में 10 और 11 जून को आयोजित हुई। बैठक का पहला दिन था। लोकसभा चुनावों के कारण आधिकारिक तौर पर इस वक्त भारत में कोई विदेश मंत्री नहीं था। हालांकि जयशंकर विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किए गए। इस वजह से वे बैठक में शामिल होने रूस नहीं जा सके। इसलिए भारत का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ राजनयिक दम्मू रवि ने किया। भारत ने किया इन देशों का स्वागत इसके अलावा, भारत ने मिस्र, ईरान, यूएई, सऊदी अरब और इथियोपिया के ब्रिक्स में शामिल होने का स्वागत किया। उनके प्रतिनिधियों ने पहली बार रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। कार्यक्रम पश्चिमी रूस के निजनी नोवगोरोड में आयोजित हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने ब्रिक्स परिवार के नए सदस्यों का स्वागत किया।

आतंकवाद के मुद्दे पर विदेश मंत्रियों ने जताई चिंता

बैठक में विदेश मंत्रियों ने जी20 शिखर सम्मेलन की तारीफ की। उन्होंने जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने का स्वागत किया। मंत्रियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के लिए अफगानिस्तान में तत्काल शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा की।

ब्रिक्स में ये देश शामिल

बता दें कि ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इथोपिया, ईरान, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ब्रिक्स समूह के मूल सदस्यों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है। विदेश मंत्रियों ने बिना शर्त बंधकों की रिहाई का आह्वान किया बैठक के दौरान समूह ने गाजा पट्टी में फलस्तीन नागरिक आबादी को मानवीय सहायता की तत्काल, सुरक्षित और निर्बाध डिलीवरी का भी आह्वान किया। साथ ही युद्धविराम के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2728 के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी दबाव डाला। विदेश मंत्रियों ने समान रूप से उन सभी बंधकों और नागरिकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई का आह्वान किया, जिन्हें अवैध रूप से बंदी बनाया गया है।

अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता, कहा- दमन रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई

काबुल, 11 जून (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वूमन ने अपनी एक नई रिपोर्ट में अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट में यूएन वूमन संस्था ने अफगानिस्तान में महिलाओं का दमन रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई की मांग की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में बीते कई दशकों में जो प्रगति हुई थी, उसे तालिबान के तीन वर्षों के शासन में ही मिटा दिया गया है।

तालिबान शासन में बिगड़े महिलाओं के हालात

रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान ने पिछले कुछ वर्षों में 70 से ज्यादा ऐसे आधिकारिक आदेश, वक्तव्य और नीतियां लागू की हैं, जिनका अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर गहरा असर पड़ा है। अफगानिस्तान में महिला अधिकार पिछले कई दशकों व पीढ़ियों से एक संघर्ष से गुजर रहा है, लेकिन अगस्त 2021 के बाद से देश में तालिबान का शासन स्थापित होने के बाद अफगान महिलाओं और युवतियों को बड़े पैमाने पर दमन का सामना करना पड़ रहा है। यूएन वूमन की यह रिपोर्ट यूरोपीय संघ की आर्थिक मदद से तैयार की गई है। रिपोर्ट में अफगानिस्तान में बीते 40 वर्षों की लैंगिक समानता की स्थिति का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, लैंगिक समानता को चोट पहुंचाने की वजह से सभी क्षेत्रों में विकास पर असर पड़ा है। प्रगति के अवसर सीमित हुए हैं और इसके प्रभाव अगली कई पीढ़ियों तक महसूस किए जा सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने पेश किए चिंताजनक आंकड़े

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कई चिंताजनक आंकड़े पेश किए गए हैं। जिनके अनुसार, अफगानिस्तान में 11 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा रही हैं और एक लाख से ज्यादा महिलाएं यूनिवर्सिटी में पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। अफगान महिलाओं के पास उनके जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर फैसले लेने का कोई अधिकार नहीं है। तालिबान प्रशासन में कोई महिला नेता नहीं है। आँकड़ों के अनुसार, अफ़ग़ानिस्तान में एक प्रतिशत महिलाओं को ही यह महसूस होता है कि उनका अपने समुदाय में कोई प्रभाव है।

महिलाओं में निराशा का माहौल

सामाजिक तौर पर अलग-थलग होने से महिलाएं व लड़कियां हताशा व निराशा से जूझ रही हैं। 18 प्रतिशत महिलाएं, सर्वेक्षण से पहले के तीन महीनों के दौरान, अपने घर-परिवार के अलावा किसी महिला से एक बार भी नहीं मिली। इस सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाली प्रतिभागियों में से करीब आठ फीसदी कम से कम एक ऐसी महिला या लड़की को जानती हैं, जिन्होंने अगस्त 2021 के बाद आत्महत्या करने की कोशिश की है। एक 26 वर्षीय अफ़ग़ान महिला ने यूएन वूमन को बताया कि, महिलाएं निर्णय लेने का अधिकार हासिल करना चाहती हैं, न केवल अपने घरों में बल्कि सरकार व अन्य स्थलों पर। वे शिक्षा चाहती हैं। वे काम करना चाहती हैं। वे अपने लिए अधिकार चाहती हैं। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान की वापसी के तीन साल बाद, अफगान महिलाओं का संकल्प और मज़बूत हुआ है, लेकिन समाज में उनका दर्जा व परिस्थितियां बद से बदतर हो रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने सुझाए कुछ सुझाव

इस अध्ययन में सभी हितधारकों से अफगान महिलाओं व लड़कियों को समर्थन प्रदान करने के लिए निम्न क़दम उठाए जाने का आग्रह किया गया है। 1. सतत रूप से और आवश्यक बदलावों के अनुरूप वित्त पोषण मुहैया कराना, ताकि महिलाओं के नागरिक समाज संगठनों को मज़बूती दी जा सके। अफ़ग़ानिस्तान के लिए कुल सहायता धनराशि का कम से कम 30 फ़ीसदी लैंगिक समानता व महिला अधिकारों के लिए मद में सुनिश्चित करना। 2. महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण क़दमों व तौर-तरीक़ों को रोकने के लिए ज़रूरी उपाय लागू करना, ताकि तालेबान की नीतियों, मानकों व मूल्यों में भेदभाव के सामान्यकरण से बचा जा सके। 3. महिला अधिकारों पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए, सभी मानवतावादी गतिविधियों और मानवीय ज़रूरतों के लिए हस्तक्षेप में मानवाधिकारों को समाहित करना।

नेपाल के लिए अंतिम दो लीग मैच खेलेंगे लामिछाने

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 विश्व कप में टीम के अंतिम दो ग्रुप चरण मैचों के लिए वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ेंगे। देश के क्रिकेट बोर्ड ने यह जानकारी दी। संदीप लामिछाने पिछले महीने दो बार देश के क्रिकेट बोर्ड और कई एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में सफल नहीं रहे।

हालांकि, नेपाल ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि वह लामिछाने को अपने विश्व कप टीम में देर से शामिल करने की अनुमति दे, जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने बताया है कि बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से लामिछाने को नेपाल के विश्व कप दल में जोड़े जाने की अपील की थी जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

नेपाल को 15 और 17 जून को सेंट विंसेंट में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ खेलना है। लामिछाने कैरेबियन में ग्रुप डी के दोनों मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में नेपाल को पिछले सप्ताह डलास में नीदरलैंड से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और अब वह 11 जून को फ्लोरिडा में श्रीलंका से भिड़ेगा।

हालांकि लामिछाने 9 जून को ही वेस्टइंडीज़ पहुंच गए थे और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया था कि वह अंतिम दो लीग मैच के लिए अपने राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने सीएएन अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

नेपाल के सबसे हाई प्रोफ़ाइल क्रिकेटर लामिछाने को अक्टूबर 2022 में एक 18 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

जनवरी 2024 में उन्हें इस मामले में दोषी करार दिया गया लेकिन मई महीने में उच्च न्यायालय ने लामिछाने को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। सीएएन ने तत्काल प्रभाव से उन्हें क्रिकेट खेलने की अनुमति प्रदान कर दी। सीएएन को उम्मीद थी कि लामिछाने टी20 विश्व कप दल में हिस्सा लेंगे लेकिन वीजा न मिल पाने के चलते वह शुरुआत में इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाए। नेपाल के लिए 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में स्पिनर ने 12.58 की औसत और 6.29 की इकॉनमी से 98 विकेट लिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने टेनिस में हासिल किया पेरिस ओलंपिक का कोटा

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल में अपनी एटीपी रैंकिंग के जरिए पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है। विश्व के वर्ल्ड नंबर-4 रोहन बोपन्ना ने लंदन 2012 और रियो 2016 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था. उन्होंने पिछले साल नवंबर से युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखते हुए भारत के लिए कोटा हासिल किया. पिछले सप्ताह एकल रैंकिंग में 18 स्थान की बढ़त के साथ सुमित नागल ने कट-ऑफ में जगह बनाई, जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर है. पिछले सप्ताह 95वें स्थान पर रहे सुमित नागल ने रविवार को जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च 77वीं रैंकिंग हासिल की। हालांकि, नागल रैंकिंग में 77वें स्थान पर हैं, लेकिन वह विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा प्राप्त करने वाले योग्य खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर हैं. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे. 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार, टॉप-56 पुरुष एकल खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों के लिए कोटा हासिल कर लिया है. हालांकि, प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला युगल ड्रॉ में 3 टीमें शामिल होंगी, जिसमें एक टीम एक ही देश के एथलीटों की जोड़ी होगी।

यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष पर, ज्वेरेव चौथे स्थान पर

पेरिस। इटली के यानिक सिनर ने जारी एटीपी रैंकिंग में चोटिल नोवाक जोकोविच को हटाकर पहली

बार शीर्ष स्थान हासिल किया। सिनर एक पायदान के फायदे से पहले नंबर पर पहुंचे। इस तरह 22 साल के सिनर 1973 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग के बाद पहले नंबर पर काबिज होने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उन्हें एक जुलाई से शुरू होने वाले विम्बलडन में शीर्ष वरीयता मिलेगी। सिनर ने इस सत्र में तीन खिताब जीते जिसमें जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। कार्लोस अल्काराज तीसरे ग्रैंडस्लैम की बदौलत रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे जबकि जोकोविच तीसरे और एलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे स्थान पर हैं। अल्काराज ने ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। महिलाओं के वर्ग में इगा स्वियातेक रोलां गैरों पर लगातार तीसरी ट्राफी (पांच मेजर खिताब) की बदौलत डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहले स्थान पर अपनी बढ़त बढ़ाने में सफल रहीं। अमेरिका की 20 वर्षीय कोको गॉफ तीसरे नंबर से दूसरे नंबर पर पहुंची जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वह फ्रेंच ओपन एकल के सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन स्वियातेक से हार गयीं। गॉफ ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर पहला ग्रैंडस्लैम युगल खिताब अपने नाम किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन आर्यना सबालेंका दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गयीं। 2022 विम्बलडन विजेता एलीना रिबाकिना चौथे स्थान पर हैं।

ओलंपिक के लिए सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिला प्रवेश

नई दिल्ली। आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए तक सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग टिकट मिला है। इसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं। सिंधु , प्रणय और लक्ष्य ने पहले ही ओलंपिक में जगह पक्की कर ली थी पर अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ ने तय कट ऑफ तारीख के बाद आधिकारिक तौर पर अब इनके क्वालीफाई करने की पुष्टि की है। ओलंपिक खेल के नियमों के अनुसार कट ऑफ तारीख पर ही क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल से शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करते हैं। इसमें सिंधु 12वें स्थान पर रहीं जबकि पुरुष एकल में प्रणय और लक्ष्य क्रमशः नौवें और 13वें स्थान पर रहे। वहीं पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ओलंपिक क्वालीफिकेशन चक्र के अंत में तीसरे स्थान पर रही और इस प्रकार उसे भी ओलंपिक टिकट मिला है जबकि महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन चक्र के अंत में 13वें स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया है।

पाकिस्तान ने कनाडा को सात विकेट से हराया

न्यूयॉर्क, 11 जून (एजेंसियां)।

मोहम्मद रिजवान नाबाद (48) और कप्तान बाबर आजम की (33) रनों जुझारु पारी के दम पर पाकिस्तान ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 22वें मुकाबले में 15 गेंदें शेष रहते कनाडा को सात विकेट से हरा दिया है। यह टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पहली जीत है और इसने पाकिस्तान की अगले दौर की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

107 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की मोहम्मद रिजवान और सईम अयूब की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 20 रन जोड़े। पांचवें ओवर में डिलन हेलिगर ने सईम अयूब (6) को आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। उसके बाद कप्तान बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर दूसरे विकेट लिये 63 रनों की साझेदारी की। बाबर आजम (33) और फखर जमान चार रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद रिजवान ने 53 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 53 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने 17.3 ओवर में 107 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। कनाडा की ओर से डिलन हेलिगर ने दो विकेट लिये। जेरमी गॉर्डन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तान को टूर्नामेंट में पहली जीत मिली है। इसका मतलब है कि अगले दौर में प्रवेश करने की उम्मीदें अभी भी पाकिस्तान के लिए समाप्त नहीं हुई हैं। हालांकि अगर पाकिस्तान 14 ओवर तक इस लक्ष्य को हासिल कर लेता तो उसका रनरेट अमेरिका से बेहतर हो सकता था और अमरीका के दोनों मैच हारने की स्थिति में उन्हें केवल अपना अखिरी लीग मैच जीतना होता।इससे पहले सलामी बल्लेबाज ऐरन जॉनसन 44 गेंदों में 52 रनों की अर्धशतकीय पारी के दम पर कनाडा ने पाकिस्तान को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य दिया था। नैसो काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा की ऐरन जॉनसन और नवनीत धालीवाल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 20 रन जोड़े थे कि इसी दौरान तीसरे ओवर में मोहम्मद आमिर ने नवनीत धालीवाल (4) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद तो जैसे विकटों की झड़ी लग गई। 54 के स्कोर तक कनाडा के पांच विकेट गिर चुके थे। परगट सिंह (2), निकोलस कीरटॉ (1), श्रेयस मोव्वा (2), रविंदरपाल सिंह (शून्य) पर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साद बिन जफर ने ऐरन जॉनसन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 14वें ओवर में नसीम शाह ने ऐरन जॉनसन को आउट कर कनाडा को बड़ा झटका दिया। जॉनसन ने 44 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रनों की पारी खेली। वहीं साद बिन जफर 10 रन बनाकर आउट हुए। कलीम सना (13) और डिलन हेलिगर (9) रन बनाकर नाबाद रहे। कनाडा ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 106 रन बनाए।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद आमिर और हारिस रऊफ ने दो-दो विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)।

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें। आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

भारत से मुंह की खाने के बाद पीसीबी बौखलाया बाबर एंड टीम के खिलाफ बड़े एक्शन की तैयारी

कराची, 11 जून (एजेंसियां)।

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत से मिली हार के बाद कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में आमूलचूल बदलाव करने की आवश्यकता है। मोहसिन ने कहा, पहले मुझे लगता था कि मैच जीतने के लिए टीम में कुछ बदलाव करने की जरूरत है लेकिन अब लगता है कि टीम में आमूलचूल बदलाव करने होंगे। हमने जिस तरह से अमेरिका और अब भारत के विरुद्ध मैच गंवाए, वह बेहद निराशाजनक है। उन्होंने आगे कहा, हमें अब उन खिलाड़ियों पर गौर करना होगा जो इस समय टीम में नहीं हैं। हर कोई पूछ रहा है कि टीम अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर रही है। अभी विश्व कप चल रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर हमें हर चीज पर गौर करने की आवश्यकता है। पता हो कि न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से मात दी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 19 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 113 रन बना सकी। पाकिस्तान की यह मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार दूसरी शिकस्त रही। भारत से पहले पहले उसे मेजबान अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में शिकस्त सहनी पड़ी थी।

अब मार्च में आमने-सामने होंगी भारत और पाक की क्रिकेट टीमें

मुम्बई, 11 जून (एजेंसियां)।

टी20 विश्वकप क्रिकेट में न्यूयार्क में हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ छह रनों से रोमांचक जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाये रखा है। दोनो ही टीमों के बीच अब तक हुए आठ में से सात मुकाबले भारतीय टीम ने जीते हैं और केवल एक मैच में पाक को जीत मिली है। प्रशंसकों को दोनो ही टीमों के बीच अब अगला मुकाबला आठ महीने बाद मार्च 2025 में देखने को मिलेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंप दिया गया है और भारत-पाक का मैच आठ टीमों की 15 मैचों की प्रतियोगिता में लीग मैचों में से अंत में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। मैचों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। यह मैच लाहौर में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को खेलना सरकार की मंजूरी पर निर्भर रहेगा। अगर ऐसा नहीं होतो ये मैच किसी अन्य वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है।

वहीं कहा जा रहा है कि पीसीबी को अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने 20 दिवसीय प्रतियोगिता के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मैच स्थल के रूप में चुना है, जिसमें लाहौर भारत के लिए मैच स्थल रखा गया है। कार्यक्रम के अनुसार, लाहौर में सात मैच, रावलपिंडी में पांच और कराची के बंदरगाह शहर में तीन मैच होंगे। कराची में 19 फरवरी उद्घाटन मैच खेला जाएगा, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 9 मार्च को फाइनल लाहौर में होगा, जिसे सभी भारतीय खेलों के साथ-साथ सेमीफाइनल भी आवंटित किया गया है। पीसीबी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर भारतीय टीम के मैच को रखे जाने का विकल्प नहीं रखा है।

एमएमए की दुनिया में भारतीय पहलवान संग्राम सिंह की एंट्री

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)।

भारतीय कुश्ती जगत में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह एमएमए की दुनिया में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस कदम के साथ, वह एमएमए को अपनाने वाले पहले पुरुष पहलवान और एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। भारत के लिए कुश्ती में लगभग 25 वर्षों तक अपने शानदार करियर के साथ, संग्राम एक एमएमए फाइटर के रूप में अपने नए कदम के लिए तैयार हैं, एक ऐसी शैली जिसमें मूल रूप से पहलवानों के पास मौजूद कौशल शामिल है। संग्राम ने एमएमए फाइटर के रूप में अपने बदलाव पर कहा, एमएमए भविष्य है, पिछले कुछ सालों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता अपने आप में ही सब कुछ बयां करती है। भारत में इस खेल को सबसे ज्यादा दर्शक मिलते हैं और मुझे

उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक भी इसी तरह मेरा समर्थन करेंगे। कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है, जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे उम्मीद है कि वे मेरे नए सफर में भी ऐसा ही करते रहेंगे। एमएमए विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और उम्मीद है कि मैं अगली पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करूंगा जो एमएमए फाइटर के रूप में अपना करियर बनाना चाहते हैं। संग्राम ने हाल ही में दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में 6 साल के अंतराल के बाद वापसी कर कुश्ती जगत में हलचल मचा दी और उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ अपने कुश्ती करियर को जारी रखना है। संग्राम का कमबैक सफल रहा। उन्होंने पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को लगभग एकतरफा मुकाबले में हराकर मैट पर अपनी क्षमता साबित की।

इस सफल मुकाबले के बाद एमएमए में कदम रखना स्वाभाविक था क्योंकि एमएमए भविष्य की ओर अगला कदम है और इसकी लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को दुनिया के सबसे कठिन खेलों में से एक कहा जा सकता है। ये कई सारे मार्शल आर्ट्स का मिश्रण होता है। कुश्ती में संग्राम का व्यापक अनुभव काम आएगा। कुश्ती मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की आधारशिला है, जिसमें टेकडाउन, नियंत्रण और ग्राउंड-एंड-पाउंड तकनीकों पर जोर दिया जाता है।

अब गोवा एफसी से खेलते नजर आयेंगे डिफेंडर आकाश

नई दिल्ली। डिफेंडर आकाश सांगवान अब एफसी गोवा क्लब की ओर से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल सत्र में खेलते नजर आयेंगे। इससे पहले एफसी गोवा क्लब ने आकाश से करार किया। क्लब ने हालांकि ये नहीं बताया है कि ये करार कितने समय के लिए किया गया है पर कहा जा रहा है कि ये लंबे समय के लिए होगा। आकाश ने साल 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में सहायता की थी। सांगवान ने 2017 में क्लब के साथ अपने सीनियर पेशेवर पदार्पण से पहले मिनर्वा पंजाब के साथ अपना फुटबॉल करियर शुरू किया था। उन्होंने 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में भी सहायता की। इस खिलाड़ी ने साल 2022 में दो बार के पूर्व आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स और राउंडग्लास पंजाब के लिए खेला है। सांगवान ने अब तक 114 पेशेवर मुकाबले खेले हैं और उनके नाम तीन गोल हैं जिनमें से दो पिछले सत्र में सीएफसी के लिए खेलते हुए किए। क्लब से अनुबंध को लेकर उन्होंने कहा, ''मैं एफसी गोवा के साथ इस नए सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। साथ ही कहा कि इस क्लब की महत्वाकांक्षाएं मेरे अनुरुप हैं और मैं उसकी ओर से बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

अश्विनी वैष्णव ने संभाली रेल मंत्रालय की कमान, आईआरसीटीसी के शेयर में आई तेजी

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां) । मोदी सरकार ने एक बार फिर से देश के रेल मंत्रालय की कमान अश्विनी वैष्णव को सौंपी है। इसका मतलब है कि देश के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बन गए हैं। पिछली सरकार में भी अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री थे। अश्विनी वैष्णव के दोबारा रेल मंत्री बन जाने से एक बात साफ हो गई है कि केंद्र सरकार रेलवे सेक्टर में पुराने नीतियों को जारी रखेगी।

दोबारा रेल मंत्री बन जाने के बाद आज रेलवे सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। आज रेलवे के सभी शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। रेल विकास निगम, आईआरएफसी सहित बाकी कंपनी के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड शेयर

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर आज 2 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 177 रुपये प्रति शेयर के आस-पास कारोबार कर रहा है। पिछले एक साल में आईआरएफसी के शेयर ने 435.85 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसे ऐसे समझिए कि 12 जून 2023 को आईआरएफसी के प्रति शेयर की कीमत 33.05 रुपये थी जो आज 177 रुपये हो गई।

रेल विकास निगम लिमिटेड शेयर

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सुबह के कारोबार में कंपनी के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। अब आरवीएनएल के शेयर की कीमत 388 रुपये रुपये हो गई है। पिछले 1 महीने में कंपनी के शेयर ने 51.91 फीसदी का रिटर्न दिया है।

रेलवे सेक्टर की स्टॉक भी आज तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज कंपनी के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। इरकॉन इंटरनेशनल के एक स्टॉक की कीमत 266 रुपये हो गई है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर ने 63.10 फीसदी का रिटर्न दिया है।

तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड शेर

तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर आज सुबह 1347.95 रुपये पर खुले थे। इसके बाद कंपनी के शेयर में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और शेयर का भाव 1,352 रुपये पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

बजाज ऑटो का सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 लांच, बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजरें भी बाजार पर टिकी

नई दिल्ली । पिछले कुछ महीनों में कई बड़ी वाहन कंपनियों ने कम कीमत वाले ई-स्कूटर बाजार में दस्तक दी है। इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में बजाज ऑटो जैसी बड़ी कंपनियां आने से होड़ बढ़ने के आसार हैं। बजाज ऑटो ने आज किफायती कीमत पर अपना सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 बाजार में उतार दिया। बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजर अब 1 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई- स्कूटर बाजार पर टिक गई है और इसमें उनकी बाजार हिस्सेदारी भी काफी बेहतर हो चुकी है। किफायती ई-स्कूटर का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा बढ़ी कंपनियों के पास है। साल भर पहले उनके पास 50-60 प्रतिशत बाजार ही था। चेतक 2901 की कीमत 95,998 रुपये से शुरू होती है। इसमें 2.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जिससे स्कूटर अधिकतम 63केएमपीएच की रफ्तार के साथ 123 किमी तक दौड़ सकता है। कंपनी के ही अन्य मॉडलों चेतक अर्बन (2.9 किलोवॉट) की कीमत 1.23 लाख रुपये से और चेतक प्रीमियम (3.2 किलोवॉट) की कीमत 1.47 लाख रुपये से शुरू होती है। ओला और टीवीएस जैसी कंपनियों के पास बजाज जैसी कंपनी के उत्पादों को टक्कर देने वाली कीमत के स्कूटर हैं। ओला ने हाल ही में एस 1 एक्स (4) केडब्ल्यूएच की कीमत घटाकर 70,000 रुपये कर दी थी। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं के संगठन एसएमईवी के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बजाज ऑटो की हिस्सेदारी 13प्रतिशत है, जबकि ऐथर की बाजार हिस्सेदारी 8प्रतिशत, टीवीएस की बाजार हिस्सेदारी 15 प्रतिशत और इस बाजार की अग्रणी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी है। बजाज ऑटो के अध्यक्ष एरिक वास ने कहा कि डीलरों के पास चेतक 2901 पहुंचने लगा है। उन्होंने कहा, चेतक 2901 को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि वह पेट्रोल से चलने वाले स्कूटर छोड़तर ई-स्कूटर खरीदें। इसकी कीमत भी कम रखी गई है। धातु की बॉडी के साथ यह ऊंचे कद का स्कूटर है, जिससे ग्राहकों की जेब पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा। इसकी कीमत भी उसी हिसाब से रखी गई है।

टाटा मोटर्स ने लांच की अल्ट्रोज़ रेसर

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज़ रेसर को भारत में 9.49 लाख रुपए की कीमत पर उतार दिया है। यह हैचबैक का अब तक का सबसे स्पोर्टी एडिशन है। इसकी कीमत 10.99 लाख रुपये तक जाती है। स्पोर्टियर हैचबैक में कुछ एक्सटीरियर अपडेट्स भी दिए हैं। इसमें फ्रंट फेंडर पर रेसर बैजिंग और थोड़ा संशोधित ग्रिल भी है, लेकिन 16 इंच के अलॉय व्हील अपरिवर्तित हैं। इसमें कुल तीन कलर ऑप्शन- एटॉमिक ऑरेंज, एवेन्यू व्हाइट और प्योर ग्रे मिलते हैं। इंटीरियर की बात करें तो इसमें बड़ी 10.25-इंच की टचस्क्रीन, नए, स्मूथ नए ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ-साथ एक नए 7.0-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया है। सेगमेंट की पहली हवादार फ्रंट सीटें, 360-डिग्री कैमरा और वॉयस-असिस्टेड सनरूफ मिलेगी। स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग और ईएससी भी दिए हैं।

सोना 71,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर, चांदी 200 रुपए बढ़कर 92100 पहुंची

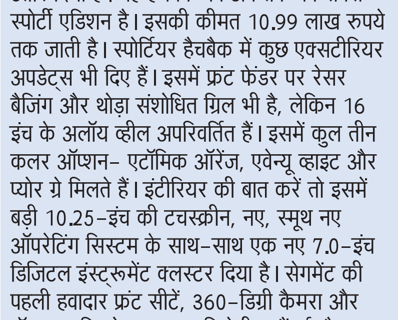

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। हालांकि, चांदी की कीमत 200 रुपये बढ़कर 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा कि सोने में सपाट कारोबार हुआ, जबकि सोने में 3.45 फीसदी की गिरावट आई थी जो अगस्त, 2021 के बाद सबसे अधिक है। कहा कि दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की कीमतें पिछले बंद से अपरिवर्तित रहकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में पिछले बंद भाव से एक डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर, नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

मॉस्को, 11 जून (एजेंसियां) । ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिक्स की एक बैठक हुई - बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुई। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

नेताओं को रिपोर्ट करने का काम - संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।

इन मांगों को भी दोहराया - इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर - विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी परिकल्पना 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में की गई थी।

कौन-कौन से देश सदस्य - ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

ह्युंदै मोटर की आईपीओ के जरिए 30 हजार करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां) । ह्युंदै मोटर इंडिया पहली बार भारतीय शेयर बाजार में फिर से धमाल मचाने वाली है। दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साउथ कोरिया की कंपनी ह्युंडै मोटर की भारतीय कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आईपीओ लाने की तैयारी कर रह है।

माना जा रहा है कि अगर ह्युंदै भारत में आईपीओ लाती है तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा क्योंकि ऑटो कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 25,000 करोड़ से 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इससे पहले सिर्फ पीएसयू कंपनी एलआईसी ने 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया अगले दो सप्ताह के भीतर ही मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास डायरेक्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) फाइल कर सकती है और इसी के साथ अब तक के सबसे बड़े आईपीओ आने की प्रक्रिया की भी शुरुआत हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीआरएचपी फाइल करने के बाद अगले महीने ऑटो कंपनी भारत और विदेशों में इन्वेस्टर रोड शो भी आयोजित कर सकती है।

ह्युंदै मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए एडवाइजर के तौर पर सिटीबैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टैनली, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन को चुना है। ये इन्वेस्टमेंट बैंक ह्युंदै मोटर इंडिया को आईपीओ लाने में मदद करेंगे। अगर कंपनी डीआरएचपी फाइल करती है तो अगले 60 से 90 दिनों में सेबी की तरफ से अप्रूवल मिल सकता है। यानी अधिकतम सितंबर तक मार्केट रेगुलेटर की तरफ से आईपीओ लाने के लिए मंजूरी मिलने की संभावना है।

इसके बाद ह्युंदै मोटर इंडिया सितंबर या अक्टूबर 2024 में आईपीओ ला सकती है और शेयर मार्केट में लिस्ट हो सकती है। अगर सेबी की तरफ से मंजूरी मिल गई को 2003 के बाद किसी भी ऑटो कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री हो जाएगी। बता दें कि 12 जून 2003 को भारत की सबसे बड़ी कारमेकर कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया 993.35 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मलाई भारत की...

लेकिन खान मार्केट गिरोह कह लें या कोई भी नाम दे दें इस दोगली जमात का, यह नस्ल एनडीए से मुस्लिम मंत्री क्यों नहीं बने, इस पर सवाल पूछती है, लेकिन यह नहीं पूछती कि जम्मू कश्मीर से आतंकवाद खत्म होने में और कितना समय लगेगा? और मासूम बच्चे की मौत का हरजाना कौन देगा? हत्यारों को फांसी कब लगेगी?

एक ही परिवार के...

बलरामपुर के डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि जिले के दोनों परिवारों के 10 लोग हमले में घायल हुए हैं। सबका इलाज जम्मू के अस्पताल में हो रहा है। उतरौला और बलरामपुर के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट को पीड़ित परिवारों को हर सहायता देने को बोला गया है।

इसी प्रकार यूपी के गोंडा जिले के भिखारीपुर गांव से 8 सदस्य वैष्णो देवी गए थे। वहीं गोरखपुर के 17 लोग जम्मू में माता के दर्शन करने गए थे। इन 17 लोगों में कुछ कटरा ही रुक गए थे। वहीं कुछ शिवखोड़ी निकले थे। किसी ने ऐसे हमले की कल्पना भी नहीं की थी। खबर सुनने के बाद उनके अपने सन्न हैं। कोई अपनी आपबीती सुना रहा है तो कोई बताने के लिए बचा ही नहीं। कुछ चश्मदीद हैं जिन्होंने बताया है कि कैसे उस दिन आतंकियों ने नकाब पहनकर पूरी बस पर ताबड़तोड़ गोलियां दागीं। बस खाई में गिराकर भी गोलियां दागते रहे ताकि कोई श्रद्धालु जिंदा न बचे। कुछ चश्मदीद ऐसे भी हैं जिन्होंने खुद को लाश जैसे रखा ताकि आतंकी को विश्वास हो जाए सब मर गए हैं।

आंध्र प्रदेश के...

वहीं जनसेना पार्टी ने अपने विधायक दल का नेता पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण को चुन लिया है। पवन कल्याण मंगलवार सुबह मंगलागिरी स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्हें जनसेना पार्टी के विधायकों ने अपना नेता चुना।

आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में राज्य की 175 सीटों में से 135 सीटें जीतकर चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने 21 सीटें जीती हैं और भाजपा को भी आठ सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी महज 11 सीटों पर सिमट गई है। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में टीडीपी, जनसेना और भाजपा गठबंधन बनाकर चुनाव मैदान में उतरीं थी।

आंध्र प्रदेश की...

वह 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे। नायडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का विचार रखा था। नायडू के इस विचार को उस समय झटका लगा जब 2019 में उन्होंने सत्ता खो दी और वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शानदार जीत हासिल की। फिर रेड्डी ने अमरावती शहर की योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और तीन राजधानियों का एक नया विचार सामने रखा, जिसे नायडू ने अब एकमात्र राजधानी रखने के फैसले के साथ बदल दिया है।

आंध्र प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में टीडीपी, भाजपा और जनसेना के गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की। एनडीए गठबंधन ने विधासभा चुनाव 164 सीट पर जीत दर्ज की। जबकि लोकसभा चुनाव में 21 सीट पर भारी बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की। इस जनादेश ने अमरावती को राजधानी बनाने की योजना में नई जान फूंक दी है।

सोशल मीडिया...

देश की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश है। हम सभी के एक परिवार होने का संदेश दिए जाने के बाद मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देता हूं और आग्रह करता हूं कि अब आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मोदी का परिवार वाली पंक्ति हटा दें।

खालिस्तानी अमृतपाल...

जसप्रीत सिंह ने कई अमेरिकी सीनेटरों और नेताओं से भी मुलाकात का दावा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी ने अमृतपाल की रिहाई में उनकी मदद का भरोसा दिया है। जसप्रीत सिंह जैसे लोग अमेरिका में यह फैला रहे हैं कि अमृतपाल पर की गई कार्रवाई मानवाधिकार का उल्लंघन है। अमृतपाल पर लगा एनएसए एक्ट भी गलत है।

उल्लेखनीय है कि वारिस पंजाब दे का मुखिया खालिस्तानी अमृतपाल सिंह अजानला पुलिस थाने पर हमला करने के बाद मीडिया की सुर्खियां बना था। 23 फरवरी 2023 को अमृतपाल के एक करीबी की गिरफ्तारी के बाद खालिस्तान समर्थकों ने अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। अमृतपाल ने मीडिया के सामने आकर पंजाब पुलिस को अल्टीमेटम दिया था, जिसके कुछ ही घंटों के भीतर उसके साथी लवप्रीत को पुलिस ने छोड़ दिया था।

अजनाला थाने पर हमले में पंजाब पुलिस के कई कर्मचारी घायल हुए थे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस करीबन एक महीने बाद उसे पकड़ने में सफल हुई थी। इसके बाद उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल में भेज दिया गया था। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) भी लगाया गया था।

तमिलनाडु के ...

म्यूजियम में होने का दावा किया था। उसने अपने दावों के समर्थन में सबूत भी दिए थे। इन्हीं सबूतों के आधार पर फरवरी 2020 में मूर्ति शाखा की खुफिया इकाई ने ब्रिटेन स्थित भारतीय दूतावास को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित की। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि ऑक्सफॉर्ड के एशमोलियन म्यूजियम में मौजूद संत तिरुमंकाई अलवर की प्रतिमा लगभग 50 साल पहले तमिलनाडु के कुम्भाकोणम नाम की जगह पर बने एक मंदिर से लूटी गई थी।

भारतीय दूतावास के आवेदन पर विचार करते हुए 11 मार्च 2024 को एशमोलियन म्यूजियम ने एक बयान जारी किया। इस बयान में म्यूजियम ने भारत की तरफ से पेश किए सबूतों को सही माना था। तब म्यूजियम ने बताया था कि मामले को अंतिम निर्णय के लिए चैरिटी आयोग के आगे भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि चैरिटी आयोग जल्द ही इस मामले पर फैसला लेगा। पिछले एक दशक में भारत सरकार विदेशों से अपनी कई प्रचीन धरोहरें वापस लाने में सफल रही है।

मुसलमानों को ...

नजमा हेपतुल्ला या फिर आरिफ़ मोहम्मद खान जैसे मुसलमानों के प्रति उसी मुस्लिम वर्ग का क्या रवैया रहा है, इसे पूरा देश जानता है। इस गिरोह के लिए मुस्लिम का अर्थ समावेशी पहचान वाले मुस्लिम से नहीं है। इनके लिए मुस्लिम वही है, जो इनके एजेंडे के अनुसार चलता हो।

राजदीप सरदेसाई, आरफा, सबा नकवी जैसे पत्रकारों ने प्रश्न किया कि एक भी मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करने वाला मुस्लिम मंत्री नहीं है? इन छद्मी लोगों से सख्ती से यह पूछा जाना चाहिए क्या यह भारत के संविधान पर हमला नहीं है? क्या एक व्यक्ति की पहचान भारतीय होनी चाहिए या फिर उसे सांप्रदायिक रूप से पहचान दी जानी चाहिए? भारत में हिंदू सीटें और मुस्लिम सीटें अलग-अलग हैं क्या? भारत एक गणतंत्र है, जहां पर भारतीय ही पहचान है और यहां पर लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं और संविधान की बात चलती है। मगर सीएए जैसे कानूनों पर मुस्लिम समुदाय को लगातार भड़काने वाला यह गिरोह इसे नहीं समझता है क्योंकि इससे उसका एजेंडा विफल होता दिखता है।

छद्मी पत्रकारों, दुर्बुद्धिजीवियों, प्रगतिहीनों और एकधर्मियों के गिरोह से यह पूछा जाना चाहिए कि मुस्लिम समुदाय को मोदी के पहले और दूसरे कार्यकाल में किस सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला? क्या मोदी सरकार के प्रथम एवं दूसरे कार्यकाल में सरकारी योजनाओं, मुफ्त अनाज, स्कॉलरशिप वगैरह दिए जाने में मुस्लिम समुदाय के साथ कोई भी भेदभाव हुआ है? अगर नहीं हुआ, तो किस आधार पर यह गिरोह मुस्लिमों को भड़का रहा है। वोट जेहाद का नारा देता है? फिर भी कानून ऐसे लोगों को सीख नहीं देता। वोट के लिए जेहाद करना और मजहब के आधार पर अलग प्रतिनिधित्व की बात करना दोनों ही भारत के संविधान का अपमान है और संज्ञेय अपराध है। फिर भी सरकार और प्रशासन कानून का पालन कराने में लचर है।

लोकसभा चुनाव के बाद यह साफ हो गया है कि मुस्लिम समुदाय ने एकजुट होकर भाजपा विरोधी दल को वोट दिया है। यानी, कांग्रेस, सपा और अन्य को वोट दिया है।

कांग्रेस इस समय लोकसभा में दूसरा सबसे बड़ा दल है और इस बार उसकी सीटें भी मुस्लिम समुदाय के एकतरफा समर्थन के कारण लोकसभा में बढ़ी हैं। क्या जो लोग भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न करके सेपरेट इलेक्टोरल का विवाद उत्पन्न कर रहे हैं, उन्हें कांग्रेस से यह प्रश्न नहीं करना चाहिए कि जिस समुदाय के एकतरफा समर्थन से वे जीते हैं, उनका ही कोई नेता लोकसभा मे विपक्ष का नेता बने? क्यों कांग्रेस की ओर से संसदीय दल का नेता किसी मुस्लिम को नहीं चुना गया और क्यों लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद राहुल गांधी के लिए आरक्षित किए जाने की बात हो रही है? आरफा, सबा नकवी, साइमा जैसे लोग कांग्रेस से यह प्रश्न क्यों नहीं कर रही हैं कि वह उनके समुदाय के समर्थन के बदले में कुछ दें?

भारत के सबसे रहस्यमयी पांच मंदिर

भारत में अनगिनत मंदिर हैं, जिनका इतिहास सैकड़ों और हज़ारों वर्ष पुराना है। इन मंदिरों में ऐसे कई चमत्कार हुए हैं जिन्हें लोगों ने देखा है। मान्यता है कि इन मंदिरों में दर्शन मात्र से सारे दुख दर्द दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख शांति आती है। विश्वभर से लोग भारत के इन मंदिरों में चमत्कार देखने आते हैं। कुछ मंदिरों में साक्षात चमत्कार नज़र आते हैं तो कुछ मंदिरों के रहस्यों के बारे में आज तक विज्ञान भी पता नहीं लगा पाया है। ऐसे ही भारत के विश्व प्रसिद्ध 5 रहस्यमयी मंदिरों के बारे में बता रहे हैं जिनकी जानकारी लेने का बाद आप भी यहां जाकर दर्शन जरूर करना चाहेंगे।

◆ ज्वाला देवी का मंदिर, कांगड़ा घाटी हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी के दक्षिण दिशा में 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ज्वाला देवी मंदिर भारत के रहस्यमय मंदिरों में से एक है। यह मंदिर मां सती के 51 शक्तिपीठों में से एक है। माना जाता है। कि यहीं पर माँ सती की जीभ गिरी थी। कहा जाता है कि इस मंदिर की खोज महाभारत काल में पांडवों ने की थी। कहा जाता है कि सतयुग में भूमिचंद नाम का एक राजा हुआ करता था जो महाकाली का परम भक्त था। एक बार सपने में मां काली आती है जिसके बाद वह यहीं पर महाकाली का एक भव्य मंदिर का निर्माण करता है। इस मंदिर की सबसे रहस्यमय बात यह है कि इस मंदिर में हजारों वर्षों से मां के मुख से अग्नि निकल रही है जिसके पीछे का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। इस मंदिर में अलग अलग जगह से अग्नि के नौ लपटे निकलती है जो अलग अलग नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है। अग्नकी इन लपटों के पीछे का कारण? सैनिकों का मानना है कि यह मृय ज्वालामुखी की अग्नि हो सकती है।

◆ वीरभद्र मंदिर, लेपाक्षी, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश

भारत के रहस्यमय मंदिरों के सूची में वीरभद्र मंदिर का नाम भी शामिल है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के एक छोटे से ऐतिहासिक गांव लेपाक्षी में स्थित है। इसीलिए इस मंदिर को लेपाक्षी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में कुल 72 पिलर है, जिनमें से एक पिलर छत को तो छूता है, लेकिन जमीन से उठा हुआ है। जिसके कारण इस पिलर को हैंगिंग पिलर कहते हैं। अब तक देश विदेश के कई इंजीनियर इसके बारे में जांच पड़ताल कर चूके हैं, लेकिन कोई भी इंजीनियर इस रहस्य को सुलझा नहीं पाया। इस मंदिर में आने वाले पर्यटक रूमाल या किसी भी कपड़े को पिल्लर के एक तरफ से दूसरी ओर निकालकर पिल्लर का जमीन से उठे हुए होने की सत्यता को जांचने का प्रयत्न करते हैं। इस मंदिर का निर्माण विजय नगर शैली में किया गया है। मंदिर में विभिन्न देवी देवताओं, नृतकी एवं संगीतकारों के चित्रों को चित्रित किया गया है। मंदिर की दीवारों पर खंभों एवं छत पर महाभारत और रामायण काल की कई कहानियों को चित्रित किया गया है। मंदिर के अंदर 14 फुट ऊंचा वीरभद्र की एक वॉल पेंटिंग भी है, जिसे मंदिर। के छत पर बनाई गई भारत की सबसे बड़ी वॉल पैंटिंग मानी जाती है।

◆ श्रीकाल भैरव मंदिर, उज्जैन

उज्जैन का काल भैरव मंदिर के बारे में आखिर कौन नहीं जानता है इस मंदिर का रहस्य देश विदेश तक लोक प्रसिद्ध है। उज्जैन को आकाश और धरती का केंद्र माना जाता है। यहां पर स्थित काल भैरव मंदिर की कई रहस्यमय घटनाएं। लोगों को आश्चर्य चकित कर देती है। इस मंदिर को लेकर सबसे ताज्जुब की बात यह है कि जहाँ भारत के अन्य मंदिरों के आसपास एक भी शराब की दुकान मौजूद नहीं होती है बल्कि अगर होती भी है तो उन्हें हटवा दी जाती है। यह दुनिया का एक मात्र ऐसा मंदिर है जहाँ पर काल भैरव को खुद श्रद्धालु शराब पिलाते हैं। आज तक लोगों को पता ही नहीं चला कि वह शराब आखिर जाता कहां है? इस मंदिर के परिसर से लेकर इसके रास्ते में ना जाने कितनी ही शराब की दुकानें मौजूद हैं। यहाँ तक की प्रसाद बेचने वाले लोग भी अपने पास शराब रखते हैं। इसके अतिरिक्त इस मंदिर को लेकर यह भी रोचक तथ्य है कि इस मंदिर के सीमा में कोई भी राजा या राजपरिवार से जुड़े लोग रात में नहीं ठहर सकते हैं। क्योंकि उज्जैन का राजा एकमात्र भगवान शिव को ही माना जाता है। जीस कारण अगर कोई भी उच्च पद का व्यक्ति यहाँ पर रात में ठहरता है तो उसके साथ अशुभ घटनाएं होती है।

◆ स्तंभेश्वर महादेव मंदिर, गुजरात

भारत के तमाम रहस्यमय मंदिरों में से एक स्तंभेश्वर महादेव का मंदिर है। यह मंदिर गुजरात राज्य की राजधानी गांधी नगर से लगभग 175 किलोमीटर की दूरी पर जम्बूसर के कवि कंबोई गांव में स्थित है। ये मंदिर 150 साल पुराना है और अरब सागर और खंभात की खाड़ी से घिरा हुआ है। इस मंदिर को पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय ने बनवाया था। इस मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य यही है की यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए दिन में केवल दो ही बार खुलते हैं। है। हाइटाइड के दौरान यह मंदिर हर दिन पानी में डूब जाता है। जिस दौरान मंदिर का एक भी हिस्सा दिखाई नहीं देता है। पानी हटने के बाद फिर से इस मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। इसी कारण यह मंदिर सबसे अनोखा मंदिर है। दिन में और शाम के समय पानी का स्तर बढ़ने से ये मंदिर पूरी तरीके से पानी में समा जाता है। लोग इसे भगवान शिव का अभिषेक मानते हैं।

◆ असीरगढ़ शिव मंदिर असीरगढ़, मध्य प्रदेश

इस असीरगढ़ किले के अंदर मौजूद मंदिर एवं शिवलिंग का निर्माण महाभारत काल में किया गया है। ऐसा माना जाता है यह मंदिर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर शहर से 20 किलोमीटर की दूरी पर असीरगढ़ किले में स्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर की सबसे पहले पूजा अश्वधामा करते हैं। अश्वतामा पांडवों एवं कौरवों के गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र थे जिन्हें भगवान श्री कृष्ण युगों युगों तक भटकने का श्राप दिए थे। कहा जाता है कि इस मंदिर के शिवलिंग पर मंदिर का दरवाजा खोलते ही पहले से ही रोली और ताज़े फूल छड़े हुए मिलते हैं। जो खुद अश्वतामा आकर अर्पित करते हैं। यहाँ के स्थानीय लोगों में से कुछ का यह भी कहना है कि अश्वतामा ने उनसे अपने घाव पर लगाने के लिए हल्दी और तेल भी मांगा है। इस तरह लोगों का कहना है कि वह भटकती आत्मा अश्वतामा की है और जो भी अश्वतामा को देख लेता है उसका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।

भगवान की झूठी कसम खाने वालों के साथ होता है खौफनाक अंजाम!

जानें इसके बारे में सबकुछ

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि लोग अपनी बात को रखने के लिए कई जगहों पर कसम खा लेते हैं । कसम खाने की परंपरा आज से नहीं बल्कि युगों-युगों से चली आ रही है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कसम क्या होता है, झूठी कसम खाने से क्या होता है? ऐसे में इस लेख के जरिए आज हम आपको बताएंगे कि झूठी कसम खाने से क्या होता है? इसके साथ ही बताएंगे कि भगवान की झूठी कसम खाने से क्या होता है? तो चलिए शुरू करते हैं।

कसम क्या है?

कसम किसी बात की सच्चाई या वादे की पुष्टि के लिए ली जाती है। यह आमतौर पर किसी देवता, पवित्र वस्तु या व्यक्ति के नाम पर ली जाती है। कसम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि जो व्यक्ति कसम ले रहा है वह सच बोल रहा है और वह जो वादा कर रहा है उसे पूरा करेगा। कसम कई तरह की हो सकती हैं, जैसे, यह कसम किसी देवता या धार्मिक ग्रंथ के नाम पर ली जाती है। यह कसम अदालत में गवाही देते समय या किसी कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय ली जाती है। यह कसम किसी व्यक्ति या समूह के प्रति निष्ठा या भक्ति दिखाने के लिए ली जाती है।

झूठी कसम खाने से क्या होता है?

झूठी कसम खाने को धार्मिक और नैतिक रूप से गलत माना जाता है। इसका व्यक्ति के चरित्र और प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। धार्मिक दृष्टिकोण से, झूठी कसम खाने को पाप माना जाता है और इसका दंड भोगना पड़ सकता है। इसके साथ ही झूठी कसम खाने से व्यक्ति की विश्वसनीयता खत्म हो जाती है और लोग उस पर भरोसा करना बंद कर देते हैं। वहीं विष्णु पुराण के अनुसार, झूठी कसम खाने या कसम तोड़ देने से जिसनें कसम खाई है और जिसकी कसम खायी गई है उन दोनों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जिस व्यक्ति की झूठी कसम खायी जाती है उसके इंसान के स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं। वह बहुत ज्यादा बीमार हो जाता है। साथ ही इससे आयु की भी हानि होती है।

झूठी कसम खाने से बचने के लिए क्या करें?

किसी भी बात की कसम लेने से पहले अच्छी तरह सोच लें। केवल वही कसम लें जो आप निभा सकते हैं। यदि आप किसी बात को लेकर निश्चित नहीं हैं, तो कसम न लें। यदि आप धार्मिक कसम ले रहे हैं, तो ईश्वर का सम्मान करें और सच बोलें। हमेशा सच बोलने की कोशिश करें, ताकि आपको कभी भी कसम खाने की आवश्यकता न पड़े।

भगवान की झूठी कसम खाने से क्या होता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान की झूठी कसम खाने से देवी-देवता नाराज हो जाते हैं। इसके साथ ही झूठी कसम खाकर आप अपने जीवन को खतरे में डाल देते हैं। धन की हानि होती है। जीवन में अशांति फैलती है। जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए कभी भी भगवान की झूठी कसम नहीं खाना चाहिए।

न करें ये 5 कार्य, नहीं तो जीवनभर दुर्भाग्य नहीं छोड़ेगा पीछा!

शास्त्रों में ऐसी कई चीज़ों के बारे में लिखा गया है जिन्हें मरते दम तक कभी किसी को दान में नहीं देना चाहिए। ये ऐसी कुछ चीजें हैं जिनको अगर आप दान कर देते हैं तो आपके घर से बरकत, धन समृद्धि चली जाती है। जिसकी वजह से आपको दरिद्रता झेलनी पड़ती है। आपके घर में क्लेश होते हैं। दान करना हमारे संस्कृति में बहुत ही शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से इंसान के सारे पाप धुल जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है, इसीलिए दान दिया जाता है। यही वजह है कि हमारे हिंदू धर्म में कोई भी तीज त्यौहार हो बिना दान के पूरा नहीं माना जाता। शास्त्रों के मुताबिक कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें छोड़कर कोई भी चीज़ जरूरतमंद को दान कर सकते हैं। लेकिन अगर आपने इन चीजों का दान करा तो इन चीजों का आप पर उल्टा असर होने लगेगा और आपके परिवार में संकटों का पहाड़ टूट पड़ता है।

◆ इस तरह के पुराने वस्त्रों का दान

बेटी को कभी पुराना वस्त्र मत देना। पुरानी साड़ियां, पुरानी धोती। ब्राह्मण को कभी पुराने कपड़े मन देना। साधु महापुरुषों को कभी पुराना वस्त्र मत देना। कोई माता पिता उस समय अपनी बेटी का अपनी कन्या का कन्यादान जिस समय वो ऋतुमति धर्म में है। उस समय कन्या का कन्यादान नहीं होता। उसमें कन्यादान करने वाले को नरक मिलता। आपके पास कपड़े ज्यादा है, जरूरतमंद लोगों का अभावग्रस्त है, उनको सहयोग में दे दीजिए। उनको सहयोग में और दान में अंतर है। उनको सहयोग होगा। दान पूज्य लोगों को दिया जाता है। श्रेष्ठ लोगों को दान दिया जाता है। तो आप ये कहे कि बेटी पूज्य है।

◆ इस तरह के खाने का दान न करें

भूखा व्यक्ति को बासी खाना ना खिलाएं बल्कि एकदम ताज़ा खाना हो वही खिलाएं। अगर आप धर्मात्मा बनने के चक्कर में बासी खाना किसी को दान दे देते हैं कि चलो भाई खाना रखा है कोई नहीं इसे दे देते हैं तो ये आप पे उल्टा असर करता है और आपके परिवार को कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस चीज़ का विशेष ध्यान रखिए कि अगर आप किसी को खाना खिला रहे हैं तो आपको उसे ताज़ा खाना खिलाना है। बासी खाना भी ना खिलाएं।

◆ फटी हुई किताबें

अगर किसी को आप किताब दान कर रहे हैं या कोई ग्रंथ दान कर रहे हैं तो आपको हमेशा उन्हें नई दान करनी है। नई किताबें आप दान करें। नए ग्रन्थ या चालीसा या कथाएं कुछ भी आप दान कर रहे हैं तो वो नए होने चाहिए। पुराने आपको दान नहीं करने हैं। किसी भी हालत में फटी हुई किताबें या ग्रंथ देना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसा करने से माँ सरस्वती नाराज हो जाती हैं। आपके बच्चे पढ़ाई में कमजोर हो जाते हैं। भूल कर भी फटी हुई किताबें या पूजा पाठ की कोई भी किताबें हैं। कथा है, चालीसा है, इन्हे आप दान कर रहे हैं तो फटी हुई बिल्कुल भी दान ना करें।

◆ नुकीली चीजें

किसी भी जरूरतमंद को कैंची, चाकू या कोई भी नुकीली चीज़ दान नहीं देनी चाहिए। ये चीजें दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं और ऐसा करने से दान करने वाले से किस्मत यानी कि माता लक्ष्मी रूट जाती हैं। साथ ही उसके परिवार में क्लेश और उसका परिवार टूटने भी लगता है। तो आप भून कर भी नुकीली चीजों का दान ना करें। इस चीज़ का विशेष ध्यान रखें।

◆ इस तरह का तेल दान न करें

घर में इस्तेमाल या खराब हो चुका तेल आप कभी भी दान ना करें। दान करना अशुभ माना जाता है। ऐसा करने से शनिदेव आपने अप्रसन्न हो जाते हैं और परिवार को बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ता है। कहा जाता है कि अगर एक बार शनिदेव किसी से रुष्ट हो जाए तो फिर उसकी जिंदगी की गाड़ी जल्दी से पटरी पर नहीं लौटती है तो आपको भूल कर भी तेल का दान नहीं करना है।

◆ झाड़ू का दान

झाड़ू को महालक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है इसलिए भूलकर भी इसका दान नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि जो लोग अपने घर की झाड़ू को दान कर देते हैं उन्हें दरिद्रता का सामना करना पड़ता है और कई प्रकार की बीमारियां उन्हें घेर लेती है। तो आप भूल कर भी झाड़ू कभी भी कहीं दान ना करें।

अक्सर बैठ जाते हैं पैर पर पैर रखकर?

जान लें ऐसे बैठने से कौन सा ग्रह होता है प्रभावित, क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र

वैदिक शास्त्रों में कई अच्छी और बुरी आदतों का जिक्र मिलता है, जिसमें बताया गया है कि अगर हम अपने जीवन में कुछ ऐसी आदतों को अपना लेते हैं, जिससे की हमारे ऊपर उसका बुरा असर पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में बताया जाता है कि मानव शरीर के हर अंग का किसी ना किसी ग्रह से संबंध होता है। अगर हम किसी भी प्रकार की गतिविधि में शामिल होते हैं तो उसका सीधा असर हमारे ग्रहों पर पड़ता है, जिससे वे कमजोर या मजबूत होते हैं। फिर उसी आधार पर हमारे साथ शुभ-अशुभ घटनाएं घटित होती हैं। जान लें अधिक जानकारी...

कमजोर होता है शनि

ऐसी ही बहुत सी सामान्य आदतें हैं जो कि अक्सर हम कई लोगों को करते देखते हैं। इनमें से एक है पैर पर पैर रखकर बैठना। जी हां, ज्योतिष के अनुसार, अगर आप भी पैर पर पैर रखकर बैठते हैं तो इस आदत को आज से ही छोड़ दें क्योंकि इससे शनि ग्रह कमजोर होता है।

पैर पर पैर रखकर बैठना गलत

ज्योतिष शास्त्र में उल्लेख मिलता है कि पैरों में शनि देव का स्थान माना गया है। अगर हमारे पैरों में कोई तकलीफ होती है या पैरों से संबंधित कोई बीमारी आपको होती है तो इसका संकेत है कि आपका शनि कुंडली में कमजोर है। वहीं अगर आप पैर पर पैर रखकर बैठते हैं तो इससे शनि की दिशा में बदलाव होने लगता है और शनि नीच स्थान पर जाने लगते हैं, जिसके दुष्प्रभाव हमें दिखने लगते हैं।

पैर पर पैर रखकर बैठने से उत्पन्न होता है शनिदोष

यदि आपकी आदत में शामिल हो गया है पैर पर पैर रखकर बैठना तो आपको बता दें कि इसके कारण आपके कुंडली में शनि दोष उत्पन्न हो जाता है और इससे आपके जीवन में संघर्षों का समय शुरू हो सकता है।

हालांकि इसके अलावा, पैर पर पैर रखकर बैठने के पीछे एक लोक मान्यता ये भी है कि इससे घर में दरिद्रता आती है और माता लक्ष्मी आपसे रूठ जाती हैं, जिससे धन हानि होती है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

धनुष की 51वीं फिल्म कुबेर पर आया बड़ा अपडेट

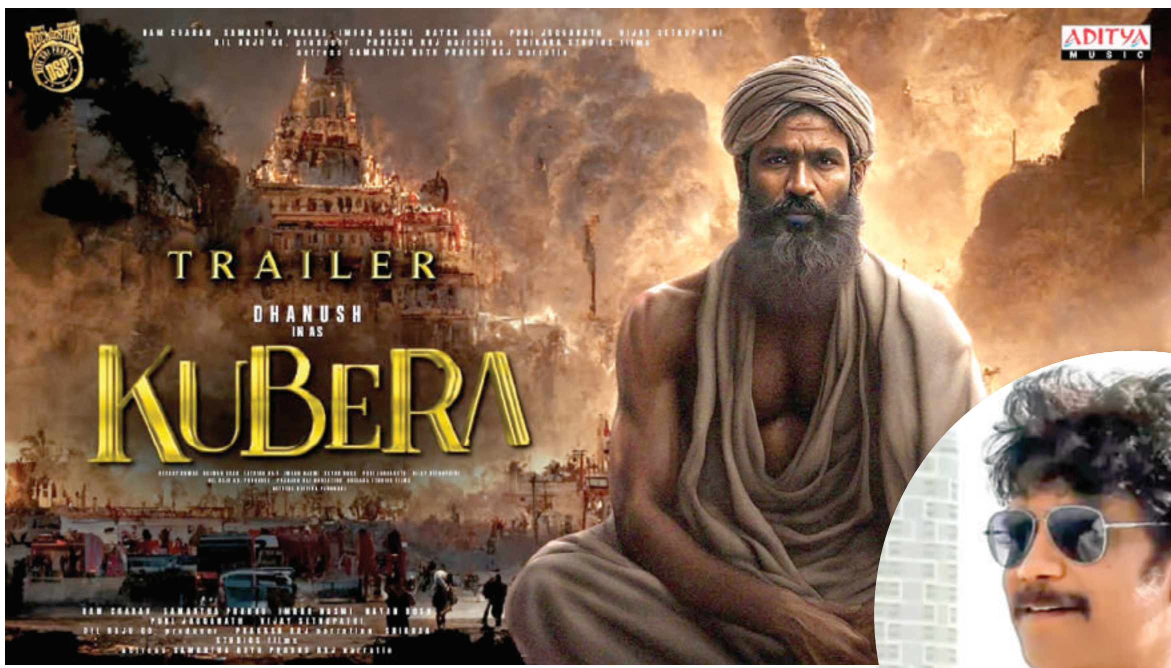

एक्शन करते दिखेंगे धनुष और नागार्जुन!

रायन और कुबेर धनुष की वे फिल्में हैं, जिन्हें देखने के लिए दर्शक काफी उतावले नजर आ रहे हैं। रायन दो वजह से खास है। पहली वजह है- यह धनुष के करियर की 50वीं फिल्म है और दूसरी- यह बतौर निर्देशक धनुष की दूसरी फिल्म है। वहीं, कुबेर को लेकर भी धनुष के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। इस फिल्म पर एक ताजा अपडेट भी सामने आया है।कुबेर की शूटिंग कई दिनों से जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजा जानकारी यह है कि इन दिनों इस फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग चल रही है। कहा जा रहा है कि इस सीन में धनुष और नागार्जुन दोनों नजर आने वाले हैं। एक चर्चा यह भी है कि इस फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं।इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। फिल्म में धनुष और नागार्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस द्वारा किया जा रहा है। कुबेर का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। बता दें कि निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष कुबेर के जरिए पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।फिल्म रायन की बात करें तो इसे 13 जून, 2024 को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर खबर आई कि रिलीज की तारीख पीछे खिसका दी गई है। कहा जा रहा है कि रायन को जुलाई या फिर अगस्त में रिलीज किया जा सकता है। बता दें कि फिल्म का एक गाना रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में धनुष के साथ-साथ संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, सेल्वाराघवन, प्रकाश राज, अपर्णा बालमुरली, दुशारा विजयन और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी काम कर रहे हैं।

आमिर खान के बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लाइमलाइट से दूर रहने वाले जुनैद लंबे समय से अपनी पहली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका पहला पोस्टर अब जारी कर दिया गया है। जुनैद की पहली फिल्म महाराज है, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत भी दिखाई देंगे। हाल ही में मेकर्स की ओर से फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया, जिसमें जुनैद बहुत ही अलग लुक में दिखाई दे रहे हैं। जुनैद की डेब्यू फिल्म महाराज इसी साल जून में रिलीज होगी। फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज होगी। लेकिन, इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वो ये कि यशराज फिल्म्स की ये फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी। जी हां, बिलकुल सही सुना आपने,जुनैद खान की पहली फिल्म

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, जो अपनी फिल्मों वी आर फैमिली और हिचकी के लिए जाने जाते हैं महाराज के साथ अपने ओटीटी डायरेक्टोरियल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो आमिर के लड़के जुनैद खान का एक्टिंग डेब्यू है। सिद्धार्थ, जो अपने शानदार स्टोरीटेलिंग और बेहतरीन डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने प्रोजेक्ट के पहले पोस्टर का अनावरण किया। फर्स्ट लुक ने इंटरनेट पर जैसे आग लगा दी है, जिसमें जुनैद खान और जयदीप अहलावत नजर आ रहे हैं। महाराज के साथ फिल्ममेकर ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है।इससे पहले, प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, मल्होत्रा ने साझा किया कि फिल्म 1800 के दशक पर आधारित है और दो घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म है जो दिखाती है कि कैसे एक आम आदमी अपने आस-पास के लोगों की मदद करने की हिम्मत जुटाता है, जो सोसाइटी को बड़े स्तर पर मदद करती है। इस प्रोजेक्ट में जुनैद खान के अलावा जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ और शालिनी पांडे महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

थाई स्लिट स्कर्ट पहन हिना खान ने कराया बोल्ड फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।एक्ट्रेस हिना खान जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।हिना खान ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जैकेट और थाई स्लिट स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजार आ रही हैं।ओपन हेयर, हाई हील्स, कानों में इयररिंग्स और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस हिना खान ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें, एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपने रिएक्शंस देते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी यूजर्स ने जमकर अपना प्यार बरसाया है। एक यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग किलर बेब। तीसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस।हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा की वापसी की जताई इच्छा

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आने वाली एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है।22 वर्षीय एक्ट्रेस जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी – अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं।एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं।उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12'3 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे।फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है।जन्नत ने भारत का वीर पुत्र – महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया।2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई।

पौराणिक शो के कलाकारों को टाइपकास्ट होने का रिस्क नहीं : सुभा राजपूत

टीवी शो शिव शक्ति- तप त्याग तांडव में एक्ट्रेस सुभा राजपूत देवी शक्ति का किरदार निभा रही हैं। मां पार्वती का रोल निभाकर वह लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पौराणिक शो में एक्टिंग करने वाले कलाकारों को टाइपकास्ट होने का खतरा नहीं रहता है।पौराणिक शो में काम करने वाले कलाकारों को अक्सर टाइपकास्ट होने के खतरे का सामना करना पड़ता है, इस बारे में सुभा ने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। यह सब अपने टैलेंट को दिखाने के बारे में है। मुझे खुशी है कि इस किरदार के साथ मुझे कई तरह की इमोशन्स दिखाने का मौका मिल रहा है। मुझे अपने रोल के लिए पहचान मिल रही है और यह देख खुशी मिलती है कि हमारे सभी प्रयासों की सराहना हो रही है।शिव शक्ति- तप त्याग तांडव गणेश से जुड़े अपकमिंग ड्रामेटिक सीक्वेंस पर आधारित है।सुभा ने कहा कि अपकमिंग सीक्वेंस में कर्तव्य, गलतफहमी, क्षमा और दैवीय क्षेत्र में कार्यों के परिणामों को दिखाया जाएगा।उन्होंने आगे कहा, स्नान के दौरान अपनी मां पार्वती की रक्षा करते हुए गणेश ने महादेव को प्रवेश करने से मना कर दिया, जिसके बाद भयंकर युद्ध हुआ। गणेश की अवज्ञा से क्रोधित महादेव वहां से चले गए और बाद में नंदी और गणों के साथ वापस लौटे और युद्ध शुरू कर दिया। इसमें गणेश ने उनमें से कई को हरा दिया।उन्होंने कहा, क्रोध में आकर महादेव ने गणेश का सिर काट दिया। बेटे का कटा सिर देख पार्वती को गुस्सा आता है और वह काली का रूप धारण कर लेती हैं और दुनिया को नष्ट करने की ठान लेती है।क्या उन्होंने मां की भूमिका निभाने की तैयारी की थी? इस सवाल का जवाब देते हुए सुभा ने कहा, हां, मैंने पहले भी शो में कार्तिकेय की मां के रूप में भूमिका निभाई है, इसलिए यह मेरे लिए बिल्कुल नया नहीं है।

अजय देवगन की औरों में कहां दम था का ट्रेलर कल होगा रिलीज

शैतान और मैदान के बाद अब फैंस अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था का इंतजार कर रहे हैं। इस मूवी में एक बार फिर एक्टर तब्बू के साथ दिखाई देने वाले हैं। दोनों की केमिस्ट्री को पहले भी पर्दे पर फैंस ने काफी पसंद किया था और अब फिर उन्हें साथ में देखने के लिए बेताब हैं।हाल ही में इस मूवी का टीजर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद दर्शक फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं और अब इसके ट्रेलर रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।औरों में कहां दम था का ट्रेलर देखने के बाद यह तो साफ है कि ये मूवी लव स्टोरी पर बेस्ड होने वाली है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, बताया जा रहा है कि इसके ट्रेलर को देखने के लिए फैंस को ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। इस ट्रेलर अगले इसी महीने 13 जून को रिलीज किया जा सकता है।अजय देवगन और तब्बू आखिरी बार साथ में दृश्यम 2 में दिखाई दिए थे। ऐसे में जब इसका टीजर आया, तो फैंस काफी खुश हो गए। टीजर में देखने को मिला था कि दोनों होली खेलते हुए नजर आते हैं। वहीं, बैकग्राउंड में फिल्म का टाइटल चल रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा । व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है।

कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा-खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी।

दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय-मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 12 जून 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 07:18 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 02:12 तक
योग : हर्षण सायं 05:14 तक
करण : कौलव प्रातः 06:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अरण्य षष्ठी , गण्डमूल रात्रि 02:12 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शेखावत ने ग्रहण किया पदभार

बोले- संस्कृति और पर्यटन में शानदार रहे दस साल, आगे भी रहेंगे

जोधपुर,11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को संस्कृति और पर्यटन मंत्रालयों का कार्यभार ग्रहण किया। मीडिया से रूबरू होते हुए शेखावत ने कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने संस्कृति और कला के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है, जिसकी वजह से भारत की संस्कृति को देखकर पूरा विश्व चकित है।

विकसित भारत बनाने में संस्कृति और पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुसार संस्कृति, कला और पर्यटन के क्षेत्र में नए सोपान तय करने के लिए शानदार काम करेगी। शेखावत ने कहा कि देश की जनता विकसित भारत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। इसी विश्वास की वजह से जनता ने मोदी जी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्यपूर्ण अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। देश को निराशा के गर्त से निकाल कर उसे आशा से लबरेज किया है। उन्होंने कहा कि भारत विकसित हो सकता है, इस संदेश को प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व तक पहुंचाया है। इस वजह से दुनिया भी ये जानती है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता है। शेखावत ने कहा कि यही विश्वास देश की जनता को भी है। लिहाजा, इस बार की भी प्रचंड जीत इसी विश्वास पर जनता की मुहर है। इससे पहले, पदभार ग्रहण करने के दौरान दोनों मंत्रालयों की टीम ने केंद्रीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया। शेखावत ने दोनों मंत्रालयों में अधिकारियों संग मीटिंग की। पदभार ग्रहण करने के दौरान केंद्रीय मंत्री शेखावत का परिवार भी साथ रहा।

प्यास लगी तो जंगल से निकलकर कुशालीदर्रा पहुंची बाघिन

सवाई माधोपुर,11 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी के दौर में इंसानों के साथ ही पशु पक्षी भी परेशान हैं। अब पानी की तलाश में रणथम्भौर के जंगलों से निकलकर बाघ बाघिन बाहर आने लगे हैं। ऐसा ही एक नजारा रणथंभौर में देखने को मिला। रणथंभौर की लाडली नामन बाघिन टी-8 रणथंभौर के जंगल से निकलकर नेशनल हाईवे-552 टोंक चिरगांव पर आ पहुंची। बाघिन टी 8 पानी की तलाश में हाईवे स्थित कुशालीदर्रा पहुंच गई। बाघिन को देखकर मौके पर राहगीरों और वाहन चालकों की भीड़ लग गई। इस दौरान लोगों ने बाघिन के फोटो वीडियो बनाएं।

दरसल सोमवार शाम करीब 6.30 बजे बाघिन पहाड़ी के रास्ते कुशालीदर्रा आ पहुंची। यहां बाघिन ने नाले में पानी पीया। बाघिन करीब 30 मिनट तक पानी में ही बैठी रही। इस दौरान यहां हाईवे से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर वन विभाग के फलौदी रेंजर विष्णु गुप्ता मौके पर पहुंचे।

वन विभाग की टीम ने लोगों को मौके से हटाया। जिसके बाद बाघिन की ट्रेकिंग शुरू की गई। करीब आधा घंटे बाद बाघिन ने वापस जंगल का रूख किया। बाघिन लाड़ली टी 8 रणथम्भौर की उम्रदराज बाघिन है। उसकी उम्र करीब साढे सत्तरह साल है। बाघिन अब तक चार बार मां बन चुकी है। बाघिन ने प्रथम प्रसव में टी-61, टी-62 को जन्म दिया था। दूसरे प्रसव में टी-85, टी-86, तीसरे प्रसव में टी-108, टी-109 और चौथी प्रसव में टी-127, टी-128 व टी-129 को जन्म दिया था।

लड़की के भाइयों ने मारपीट कर तोड़ दिए युवक के हाथ-पैर

नागौर,11 जून (एजेंसियां)। शहर में लड़की से जुड़े एक मामले में युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। लोगों ने युवक के हाथ-पैर तोड़ दिए। साथ ही युवक के भाई को भी धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पांच से छह लोगों के खिलाफ डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर भी पीड़ित पक्ष जिला पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने पहुंचा।

मारपीट में घायल हुए टीकमचंद नामक युवक ने डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। थाने में दी गई लिखित रिपोर्ट के अनुसार टीकमचंद पुत्र रामेश्वरलाल निवासी पाटण हाल निवासी लालजी बावडी ग्राम पाटण का रहने वाला हूं। मेरे मकान के सामने मुलचन्द जांगिड़ निवासी लालजी की बावडी डीडवाना का घर है। मुलचन्द मास्टर के घर से सुनिल जांगिड़ घर से बाहर आया और मेरे साथ लाठी से गारपीट शुरू कर दी। दोनों हाथ, दोनों पैरों पर, पीठ पर भी लाठी से काफी चोटें मारीं। उसने मेरी जेब में रखा फोन 2 लाख रुपये नकद थे वो भी ले लिए। उसके साथ सिताराम और अन्य 5-6 लोग थे, जिन्होंने मारपीट की। मैंने हो हलला किया तो मेरे मोहल्ले के लोग भागकर आये। इतने में वो भाग गए।उसने रिपोर्ट में बताया कि सुनिल जांगिड़ की लड़की से 5-7 दिन पहले कहीं चली गई। इसको लेकर ये मेरा नाम ले रहें कि तुम मेरी लड़की को भगा दिए। इसी बात को मारपीट की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी भवानी सिंह पकड़ा

जयपुर,11 जून (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने दौसा जिले के कलेक्ट्रेट सर्कल से 25 हजार के इनामी बदमाश भवानी सिंह मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। भवानी सिंह पिछले पांच सालों से उदई मोड़ थाने में दर्ज चोरी के मामले में वांछित था और अहमदाबाद भागने की फिराक में था। एडीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध, दिनेश एमएन ने बताया कि भवानी सिंह मीणा राज्य के सात जिलों और जयपुर के सात थानों में दर्ज 18 आपराधिक मामलों में शामिल हैं। इनमें डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट और चोरी के मामले शामिल हैं। जयपुर के सदर, लाल कोठी, आदर्श नगर, मानसरोवर, विश्वकर्मा, वैशाली नगर और चंदवाजी थानों में भी इसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

उदई मोड़ थाने में 2019 में दर्ज स्क्रैप से भरे बोलेरो पिकअप की चोरी के मामले में भवानी सिंह पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एडीजी एमएन ने बताया कि डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन और एएसपी एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम भरतपुर रेंज की ओर भेजी गई थी। एएसआई शैलेंद्र कुमार और कांस्टेबल बृजेश कुमार को सूचना मिली कि भवानी मीणा दौसा में है और अहमदाबाद भागने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर एजीटीएफ टीम ने दौसा पहुंचकर भवानी सिंह को कलेक्ट्रेट सर्कल के पास घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम भवानी सिंह मीणा बताया। उसे आगे की कार्रवाई के लिए उदई मोड़ पुलिस को सौंप दिया गया है। इस कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, सोहन देव, कांस्टेबल अरुण कुमार और कुलदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कैंपर से कुचलकर युवक की हत्या

छह को पुलिस ने किया डिटेन, रेंट की गाड़ी को लेकर हुआ विवाद

झुंझुनू,11 जून (एजेंसियां)। गांव के जोहड़ में शराब ठेके सामने किराए की थार गाड़ी को लेकर हुए विवाद युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने कैंपर से युवक को कुचलकर मार दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छह युवकों को डिटेन किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार श्यामपुरा, नूआं गांव का फौजी संपत सिंह एक शादी में जाने की बात कहकर रविवार सुबह झुंझुनू में कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर से थार गाड़ी किराए पर लेकर गया था।

देर रात गाड़ी एक ही जगह घूमती रही तो कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर ने थार गाड़ी का जीप-ीएस लॉक कर दिया। जीपीएस लॉक करने पर संपत ने कार रेंटल वालों को फोन पर उलहाना दिया तो आपस में गाली गलौच हो गई। इसके बाद गाड़ी किराए पर देने वाले अंकित व उसका दोस्त शशि पुत्र रामेश्वर, राहुल पुत्र नाहर सिंह, सुनील पुत्र रणवीर सिंह, श्रीगंगानगर के दिनेश कुमार समेत दस के करीब युवक तीन गाड़ियों में सवार होकर थार में लगे जीपीएस की लोकेशन के आधार पर शीशियां गांव के बाहर राणासर रोड स्थित जोहड़ में शराब ठेके के सामने पहुंचे।

जहां पर थार किराए पर लेने वाले श्यामपुरा, नूआं गांव के फौजी संपत सिंह, सुमित झाझड़िया व सुनील जाट ने समय पूरा नहीं होने का हवाला देते हुए किराए पर ली गई थार देने से मना कर दिया। इस पर गाड़ी किराए पर देने वालों व किराए पर लेने वाले संपत फौजी, सुमित व सुनील के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान वहां पर मौजूद दिनेश कुमार पर सुमित ने कैंपर चढ़ा दी। कैंपर चढ़ाने के बाद घायल दिनेश को बीडीके अस्पताल लाया गया। वहां पर हालत गंभीर होने पर उसको एक निजी अस्पताल ले गए। वहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बीडीके अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया। मृतक दिनेश रविवार को अपने दोस्त अंकित की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुआ था। दिनेश कुमार रविवार को अपने दो दोस्तों के साथ सुबह 10 बजे सालासर जाने के लिए अपने घर से निकला था। इसी बीच वह दोस्त अंकित के जन्मदिन में शामिल होने झुंझुनू ही ठहर गया।

रात को सभी दोस्तों ने मिलकर झुंझुनू के पूरा की ढाणी में एक होटल में पार्टी की। यहां से संपत फौजी को किराए पर दी गई कार लेने गए युवकों के साथ शिशियां चला गया। मृतक दिनेश रेलवे में एसआई की तैयारी कर रहा था। जीडी का पेपर क्लियर कर चुका था और 15 दिन बाद फिजिकल था।

हरियाणा सरकार का नया फार्मूला: उद्योगों को रात व कृषि के लिए दिन में होगी बिजली आपूर्ति, सीएम की मुहर का इंतजार

चंडीगढ़,11 जून (एजेंसियां)। प्रचंड गर्मी के बीच हरियाणा में बढ़ती जा रही रिकार्ड बिजली खपत को देखते हुए जहां हरियाणा सरकार 1400 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खरीद की तैयारियों में जुटी है। वहीं, तब तक मांग को पूरा करने और लोगों को बिजली कटों से बचाने के लिए हरियाणा सरकार ने नया फार्मूला निकाला है। इसके तहत, उद्योगों को रात को बिजली आपूर्ति की जाएगी और पिछले साल की तरह इस बार भी खेतों के ट्यूबवेल के लिए दिन में बिजली आपूर्ति देने की तैयारी है। इस संबंध में बिजली अधिकारियों और सीएमओ के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है और इस पर अंतिम मुहर मुख्यमंत्री नायब सैनी की लगनी शेष है।

हरियाणा में 15 जून से आधिकारिक रूप से धान की बिजाई शुरू होगी। प्रदेश में खेती के ट्यूबवेल 6 हजार से अधिक हैं। ऐसे में धान के सीजन में कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत बढ़ जाती है। पिछले साल में सरकार ने किसानों की परेशानी को देखते हुए रात की बजाए खेती के लिए दिन में बिजली आपूर्ति शुरू की थी। इस बार भी सरकार किसानों के लिए यही सुविधा देने की तैयारी में है। इसलिए रात को बिजली विभाग के पास अतिरिक्त बिजली होगी, तो उसे उद्योंगो के लिए आपूर्ति किया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद खुद भी उद्योगपतियों से रात में उद्योगों को चलाने की अपील कर चुके हैं। इसलिए संभावना है कि 15 जून तक उद्योगों और कृषि क्षेत्र के लिए बिजली आपूर्ति का नया शेड्यूल जारी हो सकता है।

हरियाणा में हर साल बढ़ रही 1 हजार मेगावाट बिजली की अतिरिक्त मांग

हरियाणा में हर साल 1000 मेगावाट बिजली की खपत और मांग बढ़ रही है। पीक सीजन की बात करें तो पिछले तीन साल में करीब तीन हजार मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है। इस समय प्रदेश की कुल क्षमता 14026 मेगावाट है। पिछले साल यह क्षमता 13 हजार और इससे पहले 12137 मेगावाट थी। जून माह के अंत और जुलाई माह की शुरुआत में यह मांग 1400 मेगावाट तक और बढ़ने की संभावना है। इसलिए ही हरियाणा सरकार बिजली आपूर्ति के शेड्यूलों में बदलाव करने जा रही है।

हरियाणा में कब बने बिजली के नए रिकार्ड

पीक सीजन के दौरान बिजली खपत के कई रिकार्ड बन चुके हैं। इनमें 18 अगस्त 2023 को सबसे अधिकतम 13055 मेगावाट की खपत हुई थी और यह अब तक सबसे रिकार्ड खपत है। क्योंकि कुल क्षमता के बराबर पहुंच गई थी। इससे पहले, 2022 में 7 जुलाई को 12 हजार मेगावाट की पूरी क्षमता को मांग पार कर गई थी।

इसलिए बढ़ रही बिजली खपत

हरियाणा में बिजली खपत बढ़ने का मुख्य कारण एनसीआर के क्षेत्र में नए उद्योंगों का आना है। दूसरा, रियल एस्टेट की बड़ी बड़ी कंपनियां द्वारा हरियाणा में अपने प्रोजेक्ट शुरू करना। तीसरा, प्रदेश के लोगों में बढ़ती गर्मी और सर्दी के चलते एसी और गीजर चलाने की प्रवृति बढ़ रही है। चौथा कारण है बिजली कनेक्शनों के लिए हर साल हजारों की संख्या में नए आवेदन आ रहे हैं। इस समय 40 हजार के करीब खेती के ट्यूबवेल कनेक्शन और 50 हजार के करीब अन्य बिजली कनेक्शन लंबित चल रहे हैं।

कहां कितनी है उत्पादन क्षमता

प्रदेश के थर्मल प्लांटों की बात करें तो पानीपत थर्मल प्लांट की यूनिट नंबर 6, 210, यूनिट 7 और 8 की क्षमता 250-250 मेगावाट है। दीन बंधू छोटूराम यमुनागर प्लांट की दो यूनिटों की क्षमता 300-300, खेदड़ की दोनों यूनिटों की 600-600 मेगावाट है। इंदिरा गांधी सुपर थर्मल पावर प्लांट की तीनों यूनिटों की क्षमता 500-500 मेगावाट है, यहां पर हरियाणा का शेयर 50 प्रतिशत है। इसी प्रकार महात्मा गांधी सुपर थर्मल प्लांट की दोनों यूनिट 600-600 मेगावाट की हैं।

कहां से मिल रही कितनी बिजली

हरियाणा खुद 2582.4 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन करता है और बाकि बिजली खरीदी जाती है। इसमें से भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड से 846.14 मेगावाट बिजली, जबकि प्राइवेट कंपनियों से 7173.22 मेगावाट और 2921.09 मेगावाट बिजली केंद्रीय प्लांटों से खरीदी जाती है।

अडाणी पावर से 1200 मेगावाट बिजली खरीदी जा रही। वहीं, आपात स्थिति को देखते हुए छत्तीसगढ़ से 350 मेगावाट व मध्य प्रदेश से 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली के लिए पहले से ही अनुबंध हो रखे हैं।

मंत्रिमंडल बंटवारे के बाद सियासत, तेजस्वी बोले–

बिहार को झुनझुना थमाया अब विशेष पैकेज का इंतजार

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में मंत्रिमंडल बंटवारे के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। विपक्ष के नेता कह रहे हैं फिर से मोदी 3.0 की सरकार ने बिहार को कुछ नहीं मिला। सारे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार को झुनझुना थमा दिया गया है। हम बिहारव–ासी जानते हैं कि बिहार की तरक्की के बिना देश तरक्की नहीं कर सकता है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार इस बार निर्णायक भूमिका में है। मोदी जी के 10 वर्ष पूर्व के वादानुसार एवं झारखंड बंटवारे के बाद सन 2002 से हमारे दल की पुरानी मांग तथा अधिकार रैलियों के माध्यम एवं अभी दो महीने पूर्व तक सीएम नीतीश जी की केंद्र सरकार से निरंतर डिमांड के मद्देनज़र बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज का हम बिहार वसियों को इंतज़ार रहेगा। वैसे मंत्रिमंडल बंटवारे में तो बिहार को झुनझुना ही थमा दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस बार जांच जाँच एजेंसियों को निष्पक्ष रहना होगा। संसद में विपक्ष मजबूत हो गया है। अब ईंट से ईंट बजेगा। तेजस्वी यादव ने दावा करते हुए कहा कि हमलोग इसबार विधानसभा में चार गुना ज्यादा सीट जीतेंगे।

रविवार को मोदी के साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, पांच स्वतंत्र प्रभार मंत्री और 36 राज्य मंत्री हैं। सोमवार की शाम इन सभी के मंत्रालयों की जानकारी सार्वजनिक की गई।

पहली बार सांसद बने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय दिया गया है। कैबिनेट मंत्रियों में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को पंचायती राज मंत्रालय के साथ मत्स्यपालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय दिया गया है। भाजपा के बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय दिया गया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय दिया गया है।

जदयू कोटे से राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाया गया है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ रहे उजियारपुर के भाजपा सांसद नित्यानंद राय की जिम्मेदारी नहीं बदली गई है। उन्हें फिर से गृह राज्यमंत्री बनाया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को कोयला और खनन मंत्रालयों का राज्यमंत्री बनाया गया है। मुजफ्फरपुर से पहली बार सांसद बने भाजपा के राजभूषण चौधरी को जल शक्ति राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

बोलियार मस्जिद में लोगों को पाकिस्तानी कहने पर पैदा हुआ तनाव: पुलिस प्रमुख

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु पुलिस प्रमुख ने कहा कि बोलियार में मस्जिद से कुछ किलोमीटर पहले स्थित एक ऑटो स्टैंड के पास भाजपा के जश्न के दौरान पाकिस्तान का जिक्र करते हुए एक भड़काऊ बयान ने तनाव पैदा कर दिया था। रविवार को भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मना रहे थे। जुलूस के दौरान, ऑटो स्टैंड के पास और मस्जिद से कुछ किलोमीटर पहले, कुछ प्रतिभागियों ने भड़काऊ नारे लगाते हुए कहा तुम लोग पाकिस्तान के हो और मोदी के आने से तुम डर गए हो। इस बयान के बाद घटना शुरू हुई। ऑटो स्टैंड के पास भड़काऊ नारे लगाने के कारण लोग मस्जिद के पास जमा हो गए। जुलूस के खत्म होने के बाद दोपहिया वाहन पर सवार कुछ लोग मस्जिद में वापस आए और उसके सामने जश्न मनाया। बाद में उनका पीछा किया गया और चाकू घोंप दिया गया। मस्जिद के अध्यक्ष ने मस्जिद के सामने भड़काऊ नारे लगाने और बाहर खड़े लोगों से गाली–गलौज करने वाले कुछ युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आरोपियों को आईपीसी की धारा 143, 147, 148, 153ए, 504, 506 और 149 के तहत गिरफ्तार किया गया है। बोलियार चाकूबाजी मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था, और हाल ही में अब्बूबकर की गिरफ्तारी के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या छह हो गई है। मामले की जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं।

विजिलेंस की टीम ने एसआई को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

केस को मैनेज करने के लिए कर रहा था डिमांड

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में विजिलेंस विभाग की टीम ने थाना के एक एसआई को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी भगवानपुर थाना से की गई है।

विजिलेंस विभाग की टीम ने आरोपी एसआई विनीत कुमार झा को भगवानपुर प्रखंड मुख्यालय से गिरफ्तार किया है। विजिलेंस विभाग के द्वारा किये गए इस करवाई से प्रखंड मुख्यालय चौक सहित पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। इस मामले में थानाध्यक्ष पवन कुमार कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं।

इस संबंध में भगवानपुर चौक पर उपस्थित लोगों का कहना है कि करीब आठ से दस की संख्या आये सिविल ड्रेस में एसआई विनीत कुमार झा को जबरन पकड़ कर गाड़ी में बैठा कर ले कर निकल गए।

इस क्रम में जब स्थानीय लोगों ने उनलोगों का विरोध किया तो टीम ने बताया कि हमलोग विजिलेंस टीम से हैं। रिश्वत लेते हुए इन्हें गिरफ्तार किया गया है। विजिलेंस टीम के द्वारा किये गये इस कार्रवाई के दौरान वहां स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

इस संबंध में विजिलेंस विभाग की टीम ने बताया कि एसआई विनीत कुमार झा के द्वारा एक केस में मैनेज करने के लिए 15 हज़ार रुपए का डिमांड किया गया था। आज 15 हज़ार घूस लेते ही रंगेहाथ एसआई विनीत कुमार झा को निगरानी विभाग के द्वारा गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल निगरानी विभाग के द्वारा गिरफ्तार करने के बाद उसे अपने साथ पटना ले गये।

बताया जा रहा है कि सौरभ कुमार ने भगवानपुर थाना में एक मामला दर्ज कराया था। इस मामले को लेकर एसआई विनीत कुमार झा ने 15 हज़ार रुपये की मांग की गई थी।

आज सौरभ कुमार ने निगरानी विभाग को सूचना देने के बाद 15 हज़ार रुपए लेकर केस को टू करने के लिए पहुंचे।

तभी निगरानी विभाग ने विनीत कुमार झा को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

अचानक चकाई–देवघर हाईवे पर पलट गई कार, तीन लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के जमुई के बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी पटना के रहने वाले थे। घटना चकाई–देवघर मुख्य मार्ग पर हुई। मंगलवार सुबह कार सवार सभी लोग पटना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के अंडीडीह गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर कार पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना चंद्रमंडीह थाना की पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से तीनों शव को बाहर निकाला गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस द्वारा घटना की जानकारी मोबाइल के माध्यम से परिजनों को दी गई है। कार सवार तीनों मृतक की पहचान नंदन यादव गोरिया टोली पटना, अवधेश यादव विग्रहापुर थाना जनकपुर पटना व संतोष यादव आसमा थाना निंदरगंज नवादा के रूप में हुई।

जमुई के बरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत खादीग्राम निवासी डॉक्टर रामप्रसाद यादव के पुत्र पप्पु यादव के मित्र और संबंधी भी है। कार सवार युवक पटना से देवघर की ओर जा रहा था। तभी चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के चकाई–देवघर मुख्य मार्ग स्थित अंडीडीह गांव के समीप कार की गति तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। जिससे कार पर सवार तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के चारों चक्का ऊपर हो गया और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होगा। वहीं सूचना पर पहुंचे चंद्रमंडीह थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार ने जेसीबी के माध्यम से कार को सीधा कर तीनों शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इधर प्रभारी थानाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक कार जो देवघर की और जा रही थी वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। जिसपर सवार तीन युवक की मौके पर मौत हो गई। पुलिस तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई है।

रंगदारी केस पर पप्पू यादव बोले–

मेरे खिलाफ गहरी राजनीतिक साजिश ऐसा करें नहीं तो धरने पर बैठूंगा

पटना (एजेंसियां)।

पूर्णिया के नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा है कि मेरे खिलाफ गहरी राजनीतिक साजिश की जा रही है। बढ़ती राजनीतिक ताकत से कुछ लोग परेशान हैं इसलिए रंगदारी का झूठा आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में जांच कराई जाए और सच्चाई सामने लाई जाए। उन्होंने कहा है कि जो भी मामले में दोषी निकले उसे फांसी दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि फर्नीचर कारोबारी राजा कुमार को मैं जानता भी नहीं हूं। मैंने अपने वकील से मानहानि का मुकदमा दर्ज करने की तैयारी करने को कहा है।

उन्होंने कहा कि मुझे एक बात आश्चर्य लगता है कि बिना कोई जांच के तुरंत एफआईआर कर देना। यह एक पॉलिटिकल साजिश के अलावा और क्या हो सकता है। मैंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के कोई न्यायाधीश से इसका जांच कराएं ,अगर जांच नहीं करते तो हम धरना पर बैठेंगे। कहां की मैंने एसपी साहब से चार बार कॉल कर कह दिया बिना जांच के आप किस प्रकार से ऐसे कैसे आप अपलोड कर दिए। इसके पीछे किया गहरी साजिश है। पप्पू यादव ने कहा है कि एक ऑफिसर के द्वारा विरोधियों से मिलकर उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। जल्द ही सबको बेनकाब कर दूंगा।

उन्होंने कहा कि फर्नीचर कारोबारी राजा कुमार पहले भी जीडी गोयनका के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। इन्होंने बदतमीजी की थी। दूसरा ज्योतिष नाम ने युवक ने फर्नीचर कारोबारी पर केस किया था।

जिसमें मां बहन और शर्मा समाज का नाम लेकर गाली देने का आरोप लगा था। वहीं पूर्णिया का एक बिल्डर का 70 लाख रूपया रखे हुए और उन्होंने कहा कि शायद वही भगत है जो फोरस्टर को 20 हजार रूपया देकर गिरफ्तार करवाया था। यह एक विवादित इंसान है। इसके मोबाइल की जांच की जाए कि यह किस–किस से बात करता है? और किस किस से मिलता है?

और कहां कहां बैठता है? इसके बल्ड की जांच हो। यह रोज दारू (शराब) पीकर लोगों से लड़ता है। यह मधेपुरा का रहने वाला है। दो दिन के अंदर फर्नीचर व्यवसाई पर मुकदमा दर्ज करूंगा अगर जरूरत पड़ी तो धरने पर बैठेंगे।

वहीं इस मामले पर पूर्णिया डझ उपेंद्र नाथ वर्मा ने कहा कि फर्नीचर व्यवसायी की ओर से पप्पू यादव पर रंगदारी मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में मुफस्सिल थाने में सांसद पप्पू यादव और अमित यादव के खिलाफ खझउ की धारा 385, 504, 506 और 34 के तहत केस दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में सच्चाई उजागर होने पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आरोप झूठे पाए गए तो इस पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। बता दें कि सोमवार को पूर्णिया के फर्नीचर कारोबारी द्वारा एक करोड़ की रंगदारी मांगे जाने का आरोप लगाते हुए सांसद पप्पू यादव और अमित यादव नामक युवक के खिलाफ पूर्णिया मुफस्सिल थाने में एफआर दर्ज कराया है।

बिहार में टला रेल हादसा, मेमू हुई बेपटरी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में एक बार फिर एक बड़ा रेल हादसा होते होते बच गया। घटना जमुई जिला के झाझा दादपुर मुख्य रेलखंड की है, जहां सटिंग हो रहे ईएमयू गाड़ी बड़ी दुघर्टना से बाल बाल बच गई।

इस संबंध में रेलकर्मियों का कहना है कि मेमू कारशेड से रख–रखाव को लेकर सटिंग के लिए ट्रेन चालक ईएमयू गाड़ी को शेड से लेकर निकला। स्टेशन से महज एक किलोमीटर पहले खलासी मुहल्ला के पास पोल संख्या 367/32–67 के बीच मेमू ठहराव स्थल पर पहुंची। लेकिन तभी अचानक मेमू गाड़ी पटरी से आगे बढ़ गई जिसमें चालक से सटा कोच पटरी से उतरकर घर की तरफ लटक गया।

जिस जगह पर गाड़ी बेपटरी होकर लुढ़का, उस जगह पर नीचे लगभग 15 फीट गहराई पर आसपास घर बना था। ट्रेन को बेपटरी होते देख आसपास के लोग अपने घर को छोड़कर भागने लगे। गनीमत रही कि गाड़ी खाली जमीन पर ही रुक गई, जिससे आज एक बड़ी दुघर्टना होने से टल गई।

इधर मेमू गाड़ी के कोच का बेपटरी से होने की जानकारी आसपास के लोगों को लगी तो लोग हो हल्ला मचाने लगे। रेलवे लाइन से सटे एक मकान में रहने वाले युवक ने बताया कि मै अपने छत पर बैठकर गाड़ी को आते देखा और अचानक वह रेलवे लाइन से आगे होकर लटक गया। वहीं मेमू गाड़ी का सटिंग कर रहे दानापुर डिवीजन के चालक आदर्श अंतश ने बताया कि मेमू कारशेड में दो नंबर में गाड़ी थी और शेड में प्रेशर बनाकर गाड़ी को लेकर आगे बढ़ा, तभी अचानक ब्रेक फेल हो गया और गाड़ी बेपटरी हो गई। चालक ने बताया कि इसमें एक ही प्रेशर लगा हुआ था और इसका ब्रेक फैल हो गया। इधर ईएमयू गाड़ी के बेपटरी होने की खबर मेमू कारशेड के पदाधिकारी को मिली। इसके बाद शेड के पदाधिकारी एवं कर्मी मौके पर पहुंच गए और गाड़ी को उठाने के प्रयास में जुट गए।

पटना समेत बिहार के 13 जिलों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट

45 डिग्री तक जा सकता है पारा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में गर्मी का कहर जारी है। तेज धूप लोगों को झुलसा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने पटना, जहानाबाद, अरवल, नालंदा, लखीसराय, शेखुपुरा, कैमूर, सासाराम, औरंगाबाद, नवादा, गया, भोजपुर, बक्सर में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि राज्य के दक्षिण पूर्व भागों के एक से दो स्थानों पर लू (उष्ण लहर) की संभावना के साथ ही ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि राज्य के उत्तर पश्चिम भाग के एक से दो स्थान पर गर्म दिन होने की संभावना बताइए है। वहीं राज्य के उत्तर पूर्वी भागों के एक दो स्थानों पर मेघ गर्जन तेज हवा की संभावना जताई है, जिसकी रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की बताई जा रही है।

मौसम विभाग का मानना है कि दक्षिण मध्य भाग के पटना, गया, नवादा, शेखपुरा, नालंदा, बेगूसराय, लखीसराय,जहानाबाद, दक्षिण पश्चिम भाग के बक्सर ,भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल जिला की तापमान मंगलवार को 42 से 44 डिग्री रहने की संभावना है। दक्षिणी भागों के अधिकांश जिला में 14 जून तक हीट वेव की पूर्वानुमान बताई गई है। वहीं 15 से 16 जून के बाद मौसम के प्रबल होने की संभावना है। मौसम विभाग का यह मानना है कि सन स्ट्रोक से आम लोगों को जहां तक हो बचने का प्रयास करना चाहिए। मौसम विभाग ने बताया है कि तेज तपती धूप में बच्चों या पालतू जानवरों को गाड़ी के अंदर नहीं छोड़े। इसके साथ ही मौसम विभाग ने यह भी सुझाव दिया है कि बीमारी और बेहोशी महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान बक्सर और भोजपुर में 45.9 डिग्री सेल्सियस जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान मोतिहारी में 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। इसके साथ ही बिहार के जिन जिला में 40 डिग्री से अधिक तापमान दर्ज किए गए उन जिला का नाम पटना 41.7, गया 45.01, भागलपुर 40.01, छपरा 42.7, डेहरी 45.6, मोतीहारी 40.8 ,शेखपुरा 43.2, गोपालगंज 42.9, बिक्रमगंज 45.5, जमुई 42.02, बक्सर 45.9 ,भोजपुर 45.9, वैशाली 42.4, औरंगाबाद 45.5, बांका 41.6, नवादा 44.9, राजगीर 44.7, जीरादेई 44.5, अरवल 45.7, मुंगेर 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। इसके साथ ही 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किए गए जिलों के नाम इस प्रकार हैं। पूर्णिया 35.3, वाल्मीकि नगर 37.6, मुजफ्फरपुर 37.4 ,दरभंगा 38.4 ,सुपौल 36.3, फारबिसगंज 35.4 ,मधुबनी 37.8, बेगूसराय 39.01, कटिहार 35.01, अररिया 34.6, पूसा 36.8 और किशनगंज 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के किशनगंज जिला के एक या दो स्थानो मे हल्की से मध्यम स्तर की बरसात दर्ज की गई, जबकि शेष जिलों का मौसम शुष्क बना रहा। भीषण उष्ण पटना, शेखपुरा, बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद, बांका, नवादा, राजगीर, अरवल एवं मुंगेर में जबकि उष्ण लहर गया एवं जमुई में दर्ज किया गया। दक्षिण बिहार के अधिकांश जिलों का तापमान सामान्य से चार से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। आज के मौसम विश्लेषण के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा उप हिमालय पश्चिम बंगाल में ही बनी हुई है। प्रदेश में निचले क्षोभ मंडल में शुष्क पश्चिमी हवा का प्रवाह बना हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com